नई दिल्ली । सोमवार, 18 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :132 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अमीना ओर्फी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास... @ विचार महिलाओं के सपनों को कैद नहीं किया जा सकता... @ व्यापार स्वच्छ ऊर्जा में नीदरलैंड के साथ साझेदारी से भारत को...

अब मात्र 100 रुपये में आंसर शीट देख सकेंगे छात्र

कॉपी चेकिंग विवाद पर सीबीएसई बोर्ड ने दी सफाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीबीएसई ने छात्रों को बड़ी राहत देते हुए आंसर शीट देखने का शुल्क 700 रुपये से घटाकर 100 रुपये कर दिया है और ऑन-स्क्रीन मार्किंग विवाद पर सफाई देते हुए कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी है और इससे टोटलिंग की गलतियां खत्म हुई हैं।

कॉपी चेकिंग को लेकर चल रहे विवाद के बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने छात्रों के हक में एक बड़ी घोषणा की है। अब कोई भी छात्र मात्र 100 रुपये का शुल्क देकर अपनी आंसर शीट देख सकता है। आपको बता दें कि पहले इसके लिए छात्रों को 700 रुपये देने पड़ते थे। इसके अलावा, यदि कोई छात्र किसी विशेष सवाल की दोबारा जांच कराना चाहता है, तो उसके लिए प्रति प्रश्न 25 रुपये का शुल्क तय किया गया है।

ऑन-स्क्रीन मार्किंग पर सरकार और बोर्ड की सफाई

कक्षा 12वीं के छात्रों द्वारा ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर विद्यालय शिक्षा सचिव संजय कुमार और सीबीएसई अध्यक्ष राहुल सिंह ने स्थिति साफ की। उन्होंने माना कि इस नई व्यवस्था को लेकर बच्चों और अभिभावकों में काफी बेचैनी है और छात्रों को लग रहा है कि इस वजह से पास होने का प्रतिशत घटा है। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है जब डिजिटल चेकिंग हो रही है, बल्कि साल 2014 में ही इसकी शुरुआत की गई थी। इस साल हमने इसे फिर से लागू किया है। विदेशों में भी टेक्नोलॉजी के माध्यम से इसी तरह बहुत सी जगहों पर मार्किंग की जाती है।

उन्होंने आगे कहा कि सीबीएसई में कॉपियों के रीवैल्युएशन का नियम हमेशा से रहा है और बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड पूरी पारदर्शिता के साथ कॉपियों की जांच करेगा क्योंकि वे बच्चों और माता-पिता की चिंता को अच्छी तरह समझते हैं।

98 लाख से ज्यादा कॉपियां डिजिटल माध्यम से जांची गईं

सीबीएसई के अनुसार, इस बार कक्षा 12वीं के लगभग 98 लाख 66 हजार उत्तर पुस्तिकाओं की जांच डिजिटल यानी ऑन-स्क्रीन मार्किंग के जरिए की गई। इसके लिए पहले सभी कॉपियों को स्कैन करके उनकी पीडीएफ फाइल बनाई गई और फिर उन्हें सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कॉपियां जांचने वाले शिक्षकों को भेजा गया। बोर्ड का दावा है कि गड़बड़ी की आशंका को खत्म करने के लिए इस पूरी स्कैनिंग प्रक्रिया में तीन स्तर की सुरक्षा का इंतजाम किया गया था।

13 हजार कॉपियों की हुई मैनुअल चेकिंग

बोर्ड के अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि जांच के दौरान लगभग 13 हजार कॉपियों में हल्की स्याही होने या स्कैनिंग से जुड़ी कुछ अन्य तकनीकी दिक्कतें सामने आई थीं। किसी भी छात्र के भविष्य के साथ अन्याय न हो, इसलिए ऐसी सभी कॉपियों को तुरंत अलग किया गया और उन्हें पारंपरिक तरीके से जांचने के लिए मैनुअल चेकिंग के लिए भेजा गया।

टोटलिंग की गलतियां हुईं पूरी तरह खत्म

सीबीएसई ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग के फायदे बताते हुए कहा कि इस डिजिटल सिस्टम का सबसे बड़ा लाभ यह है कि नंबर जोड़ने या टोटलिंग में होने वाली मानवीय गलतियां अब लगभग खत्म हो गई हैं। कंप्यूटर आधारित इस सिस्टम में हर एक स्टेप की मार्किंग का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है।

छात्रों को मिलेगा संदेह दूर करने का पूरा मौका

बोर्ड ने साफ किया है कि यदि किसी छात्र को अपने मिले अंकों को लेकर कोई भी शक या संदेह है, तो वह अपनी उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी मांगकर देख सकता है। इसके लिए छात्रों को तय किया गया नया शुल्क जमा करना होगा। बोर्ड के नियमों के अनुसार, छात्र उत्तर पुस्तिका देखने, अंकों का वेरिफिकेशन कराने और किसी खास प्रश्न का पुनर्मूल्यांकन कराने के लिए आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

स्वीडन में पीएम मोदी का हुआ भव्य स्वागत

भारत-यूरोप रिश्तों को नई उड़ान

एजेंसी ■ स्टॉकहोम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने यूरोप दौरे के अगले चरण में रविवार को स्वीडन पहुंच गए हैं। जैसे ही उनका विमान स्वीडन की हवाई सीमा में दाखिल हुआ, वैसे ही स्वीडिश वायुसेना के आधुनिक ग्रिपेन लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को चारों तरफ से घेरकर एस्कॉर्ट किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे किसी विदेशी नेता को दिए जाने वाले विशेष सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इससे पहले पीएम मोदी के यूएई पहुंचने पर भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला था, जहां वहां की वायुसेना के एफ-16 जेट विमानों ने पीएम मोदी के विमान को सुरक्षा दी थी।

एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट स्वागत

स्वीडन पहुंचने पर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का बेहद भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। यहां के गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन खुद मौजूद थे। पीएम मोदी के विमान से नीचे उतरते ही उल्फ क्रिस्टर्सन ने बेहद गर्मजोशी और अदब के साथ उनसे हाथ मिलाया और गले मिलकर उनका स्वागत किया।

दो दिन की महत्वपूर्ण यात्रा

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 और 18 मई को स्वीडन के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। यह यात्रा स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन के विशेष निमंत्रण पर हो रही है। इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बड़े नेता भारत और स्वीडन के बीच पुराने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। साथ ही व्यापार, निवेश और आधुनिक तकनीकों के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर गहन चर्चा की जाएगी।

इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी बातचीत

भारत और स्वीडन के बीच आपसी व्यापार वर्ष 2025 में 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर के बड़े आंकड़े तक पहुंच चुका है। अब इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच पर्यावरण के ग्रीन टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई उभरती तकनीकें, स्टार्टअप, मजबूत सप्लाई चेन, डिफेंस, अंतरिक्ष और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी को और आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

'यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री' को करेंगे संबोधित

अपने इस व्यस्त दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और स्वीडन के प्रधानमंत्री, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ मिलकर 'यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री' कार्यक्रम को भी संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे।

राजधानी एक्सप्रेस के 2 कोच में लगी आग

गार्ड सतर्कता से 68 यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया

एजेंसी ■ कोटा

कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ।

आग ट्रेन के कोच नंबर क्क-1 और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई।

सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कुछ पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। ट्रेन 1.15 बजे कोटा पहुंची। ट्रेन के कोटा पहुंचते ही बी 1 में सवार यात्रियों ने रेलवे की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई। साथ ही सामान के नुकसान की आर्थिक सहायता मांगी। रेलवे ने 5-5 हजार रुपए का लिफाफा दिया। इसे कुछ यात्रियों ने लेने मना कर दिया। एक घंटा 15 मिनट बाद दोपहर करीब 2:30 बजे कोटा से रवाना हुई। कुछ यात्री ट्रेन में नहीं बैठे। वो एफआईआर दर्ज करवाने की मांग पर अड़े रहे।

गोपनीय सवाल पैसों के बदले लीक किए

14 दिन की कस्टडी में एनटीए की एक्सपर्ट मनीषा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी, सीनियर टीचर मनीषा मांढरे को दिल्ली की कोर्ट ने 14 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया है। एनटीए की विशेषज्ञ मांढरे पर आरोप है कि उन्होंने प्रश्न पत्र तैयार करते समय बायोलॉजी के गोपनीय सवाल पैसों के बदले लीक किए, जिसकी जांच अब सीबीआई कर रही है।

नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले की मुख्य आरोपी मनीषा गुरुनाथ मांढरे को 14 दिनों के लिए सीबीआई की कस्टडी में सौंप दिया है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, महाराष्ट्र की एक सीनियर टीचर मांढरे, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से जुड़ी एक विशेषज्ञ के तौर पर काम कर रही थीं। वे पुणे के शिवाजीनगर इलाके में स्थित 'मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स' में पढ़ाती थीं।

बायोलॉजी के गोपनीय प्रश्नों तक थी सीधी पहुंच

सीबीआई ने जांच के बाद बताया कि मनीषा मांढरे नीट यूजी 2026 परीक्षा के लिए बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्न पत्र तैयार करने वाली टीम में शामिल थीं। परीक्षा प्रणाली में इतनी बड़ी भूमिका होने के कारण, उनके पास 3 मई 2026 को होने वाली परीक्षा से पहले ही बायोलॉजी के बेहद गोपनीय प्रश्नों की सीधी पहुंच थी, जिसका उन्होंने गलत फायदा उठाया।

मनीषा वाघमारे के जरिए ढूंढे छात्र

जांचकर्ताओं का दावा है कि अप्रैल 2026 के दौरान आरोपी मांढरे ने एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे के माध्यम से कुछ चुनिंदा नीट उम्मीदवारों की पहचान की थी। इस सौदेबाजी में शामिल मनीषा वाघमारे को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

घर पर दी गई खास कोचिंग

सीबीआई के अनुसार, पुणे में आरोपी मांढरे के घर पर छात्रों के लिए खास कोचिंग सेशन रखे गए थे। इन क्लासेज के दौरान, छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के जरूरी सवालों को अपनी नोटबुक में लिखने और टेक्स्टबुक में निशान लगाने के लिए कहा गया था। अधिकारियों का कहना है कि मांढरे द्वारा बताए गए ये कई सवाल बाद में नीट यूजी 2026 के असली परीक्षा पेपर से हूबहू मेल खाते मिले।

बड़ी रकम के बदले हुआ खेल, सीबीआई जांच जारी

जांच एजेंसी का मानना है कि इस पूरे पेपर लीक ऑपरेशन में विभाग के अंदरूनी लोग, बिचौलिए और कुछ ऐसे उम्मीदवार शामिल थे, जिन्होंने परीक्षा के लीक प्रश्न हासिल करने के लिए भारी रकम चुकाई थी। आपको बता दें कि शिक्षा मंत्रालय के अधीन उच्च शिक्षा विभाग से शिकायत मिलने के बाद, सीबीआई ने 12 मई 2026 को इस मामले में आधिकारिक तौर पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी।

यूएई के न्यूक्लियर प्लांट पर ड्रोन अटैक

होर्मुज पार कर एक और एलपीजी टैंकर भारत पहुंचा

एजेंसी ■ तेल अवीव

यूएई के अल धफरा इलाके में स्थित बराकाह न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट के बाहर ड्रोन हमले के बाद एक बिजली जनरेटर में आग लग गई। अबू धाबी मीडिया ऑफिस के मुताबिक इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। साथ ही न्यूक्लियर प्लांट की सुरक्षा और रेडिएशन स्तर पर भी कोई असर नहीं पड़ा।

अधिकारियों के मुताबिक, प्लांट की सभी जरूरी मशीनें और सिस्टम सामान्य तरीके से काम कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन या देश ने नहीं ली है, लेकिन ईरान पर शक जताया जा रहा है। हाल के दिनों में ईरान लगातार यूएई को धमकी देता रहा है। युद्ध के दौरान यूएई में इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम और अमेरिकी सैनिक मौजूद थे। वहीं, ईरान जंग के बीच एक और एलपीजी टैंकर होर्मुज पार कर भारत पहुंच गया है। मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला टैंकर 'सिमी' 20 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात के कांडला पोर्ट पहुंचा। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जंग शुरू होने के बाद अब तक 15 एलपीजी जहाज भारत पहुंच चुके हैं।

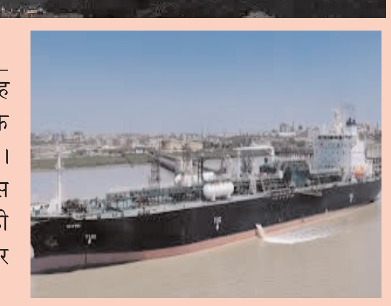

मोदी कब मांगेंगे छात्रों से माफी : राहुल गांधी

जिम्मेदार लोगों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं ?

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश की शिक्षा व्यवस्था और नीट पेपर लीक को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। उन्होंने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी का आरोप है कि सरकार के फैसलों ने देश के करोड़ों युवाओं और बच्चों के भविष्य को गहरी अनिश्चितता में धकेल दिया है। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय को 'आपदाओं का विभाग' बताया है।

तीन परीक्षाओं में बड़ी नाकामियों के आरोप

राहुल गांधी ने तीन अलग-अलग आयु वर्ग के छात्रों से जुड़े गंभीर मुद्दों के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि इन गलतियों के लिए जिम्मेदार लोगों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नीट परीक्षा का संकट: राहुल गांधी के अनुसार, नीट-यूजी परीक्षा में हुए पेपर लीक ने देश के 22 लाख से अधिक छात्रों को प्रभावित किया है। इस बड़ी गड़बड़ी के बाद परीक्षा रद्द होने से छात्रों के सामने भविष्य का संकट खड़ा हो गया है।

सीबीएसई 12वीं की मार्किंग: उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीएसई कक्षा 12वीं की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली पूरी तरह से दोषपूर्ण रही है। इसके कारण कई होनहार छात्रों को उम्मीद से बहुत कम अंक मिले हैं और वे कॉलेज में दाखिले की पात्रता खो चुके हैं।

कक्षा 9वीं पर नया नियम: राहुल गांधी ने कक्षा 9वीं के लाखों छात्रों पर अचानक लागू किए गए तीन-भाषा फॉर्मूले की भी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि बिना शिक्षकों और बिना नई किताबों के एक जुलाई से यह नियम थोप दिया गया है। 14 साल के बच्चों को विकल्प के तौर पर कक्षा छह की किताबें दी जा रही हैं, जिसे उन्होंने एक बेहद खराब प्रशासनिक व्यवस्था बताया।

शिक्षा मंत्री की बर्खास्तगी और पीएम से माफी की मांग

राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि वे हर एक आयु वर्ग के छात्रों को संभालने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अभियान का समर्थन करते हुए सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल किया कि क्या वे इस प्रशासनिक विफलता के लिए देश के लाखों प्रभावित बच्चों से माफी मांगेंगे ?

सतीशन ने 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल का किया ऐलान

संतुलन साधने की कोशिश दिखी

एजेंसी ■ तिरुवनंतपुरम

केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वी.डी. सतीशन ने रविवार को 20 सदस्यीय यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) मंत्रिपरिषद की घोषणा कर दी। इसके साथ ही प्रतिनिधित्व, क्षेत्रीय संतुलन और सहयोगी दलों की हिस्सेदारी को लेकर कई दिनों से चल रही चर्चाओं और मंथन पर विराम लग गया। सोमवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा।

नई मंत्रिपरिषद में अनुभवी नेताओं और नई पीढ़ी के चेहरों का मिश्रण देखने को मिला है। इसमें कांग्रेस के साथ यूडीएफ के प्रमुख सहयोगी दलों जैसे इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), केरल कांग्रेस और अन्य घटक दलों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है।

सतीशन मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों में रमेश चेन्निथला, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन, ए.पी. अनिल कुमार, पी.सी. विष्णुनाथ, रोजी एम. जॉन, बिंदु कृष्णा, एम. लिजू, टी. सिद्दीकी, के.ए. थुलसी और ओ.जे. जनीश (कांग्रेस) शामिल हैं। वहीं आईयूएमएल से पी.के. कुन्हालीकुट्टी, एन. समसुद्दीन, के.एम. शाजी, पी.के. बशीर और वी.ई. अब्दुल गफूर को मंत्रिमंडल में जगह मिली है।

इसके अलावा केरल कांग्रेस (जोसेफ) से मॉन्स जोसेफ, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी से शिबू बेबी जॉन, केरल कांग्रेस (जैकब) से अनूप जैकब और कम्युनिस्ट मार्क्सिस्ट पार्टी से सी.पी. जॉन को भी मंत्री बनाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, गठबंधन को शानदार जीत दिलाने के बावजूद सतीशन कांग्रेस को सीमित मंत्रिपद मिलने से कुछ हद तक निराश बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद के नामित नेता ने इस बात पर चिंता जताई कि कांग्रेस ने विधानसभा में 63 सीटें जीतीं, लेकिन गठबंधन धर्म और सत्ता साझेदारी की मजबूरियों के कारण पार्टी के केवल 11 नेताओं को ही मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सका। इस बीच आईयूएमएल के प्रदेश अध्यक्ष सैयद सादिक अली शिहाब थंगल ने घोषणा की कि वरिष्ठ नेता परक्कल अब्दुल्ला को सरकार के कार्यकाल के पहले आधे हिस्से के बाद मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। यह फैसला कोझिकोड जिले को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से लिया गया है।

गुटेनबर्ग में पीएम मोदी का स्वागत, भारत-स्वीडन साझेदारी और यूरोप से निवेश सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वीडन पहुंचते ही गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर वहां के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन ने उनका स्वागत किया। यहां पीएम व्यापार, निवेश, नवाचार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-स्वीडन संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे।

पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्?ट किया, 'स्वीडन के गुटेनबर्ग पहुंच गया हूं। मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन से मिलूंगा, जिसका उद्देश्य व्यापार, निवेश, नवाचार, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में भारत-स्वीडन की दोस्ती को आगे बढ़ाना है। प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ, मैं 'यूरोपीय व्यापार गोलमेज सम्मेलन' में यूरोपीय व्यापार जगत के नेताओं से मिलूंगा। इससे भारत और यूरोप के बीच निवेश के संबंध भी मजबूत होंगे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अपनी यात्रा के

दौरान, पीएम मोदी और क्रिस्टर्सन दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग के नए रास्ते तलाशेंगे।

दोनों देशों के बीच व्यापार 2025 में 7.75 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि 2000 से 2025 के बीच स्वीडन का भारत में निवेश 2.825 अरब डॉलर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी और क्रिस्टर्सन, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ मिलकर यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री को भी संबोधित करेंगे। यह यूरोप के बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों का एक प्रमुख मंच है।

प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले 2018 में पहली बार आयोजित भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के लिए स्वीडन गए थे।

स्वीडन में भारत के राजदूत अनुराग भूषण ने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण बताया और गुटेनबर्ग शहर की खासियत पर भी बात की।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रविवार को यहां पहुंचे हैं। वह स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन के निमंत्रण पर आए हैं। प्रधानमंत्री स्वीडन के व्यापारिक समुदाय से भी मिलेंगे। वह यूरोपियन राउंडटेबल ऑफ इंडस्ट्री के सदस्यों को भी संबोधित करेंगे, जिसमें यूरोप की बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

भारत के एफटीए से निर्यातकों को दुनिया की करीब 70 प्रतिशत जीडीपी तक मिलती है पहुंच : पीयूष गोयल

गांधीनगर । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के हालिया मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) ने देश को उन बाजारों तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंच प्रदान की है जो वैश्विक जीडीपी के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं।

गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) में इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति को दर्शाते हैं और विनिर्माण, निर्यात, डिजाइन और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देंगे।मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक जीडीपी के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से को कवर करते हुए 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि भारत ने सीधे तौर पर भारत से प्रतिस्पर्धा करने वाले देशों के बजाय 'मजबूत और विकसित अर्थव्यवस्थाओं' के साथ समझौते किए हैं।

गोयल के अनुसार, इन समझौतों में वैश्विक व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा शामिल है और इनसे भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, 'केवल भारत के बाजारों पर नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों पर कब्जा करने के उद्देश्य से हम उत्पाद डिजाइन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और इनोवेटिव उत्पादों में सुधार करें, तो यह हमारी ताकत बन जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत में कम लागत वाले इंटरनेट और बढ़ते डिजिटल बुनियादी ढांचे ने देश को नवाचार और प्रौद्योगिकी निवेश के लिए एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य बना दिया है।

अमित शाह ने अहमदाबाद में मिलियन माइंड्स टेक पार्क, रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया

गांधीनगर । केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' और 'गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उसी प्रकार अग्रणी भूमिका निभाएगा, जिस प्रकार स्वतंत्रता के बाद से इसने राष्ट्र का नेतृत्व किया है।

उन्होंने आगे कहा कि ये दोनों परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण को नई गति प्रदान करेंगी, जिसके तहत गुजरात को मात्र एक मैन्युफैक्चरिंग केंद्र से सर्विसेज और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक अग्रणी वैश्विक केंद्र में परिवर्तित करना है।

सर्विसेज सेक्टर में गुजरात को शीर्ष तीन राज्यों में शामिल करने के अपने दृष्टिकोण को व्यक्त करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि राज्य ने लगातार आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया है।

'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' के माध्यम से राज्य के युवाओं के लिए हजारों उच्च कुशल रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे।

यह टेक पार्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे उन्नत क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देगा।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' रियल एस्टेट क्षेत्र में व्यावसायिकता और आधुनिकीकरण लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह संस्थान आधुनिक शहरी नियोजन, टेक्नोलॉजी केंद्रीय पाठ्यक्रमों और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से कुशल मानव संसाधन तैयार करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात आज टेक्नोलॉजी, उद्योग और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में देश को एक नई दिशा प्रदान कर रहा है और ऐसे विशिष्ट संस्थान और टेक्नोलॉजी-आधारित परियोजनाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था में राज्य की स्थिति को मजबूत करेंगी।

उन्होंने आगे कहा कि वैष्णोदेवी सर्कल के पास अहमदाबाद-गिफ्ट सिटी-गांधीनगर उच्च विकास गलियारे में लगभग 65 एकड़ में विकसित हो रहे इस टेक सिटी में ग्रेड-ए कार्यालय स्थान, आवासीय सुविधाएं, खुदरा और आतिथ्य अवसंरचना शामिल होगी। इस परियोजना से 70,000 से अधिक उच्च-कुशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य ने विनिर्माण, बंदरगाहों, अवसंरचना, हरित ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स और निवेश के क्षेत्र में बड़ी प्रगति हासिल की है।मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य अब आईटी, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी आधारित अर्थव्यवस्था द्वारा संचालित विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है।'

नीट मामले में धर्मेंद्र प्रधान को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए : इमरान मसूद

सहारनपुर । कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग की।

इमरान मसूद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'यह नैतिकता का मामला होता है। जब नैतिकता ही नहीं बची है, तो क्या किया जा सकता है?'

कांग्रेस सांसद ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने पर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब प्रधानमंत्री को यह एहसास हो गया है कि देश आर्थिक और ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने पिछले साल संसद में अर्थव्यवस्था गर्त में जाने की बात कही थी, लेकिन अब शायद प्रधानमंत्री को समझ में आया है। अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से बहुत अच्छी नहीं है। सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस मुसीबत से निकलने के रास्ते खोजने चाहिए।'

इमरान मसूद ने ईरान-अमेरिका युद्ध के संभावित प्रभाव पर चिंता जताते हुए कहा कि इस तनाव से भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा असर पड़ सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से तत्काल रणनीति बनाने की अपील की।दूसरी तरफ राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मेडिकल कॉलेजों में कुछ परिवारों का दबदबा है और पेपर लीक के जरिए करोड़ों रुपए की अवैध कमाई हो रही है। उन्होंने संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

दरअसल, नीट विवाद पर कांग्रेस लगातार सरकार पर हमलावर है। इससे पहले लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था, 'मोदी सरकार में कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं है - बस धोखे का एक फिक्स्ड फॉर्मूला है। नीट पेपर लीक हुआ - एक भी मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। धर्मेंद्र प्रधान ने नीट के 22 लाख छात्रों के साथ धोखा किया है। उन्होंने संसद का भी अपमान किया है। शिक्षा मंत्री को अभी तुरंत हटाया जाए।'

नीट मामले को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। एनएसयूआई समेत कांग्रेस के छात्र संगठन लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्ष सरकार पर परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह से फेल होने का आरोप लगा रहा है, जबकि केंद्र सरकार ने जांच एजेंसियों को मामले की तेज जांच के निर्देश दिए हैं।

इस साल वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 90 से 110 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहने की उम्मीद : मूडीज

मुंबई। चालू कैलेंडर वर्ष यानी 2026 में कच्चे तेल की कीमतें 90 से 110 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहने की उम्मीद है। इसकी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से पूरी तरह से खुलने और अमेरिका एवं ईरान के बीच जल्द समझौता होने की कम संभावना होना है। यह जानकारी मूडीज की ओर से जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि अगर अगले छह महीनों में हॉर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित आवागमन फिर से शुरू हो भी जाता है, तो भी तेल बाजार में आपूर्ति सीमित रहेगी। ऊर्जा की कीमतें लगातार ऊंची और अस्थिर बनी रहेंगी, जिससे लागत, मांग और फंडिंग की लागत पर असर हो सकता है।

रिपोर्ट में मूडीज ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि ब्रेंट क्रूड की कीमत इस साल के अधिकांश समय तक 90-110 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहेगी, जिसमें काफी उतार-चढ़ाव होगा, और किसी नई घटना पर कभी-कभी इस सीमा से बाहर भी जा सकती है।'

मूडीज ने कहा कि ट्रांजिट फ्लो में धीरे-धीरे सुधार होगा, लेकिन यह पूरी तरह से खुलने के बजाय द्विपक्षीय चैनलों के माध्यम से होगा। इससे एनर्जी ट्रांजिट फ्लो में वर्तमान लगभग शून्य से कुछ क्रमिक सुधार संभव होगा, लेकिन यह प्रक्रिया धीमी, अपारदर्शी और व्यवधानों भरी होगी।

रिपोर्ट में कहा गया, 'हम उम्मीद करते हैं कि तेल आयातक देश - विशेष रूप से चीन, भारत, जापान और कोरिया - ईरान के साथ द्विपक्षीय रूप से ट्रांजिट के लिए बातचीत करेंगे।'

हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में संघर्ष-पूर्व स्तर के यातायात की वापसी की संभावना नहीं है। मूडीज ने कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट से होकर जहाजों के आवागमन में आई रुकावट वैश्विक ऊर्जा प्रवाह के लिए एक संरचनात्मक आपूर्ति बाधा बन गई है, न कि एक अस्थायी आपूर्ति संकट। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यह रुकावट शरद ऋतु तक जारी रहने की उम्मीद है। मूडीज ने यह भी चेतावनी दी है कि लगातार बढ़ती ऊर्जा कीमतें और ऊर्जा उत्पादों की कमी से मुद्रास्फीति में वृद्धि होगी।

उत्तर भारत भीषण लू चलने की आशंका, तापमान 45 डिग्री के आसपास रहने के आसार

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को बताया कि दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है, तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

आईएमडी ने एक बयान में कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में सप्ताह के कई दिनों तक लू से लेकर भीषण लू की स्थिति रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने उत्तर, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों के लिए गंभीर पूर्वानुमान जारी करते हुए पूरे सप्ताह भीषण गर्मी पड़ने की आशंका जताई है। विभाग का कहना है कि इन क्षेत्रों में लोगों को लू से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

दिल्ली और एनसीआर में बढ़ते तापमान का असर दिखना शुरू हो गया है, पारा सामान्य से ऊपर चढ़ गया है। शनिवार को सफदरजंग (जो शहर के मौसम का प्रतिनिधित्व करता है) में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई के बीच नई ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, 23 मई से नियमित सेवा होगी शुरू

मुंबई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को मुंबई और बेंगलुरु के बीच एक नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जानकारी रेल मंत्री 'एक्स' पोस्ट के माध्यम से दी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि बेंगलुरु और मुंबई के बीच नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीधी कनेक्टिविटी को मजबूती।

रेल मंत्रालय की ओर से 'एक्स' पोस्ट पर लिखा गया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने अन्य अतिथियों के साथ मिलकर आज बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जिससे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिला है।

मध्य रेलवे की ओर की गई

सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया कि दो प्रमुख शक्ति- केंद्रों के बीच एक मजबूत रेल संपर्क! मध्य रेलवे ने लिखा कि बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस, कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत बनाती है। जिससे व्यापार, शिक्षा, पर्यटन और रोजगार के अवसरों के लिए यात्रा और भी सुगम हो जाएगी है।

रेलवे मंत्रालय ने रविवार, 17 मई से बेंगलुरु और मुंबई के बीच नई बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन (16553/16554) की शुरुआत की। इस ट्रेन के चलने से बेंगलुरु, हुबली-धारवाड़, बेलगावी, पुणे और मुंबई के बीच यात्रा करने वाले लोगों को आसानी होगी। इस ट्रेन का संचालन दक्षिण पश्चिम रेलवे की ओर से किया जाएगा।

बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन (16553/16554) सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलुरु से मुंबई के लोक मान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) के बीच चलेगी। यह ट्रेन बेंगलुरु से चलकर मुंबई की दूरी 24 घंटे 5 मिनट में पूरी करेगी।

बेंगलुरु से 23 मई से ट्रेन की रेगुलर सर्विस शुरू होगी, जबकि मुंबई से इस ट्रेन की शुरुआत 24 मई को होगी। यह ट्रेन कुल 15 स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन बेंगलुरु से हर शनिवार और मंगलवार की रात 8:35 बजे चलकर रविवार और बुधवार को रात 8:40 बजे मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। रेलवे ने इस ट्रेन के स्लीपर क्लास का किराया 750 रुपए, थर्ड एसी का किराया 1880 रुपए और सेकेंड एसी का किराया 2575 रुपए तय किया है।

संक्षिप्त खबरें

नगर निगम पर कांग्रेसियों को संरक्षण देने का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर नगर निगम पर कांग्रेसियों ने संरक्षण देने का आरोप लगाया है। भाजपा कार्यकर्ता ने दबी जाबान से कहा कि पूर्व महापौर ऐजाज़ ढेबर के कट्टर समर्थक अब्दुल के व्यावसायिक काम के लिए पर नगर निगम ने आंखें मूंद ली है और शिकायत के बाद कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

संगठन ने अपनी याचिका में कहा है कि पार्टी के सरकारी निगम सहित राज्य में भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में उन्हें बहुत सारी सुविधाएं दी गई थीं। विशेष रूप से पूर्व ऐज़ाज़ ढेबर ने नमूनों को जो कि पूरी तरह से वैधानिक एवं अमूर्त चित्रों के साथ होता था, निगम के अमलों को कई तरह से भेजा था। राजधानी के हदय स्थल जयस्तंभ चौक–रविभवन के पास स्थित रहमानिया चौक का है जहां पूर्व महापौर ऐजाज़ ढेबर के कट्टर समर्थक अब्दुल फहीम खान के व्यावसायिक काम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। यह विशाल अंत्यंत ही सघन व्यावसायिक केंद्र के रूप में यहां जाना जाता है, यहां की एक–एक इंच जमीन बेशकीमती है। बताया जाता है कि फहीम खान के कैंपस का पहला नक्शा ही पास नहीं हुआ था, उसके बाद भी निर्माण कार्य शुरू हुआ था। राज्य एवं नगर निगम में सरकार परिवर्तन के बाद कुछ सिद्धांतों का नक्शा पास किया गया।

रामकृष्ण परमहंस वार्ड को मिली विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक, 20 के क्षेत्र की रहवासी जनता को रायपुर पश्चिम विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री राजेश मूणत और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने 1 करोड़ रूपये से भी अधिक ने नए विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन की अनुपम सौगात दी। नगर निगम जोन 8 के रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 20 में 1 नए आंगनबाड़ी भवन और 3 स्थानों पर नए सामुदायिक भवनों का लोकार्पण और वार्ड 20 में विभिन्न स्थानों में सीसी रोड, नाली, पुलिया निर्माण सहित पाईप लाईन विस्तार कार्य, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य शीघ्र करवाने वार्ड पार्षद कार्यालय और भूमिपूजन रायपुर पश्चिम विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री राजेश मूणत और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे द्वारा किये जाने के इस अवसर पर शिक्षक कॉलोनी कोटा वार्ड 20 क्षेत्र में वार्ड 20 के पार्षद अमन सिंह ठाकुर, नगर निगम जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, पूर्व पार्षद सुनील चंद्राकर, ओंकार बैस,नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर सहित रामकृष्ण परमहंस वार्ड शिक्षक कॉलोनी कोटा के स्थानीय रहवासी गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों, बच्चों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 20 में शिक्षक कॉलोनी कोटा में 10 लाख रूपये में नवनिर्मित सामुदायिक भवन सहित अन्य दो स्थानों पर 10 लाख रूपये और 5 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से दो अन्य नए सामुदायिक भवनों और एक स्थान पर 10 लाख की लागत से नए आँगनबाड़ी भवन का फीता काटकर लोकार्पण और वार्ड क्रमांक 20 के विभिन्न स्थानों में नई सीसी रोड, नाली, पुलिया निर्माण और पाईप लाईन विस्तार कार्य सहित नए सामुदायिक भवन के विकास और निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 20 के क्षेत्र में शीघ्र मूर्त रूप लेंगे।

अमर्यादित बातचीत, कार्यपालन अभियंता निलंबित

रायपुर। ड्राइवर से मोबाइल में अमर्यादित भाषा का उपयोग करने पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता शशांक सिंह के खिलाफ आखिरकार कार्रवाई हो गई है. जल संसाधन विभाग ने आदेश जारी कर शशांक सिंह को निलंबित कर दिया है।

शशांक सिंह के ड्राइवर से अमर्यादित वार्तालाप का ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें ड्राइवर को प्रताड़ित करने और अधिकारियों पर अशोभनीय टिप्पणी की गई थी. वाइरल ऑडियो को लेकर जिला प्रशासन ने शशांक सिंह के साथ ड्राइवर शशिकांत से जवाब मांगा था। संतोषजनक जवाब नहीं पाए जाने पर शशांक सिंह को विभाग ने तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए नवा रायपुर स्थित प्रमुख अभियंता कार्यालय में अटैच किया है।

जनगणना 2027 : छत्तीसगढ़ में 60% से अधिक मकान सूचीकरण का कार्य पूरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। राज्य के सभी जिलों और नगर निगमों में मकान सूचीकरण ब्लॉकों के गठन और सत्यापन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में जारी आधिकारिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक कुल 60.73% कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस महाअभियान में डिजिटल टेक्नोलॉजी के सटीक समन्वय से कुल 48,742 ब्लॉकों में से 29,602 ब्लॉकों का कार्य पूर्ण हो चुका है।

सटीक जनगणना से ही हर गरीब तक पहुंचेगा सुशासन : साय

राज्य की इस प्रगति पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संतोष व्यक्त करते हुए गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिला प्रशासन और प्रदेश भर के प्रगणकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' और सुशासन के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। आगामी जनगणना 2027 के ये आंकड़े भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और नीति निर्धारण की मजबूत बुनियाद बनेंगे। डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर समय–सीमा में कार्य पूर्ण करना सराहनीय है। जिन बड़े शहरों या नगर निगमों में गति धीमी है, वहां के अधिकारी मैदानी मॉनिटरिंग बढ़ाएं और जल्द से जल्द इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को गति दें।

गौरेला–पेंड्रा–मरवाही ने मारी बाजी, कई जिले शत–प्रतिशत के करीब

राज्य स्तर पर जिलों के प्रदर्शन को देखा जाए तो आदिवासी बहुल गौरेला–पेंड्रा– मरवाही जिला सूची में शीर्ष पर है, जिसने अपने सभी 528 मकान सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य 100% पूरा कर लिया है। इसके बाद जशपुर (99.87%) और मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी (99.84%) जिले भी पूर्णता के बेहद करीब हैं। इसके अलावा बेमेतरा (97.8%) और मुंगेली (96.52%) जिलों में भी काम लगभग खत्म होने की कगार पर है।

कलेक्टर की रणनीति आई काम

जिले के इस शानदार प्रदर्शन और 'शून्य पेंडेंसी' के मॉडल पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने अपनी टीम की पीठ थपथपाते हुए कहा कि यह सफलता हमारे स्थानीय प्रगणकों, पर्यवेक्षकों और जिला प्रशासन की बेहतरीन टीम भावना का परिणाम है। भौगोलिक रूप से दुर्गम और आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के बावजूद हमने माइक्रो–प्लानिंग के तहत काम किया। हर चार्ज नंबर की रोजाना डिजिटल मॉनिटरिंग की गई, जिससे 17 मई की मध्यरात्रि को डेटा पोर्टल पर सिंक होते ही हमने 100% पूर्णता का लक्ष्य हासिल कर लिया। अब हम अगले चरण के प्रशिक्षण और मैदानी सत्यापन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बड़े शहरों और नगर निगमों की रफ्तार सुस्त, रायपुर–भिलाई पिछड़े

एक तरफ जहां ग्रामीण और दूरस्थ जिलों ने बाजी मारी है, वहीं राज्य के बड़े शहरों और नगर निगम क्षेत्रों में काम की रफ्तार चिंताजनक रूप से धीमी दर्ज की गई है। रायगढ़ नगर निगम सूची में सबसे निचले पायदान पर है, जहां महज 4.65% काम ही पूरा हो सका है। औद्योगिक हब भिलाई नगर में केवल 7.84% और रिसाली में 8.33% कार्य ही संपन्न हुआ है। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां कुल 1,964 ब्लॉकों में से केवल 203 ही पूरे हो पाए हैं, जो कि कुल लक्ष्य का मात्र 10.34% है।

प्रशासनिक मुस्तैदी का असर

राहत की बात यह है कि राज्य के अधिकांश जिलों में कार्य शुरू नहीं हुआ का आंकड़ा शून्य है। इसका साफ मतलब है कि मैदानी स्तर पर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय है। कबीरधाम के महज 1 ब्लॉक को छोड़कर हर जगह काम शुरू हो चुका है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बचे हुए 'प्रगति पर' कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने के लिए नगर निगम आयुक्तों और जिला कलेक्टर्स को विशेष नोडल अधिकारी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ दवा व्यापारी संगठनों के आह्वान पर कैट का नैतिक समर्थन

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा 20 मई को प्रस्तावित मेडिकल व्यापार बंद के समर्थन एवं ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव, ई–कॉमर्स कंपनियों की भारी डिस्काउंट संस्कृति तथा पारंपरिक व्यापार पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को लेकर छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेशभर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने व्यापक एकजुटता का परिचय दिया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने कहा कि कैटप्रदेश कार्यालय, पंडरी रायपुर में आयोजित इस महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए सर्वसम्मति से दवा व्यापारी संगठनों को नैतिक समर्थन प्रदान किया। बैठक में यह स्पष्ट रूप से कहा गया कि यह केवल दवा व्यापार का विषय नहीं बल्कि देश के समस्त पारंपरिक व्यापार, छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय बाजार व्यवस्था के संरक्षण का विषय है।

सिपाही की गर्दन की हड्डी टूटने से हुई थी मौत

रायपुर। राजधानी के वीआईपी रोड स्थित पुजारी फार्म हाउस में हुए सिपाही रमाकांत सिंह की मौत मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद नया खुलासा हुआ है। शुरुआती तौर पर इसे सामान्य डूबने की घटना माना जा रहा था, लेकिन शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने हादसे की वजह स्पष्ट कर दी

जानकारी के मुताबिक माना थाना में पदस्थ सिपाही रमाकांत सिंह अपने साथी पुलिसकर्मियों और परिचितों के साथ ड्यूटी खत्म होने के बाद फार्म हाउस में पिकनिक मनाने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने स्विमिंग पूल में छलांग लगाई। बताया जा रहा है कि जंप के दौरान उनका सिर सीधे पूल के फर्श से टकरा गया, जिससे गर्दन की हड्डी टूट गई। गंभीर चोट लगने के बाद वह पानी के भीतर ही बेहोश हो गए और बाहर नहीं निकल सके। घटना के समय मौजूद लोगों को शुरुआत में लगा कि रमाकांत मजाक कर रहे हैं या पानी के भीतर खेल रहे हैं। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर साथियों को संदेह हुआ, जिसके बाद उन्हें बाहर निकाला गया। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गर्दन की हड्डी टूटने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। फार्म हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और घटना के समय मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

बेबीलॉन होटल के संचालक की बेदम पिटाई

रायपुर। राजधानी रायपुर के चर्चित बेबीलॉन होटल के संचालक बलदेव खनूजा के साथ बेटे को अपने साथ ले जाने की बात को लेकर होटल में पत्नी तरनप्रीत खनूजा, ससुर अमरजीत सिंह होरा और सास देवेंद्र होरा से विवाद इतना बढ़ गया कि ससुर ने होटल में ही उनकी पिटाई कर दी। घटना के बाद होटल कारोबारी बलदेव ने तेलीबांधा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। वहीं बलदेव खनूजा के ससुर अमरजीत सिंग होरा ने भी अपने दामाद के खिलाफ तेलीबांधा थाना में शिकायत की है। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद मामले की जांच में जुट गई है।

तेलीबांधा पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता बलदेव खनूजा वीआईपी रोड स्थित खनूजा हाउस में रहते हैं और बेबीलॉन होटल का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका 8 वर्षीय बेटा उनके साथ रहता है। 15 मई 2026 की सुबह करीब 11:30 बजे उनकी पत्नी तरनप्रीत खनूजा, ससुर अमरजीत सिंह होरा और सास देवेंद्र होरा होटल बेबीलॉन के ऑफिस पहुंचे थे। वे बच्चे को अपने साथ ले जाने की बात कर रहे थे। इस दौरान बच्चे ने मां और ननिहाल पक्ष के साथ जाने से इनकार कर दिया। बलदेव खनूजा का आरोप है कि उन्होंने ससुराल पक्ष से कहा कि बच्चे का जाने का मन नहीं है, इसलिए जबरदस्ती न करें। इसी बात पर विवाद बढ़ गया। ससुर अमरजीत सिंह होरा ने गाली–गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ–मुक्कों से मारपीट की। इस दौरान उन्होंने हाथ में पहने कड़े से भी हमला किया। मारपीट में बलदेव खनूजा के कंधे और सीने में चोट आई है। घटना के समय ऑफिस में मौजूद जसप्रीत सिंह खनूजा, अनिल दुबे और गुरूचरण सिंह होरा ने बीच–बचाव कर मामला शांत कराया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस मामले में तेलीबांधा निरीक्षक अजय झा ने बताया कि कारोबारी बलदेव खनूजा ने विवाद के बाद अपने ससुर के खिलाफ शिकायत दी है। वहीं बलदेव खनूजा के ससुर अमरजीत सिंग ने भी लिखित शिकायत दी है।

अमित शाह का दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा आज से

रायपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 18 मई से छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय महत्वपूर्ण प्रवास पर रहेंगे। इस उच्च स्तरीय दौरे के दौरान गृह मंत्री सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, जन–सुविधाओं का विस्तार करने, स्थानीय समाज से सीधा संवाद करने के साथ–साथ दोनों दिन विभिन्न शीर्ष नीतिगत और प्रशासनिक बैठकों का नेतृत्व करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केन्द्रीय गृह मंत्री अपने दौरे के पहले दिन, कल सुबह 10:15 बजे रायपुर स्थित पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के परेड ग्राउंड से राज्य की आपातकालीन सेवा 'डायल 112' के नए आधुनिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके तुरंत बाद वे बस्तर जिले के नेतानार के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां सुबह 11:45 बजे सुदूर अंचलों में शासकीय व डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए 'जन सुविधा केन्द्र' का भव्य शुभारंभ किया जाएगा।

दोपहर में जगदलपुर पहुंचने पर, गृह मंत्री दोपहर 01:00 बजे अमर वाटिका जाकर देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके पश्चात, दोपहर 02:00 बजे जगदलपुर के बादल अकादमी में एक वृहद संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा, जहां शाह शहीदों के परिजनों, नक्सल मोर्चे पर तैनात सीएपीएफ व राज्य के विशेष सुरक्षा बलों, पुलिस अधिकारियों, नक्सल पीड़ितों और स्थानीय विभिन्न समाजों के प्रमुख प्रबुद्ध प्रतिनिधियों से मुलाकात कर जमीनी स्तर पर व्यापक चर्चा करेंगे। इस प्रवास का पहला दिन शाम 06:30 बजे बादल अकादमी में ही आयोजित होने वाले 'बस्तर के संग' लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न होगा, जिसमें वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर बस्तर की अनूठी जनजातीय कला और संस्कृति का अवलोकन करेंगे।

अग्रवाल समाज के अपमान पर कुलपति गिरीश चंदेल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

रायपुर। छत्तीसगढ़ी दाऊ अग्रवाल समाज की एक आवश्यक बैठक पुरानी बस्ती स्थित अग्रवाल भवन में आयोजित की गई। जिसमें छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गिरीश चंदेल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया ।

छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के केंद्रीय अध्यक्ष दाऊ अनुराग अग्रवाल ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें दाऊ अग्रवाल समाज की अपेक्षा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर गिरीश चंदेल द्वारा की गई। ज्ञात हो दाऊ कल्याण सिंह जी द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को लगभग 1800 एकड़ जमीन दी गई थी। उनके दान से ही कृषि विश्वविद्यालय को उसका दर्जा प्राप्त हुआ है। जहां छत्तीसगढ़ के किसानों के विकास के नित्य नए प्रयोग होते हैं। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के महान दानदाता दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल के वंशजों की कृषि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर चंदेल द्वारा उपेक्षा करना उचित प्रतीत नहीं होता है। पूर्व में भी उनके द्वारा ऐसा किया गया था जिस पर समाज ने उन्हें वस्तु स्थिति अवगत कराई थी और उनके द्वारा आश्वासन दिया गया था कि भविष्य में इस तरह की की गलती नहीं होगी लेकिन इस वर्ष हुए दीक्षांत समारोह में पुनः समाज को आमंत्रित ना कर उन्होंने पूरे दाऊ अग्रवाल समाज का अपमान किया। इसे पूरा समाज आक्रोशित है। केंद्रीय अध्यक्ष भवन राघव अग्रवाल ने कहा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिलों की इकाइयों में कुलपति चंदेल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने स्पष्ट कहा है कि 7 दिनों के अंदर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंदेल समाज से सार्वजनिक माफी मांग ले।

रायपुर अधिवक्ता संघ चुनाव 2026: दिनेश कुमार देवांगन बने अध्यक्ष, राकेश पुरी सचिव निर्वाचित

रायपुर। रायपुर अधिवक्ता संघ चुनाव 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चुनाव में दिनेश कुमार देवांगन ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। वहीं राकेश पुरी सचिव निर्वाचित हुए हैं। इसके साथ ही संघ की नई कार्यकारिणी भी घोषित कर दी गई है। बता दें कि चुनाव परिणाम देर रात तक चली मतगणना के बाद घोषित किए गए।

मतगणना शनिवार सुबह 10 बजे स्ट्रांग रूम की सील खोलने के साथ शुरू हुई। निर्वाचन टीम और प्रत्याशियों की मौजूदगी में मतपेटियां खोली गईं। कुल 2337 मतपत्र प्राप्त हुए। स्क्रीनिंग और प्रोजेक्टर के माध्यम से वोट दिखाने की प्रक्रिया के कारण मतगणना की रफ्तार धीमी रही। पहला परिणाम रात 11:24 बजे घोषित किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य पद के परिणाम

कार्यकारिणी सदस्य पद पर योगीराज वर्मा को 851 वोट, अविजित त्रिपाठी को 781 वोट, विवेक मिश्रा को 675 वोट, आकाश जसूजा को 672 वोट और आकाश सोनी को 622 वोट प्राप्त हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राम नारायण व्यास ने परिणामों की घोषणा की।

घोषित परिणामों के अनुसार गुणेश निर्मलकर सह सचिव तथा नेहा राठौर सह सचिव (महिला) निर्वाचित हुई हैं। ग्रंथालय सचिव पद पर महेंद्र देवांगन और सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव पद पर योगेश साहू ने जीत दर्ज की है। महिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में योगिता धुरंधर और अमृता दीक्षित निर्वाचित हुई हैं। मतगणना के दौरान मौसम ने भी व्यवधान डाला। शाम के समय तेज आंधी और बारिश के साथ बिजली गुल हो गई, जिससे कुछ समय के लिए मतगणना प्रभावित हुई। बाद में निर्वाचन टीम ने इमरजेंसी लाइट की व्यवस्था कर मतगणना दोबारा शुरू कराई। निर्वाचन अधिकारियों के मुताबिक कुल छह मतपेटियों में वोट डाले गए थे। पेटी नंबर 1 में 301, पेटी नंबर 2 में 271, पेटी नंबर 3 में 382, पेटी नंबर 4 में 383, पेटी नंबर 5 में 637 और पेटी नंबर 6 में 363 मत प्राप्त हुए। बता दें कि रायपुर अधिवक्ता संघ के 18 विभिन्न पदों के लिए चुनाव कराया गया था। मतदान 15 मई को संपन्न हुआ था, जबकि 16 मई को परिणाम घोषित किए गए। इस बार चुनावी मैदान में कुल 66 प्रत्याशी उतरे थे।

सीबीआई ने रायपुर-बिलासपुर डीआरएम दफ्तर में दी दबिश, दो गिरफ्तार

रायपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने खेल कोटे से जुड़ी भर्ती में कथित अनियमितता व गड़बड़ी के मामले में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत रायपुर व बिलासपुर रेल मंडल कार्यालयों में दबिश दी। दस्तावेजों की पड़ताल के बाद दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, सीबीआई की टीम डीआरएम कार्यालय पहुंचकर जांच शुरू की। खेल कोटे से की गई नियुक्तियों में नियमों की अनदेखी, दस्तावेजों में हेराफेरी व अयोग्य अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचने की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। माना जा रहा है कि सीबीआई जल्द ही इस पूरे मामले में कई बड़े खुलासे कर सकती है।

बता दें कि सीबीआई की टीम ने एक साथ दोनों शहरों में दबिश दी। बी। राजशेखर राव को दुर्ग के न्यू पुलिस लाइन स्थित उनके निवास से और रामा लक्ष्मी को रायपुर स्थित डीआरएम आफिस से हिरासत में लिया गया। कार्रवाई के दौरान दोनों के ठिकानों पर कई घंटों तक तलाशी के दौरान लाखों रुपये कैश और अहम दस्तावेज बरामद होने की बात कही जा रही है।

विश्व केसरी

संक्षिप्त खबरें

आकाशीय बिजली गिरने से 10 मवेशियों की हुई मौत

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत पोंदुम में शनिवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से 10 मवेशियों की मौत हो गई। देर रात तेज बारिश और गरज-चमक के बीच मवेशी एक स्थान पर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक बिजली गिरी, जिससे मौके पर ही सभी 10 मवेशियों ने दम तोड़ दिया। सुबह ग्रामीणों ने मृत मवेशियों को देखा और इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों और प्रशासन को दी। ग्रामीणों ने बताया कि एक साथ इतने मवेशियों की मौत से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। जिन ग्रामीणों के मवेशियों की मौत हुई है, उनमें लक्षण हपका, बुधराम हपका, दशरथ बघेल, सोमी पिंकी बघेल, कुंवर हपका, आसमती हपका और मुन्नू हेमला जैसे पशुपालक शामिल हैं। मृत मवेशियों में बैल और बछड़े बताए गए हैं।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में 2 दोस्तों की मौत

भिलाई। छत्तीसगढ़ से सड़क हादसे को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक सड़क दुर्घटना में दो की मौत हो गई है। इस दुर्घटना के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। इस दुर्घटना की जानकारी के लिए पुलिस की टीम ने शवों को जांच के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह सड़क हादसा भिलाई के चंद्रा मौर्या चौक के पास हुआ है। यहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार दोनों मौत हो गई। दुर्घटना के बाद इलाके में हल्ला मच गया और जानकारी के लिए पुलिस की टीम की ओर से सूचना दी गई। पुलिस की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दोनों युवा रायपुर में रहने वाले थे। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

ऑडियो वायरल होते ही ईई शशांक सस्पेंड

जांजगीर चांपा। जिले में जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता शशांक सिंह के खिलाफ बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया गया है। सरकारी ड्राइवर से कथित तौर पर गाली-गलौज और दंतेवाड़ा ट्रांसफर कराने की धमकी देने के वायरल ऑडियो के बाद राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया है। इस मामले ने प्रशासनिक कार्यशैली और अधिकारियों के व्यवहार को लेकर नई बहस छेड़ दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक विभाग की एक महिला कर्मचारी और सरकारी ड्राइवर के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद कार्यपालन अभियंता शशांक सिंह ने ड्राइवर को फोन किया। वायरल ऑडियो में वे कथित तौर पर ड्राइवर को अपशब्द कहते हुए यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैं एसडीएम से डरता हूं क्या, तुमको दंतेवाड़ा भेजवा दूंगा, कलेक्टर चेंज होने दो, बोरिया-बिस्तर बांध ले। ऑडियो में अधिकारी द्वारा मारपीट की धमकी देने की बात भी सामने आई है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन मामला सार्वजनिक होने के बाद इसे गंभीरता से लिया गया। जन्मेजय महोबे ने तत्काल जांच के आदेश दिए और प्रारंभिक तथ्यों के आधार पर शशांक सिंह को निलंबित कर दिया गया। इस घटना के बाद सरकारी विभागों में अधिकारियों के आचरण और कर्मचारियों के साथ व्यवहार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कर्मचारी संगठनों ने भी इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की थी। प्रशासन का कहना है कि किसी भी अधिकारी द्वारा पद का दुरुपयोग, धमकी या दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी हलकों में इस कार्रवाई को एक स्पष्ट संदेश के तौर पर देखा जा रहा है कि कर्मचारियों के सम्मान और कार्यस्थल की गरिमा से समझौता नहीं किया जाएगा।

डीजल संकट से एनएमडीसी का ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप, बैलाडीला में डेढ़ हजार ट्रक खड़े

बस्तर/दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल संकट का असर अब पब्लिक सेक्टर के उद्योगों पर भी दिखने लगा है। दंतेवाड़ा जिले में स्थित देश की प्रमुख लौह अयस्क परियोजना एनएमडीसी बैलाडीला में डीजल की किल्लत से परिवहन व्यवस्था लगभग ठप पड़ गई है। किरंदुल और बचेली क्षेत्र में करीब 1600 ट्रक पिछले दो दिनों से खड़े हैं और लौह अयस्क की ढुलाई पूरी तरह प्रभावित है।

खदान से लोडिंग हो रही, लेकिन ट्रक रवाना नहीं हो पा रहे

एनएमडीसी की किरंदुल और बचेली खदानों में ट्रकों में लौह अयस्क की लोडिंग तो हो रही है, लेकिन डीजल नहीं मिलने के कारण वाहन रवाना नहीं हो पा रहे हैं। रोजाना यहां से रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और विशाखापट्टनम के लिए सैकड़ों ट्रक निकलते हैं, जो अब पंपों पर खड़े हैं। दंतेवाड़ा जिले के 19 पेट्रोल पंपों में से केवल कुछ पर ही सीमित मात्रा में डीजल उपलब्ध है। ईंधन भरवाने के लिए ट्रकों, ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं।

घंटों इंतजार के बाद भी कई बार खाली लौटना पड़ रहा

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि अगर जल्द डीजल आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो एनएमडीसी और बैलाडीला ट्रक ऑनर्स परिवहन संघ को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। एक ट्रांसपोर्टर ने बताया, 'दो दिनों से ट्रक खड़े हैं। डीजल नहीं मिलने से पूरा परिवहन प्रभावित है। हालात जल्द नहीं सुधरे तो बड़ा नुकसान तय है।'

खेती-किसानी पर भी असर

डीजल संकट से सिर्फ उद्योग ही नहीं, खेती भी प्रभावित हो रही है। किसान ट्रैक्टर लेकर पंपों के चक्कर काट रहे हैं। खरीफ सीजन में डीजल नहीं मिलने से जुताई-बुआई का काम रुक गया है। किसानों का कहना है कि घंटों लाइन में लगने के बाद भी पर्याप्त डीजल नहीं मिल रहा।

प्रशासन के प्रयास जारी, लेकिन हालात गंभीरफिलहाल प्रशासन स्थिति सामान्य करने के प्रयास कर रहा है, लेकिन डीजल संकट ने दंतेवाड़ा में आम जनजीवन, उद्योग और खेती— तीनों को बुरी तरह प्रभावित किया है। परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों ने चेतावनी दी है कि सप्लाई जल्द बहाल नहीं हुई तो खनन और ट्रांसपोर्ट कारोबार को बड़ा झटका लगेगा।

'सड़क-पुल निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

लोनिवि के सचिव ने निर्माण कार्यों का लिया जायजा

कांकेर। राज्य शासन वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने पूरी सक्रियता से काम कर रही है। अंदरूनी इलाकों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता व समय-सीमा सुनिश्चित करने लगातार कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने कांकेर जिले का दौरा कर भानुप्रतापपुर में विभाग के कांकेर और भानुप्रतापपुर संभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ फील्ड में उतरकर निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माणाधीन सड़कों, पुलों और भवनों को तेजी से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने स्वीकृत कार्यों की निविदा प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरा कर धरातल पर काम शुरू करने के निर्देश दिए। आगामी मानसून को देखते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि बरसात की शुरुआत से पहले सभी सड़कों की मरम्मत अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाए। बारिश के दिनों में सड़कों या उनके किनारों पर गड्ढों की वजह से पानी जमा नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पुलों पर रिफ्लेक्टर्स और रेलिंग लगाने के काम को भी तत्काल पूरा करने को कहा ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

बस्तर में 60 स्कूल भवन अति जर्जर

जगदलपुर। बस्तर जिले में नए शिक्षा सत्र के शुरू होने में अब एक ही महीना बचे हैं, जून से स्कूल खुल जाएंगे। लेकिन जिले के 60 स्कूल भवन अति जर्जर यानी बेहद खराब हालत में हैं। शिक्षा विभाग ने इन्हें खतरनाक घोषित कर दिया है। ये इमारतें इतनी कमजोर हो चुकी हैं कि कभी भी गिर सकती हैं। इसके बावजूद इन जर्जर भवनों की मरम्मत के लिए विभाग के पास बजट नहीं है। नए सत्र में भी मासूम बच्चे इन्हीं खतरनाक छतों के नीचे बैठकर पढ़ने को मजबूर होंगे।

बस्तर के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में सरकारी स्कूलों की हालत दयनीय है। मानसून के आते ही इन स्कूलों की छतों से पानी टपकना आम बात हो जाती है। जब बारिश होती है, तो बच्चे पढ़ाई छोड़कर कमरों में सूखी जगह तलाशते हैं। इस बदहाली से शिक्षक भी परेशान हैं। टपकती छतों और दरकती दीवारों को देखकर बच्चों के माता-पिता बेहद चिंतित हैं। उन्हें डर है कि बारिश शुरू होने पर कोई बड़ा हादसा न हो जाए। इसी खौफ के कारण कई पालक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से भी कतराने लगे हैं। मिली जानकारी के अनुसार डोंगरीगुड़ा के तेली मारेंगा गांव का प्राथमिक शाला भवन 1961 में बना था। अब यह भवन पूरी तरह खंडहर बन चुका है। स्कूल के रिकॉर्ड में 113 बच्चे दर्ज हैं। पुराना भवन बैठने लायक नहीं है, इसलिए इन सभी बच्चों की पढ़ाई पास के एक आंगनबाड़ी केंद्र में चल रही है। इस छोटे से कमरे में केवल 20 बच्चों के बैठने की जगह है। इसी तरह तोकापाल ब्लॉक के बारूपाटा गांव का 56 साल पुराना स्कूल भवन अब बेहद खतरनाक स्थिति में है। शिक्षा विभाग ने इसे अपनी फाइलों में अति जर्जर लिख दिया है। लेकिन बच्चों की सुरक्षा के लिए कोई सुधार नहीं किया गया। यहां पढ़ने वाले 29 बच्चे रोज डर के साए में पढ़ाई करते हैं। तोकापाल ब्लॉक के ही सुरीपाटा गांव के प्राइमरी स्कूल में 19 बच्चे पढ़ाई करते हैं। सड़क निर्माण के बाद स्कूल का हिस्सा नीचे हो गया है।

कुंवारा के सतीश ने दिया अनोखा आवेदन, शराब की बोतलों में हो सीएम व प्रभारी मंत्री की फोटो

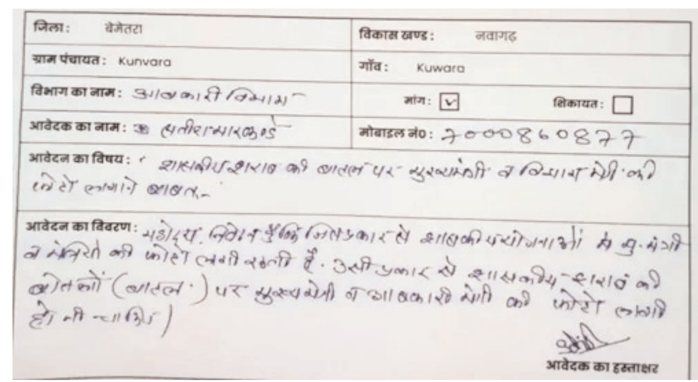

जिला: बेमेतरा	विकास खण्ड: नवागढ़
ग्राम पंचायत: Kunvara	गाँव: Kuwara
विभाग का नाम: आबकारी विभाग	मांग: ☑ शिकायत: ☐
आवेदक का नाम: सतीश मारकंडे	मोबाइल नं0: 7000860877

आवेदन का विषय: शासकीय शराब की बोतल पर मुख्यमंत्री व प्रभारी मंत्री की फोटो लगाने बाबत

आवेदन का विवरण: महोदय, निवेदन है कि जिस प्रकार से शासकीय योजनाओं में मु.मंत्री व मंत्री की फोटो लगी रहती है, उसी प्रकार से शासकीय-शराब की बोतलों (बाटल) पर मुख्यमंत्री व आबकारी मंत्री की फोटो लगी होनी चाहिए।

आवेदक का हस्ताक्षर

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुंवारा निवासी सतीश मारकंडे का एक अनोखा आवेदन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सतीश ने अपने आवेदन में मांग की है कि जिस प्रकार शासन की विभिन्न योजनाओं और प्रचार सामग्री में मुख्यमंत्री तथा प्रभारी मंत्री की तस्वीरें लगाई जाती हैं, उसी तरह शासन द्वारा बेची जाने वाली शासकीय शराब की बोतलों पर भी मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री की फोटो अंकित की जाए।

आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि शासन की योजनाओं और अन्य सरकारी गतिविधियों में जनप्रतिनिधियों के चित्रों का उपयोग किया जाता है, तो समान रूप से सभी शासकीय उत्पादों और व्यवस्थाओं में भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

बताया जा रहा है कि यह आवेदन सुशासन तिहार के अवसर पर आबकारी विभाग को सौंपा गया था। जैसे ही यह आवेदन सामने आया, वैसे ही यह स्थानीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बन गया और धीरे-धीरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी तेजी से वायरल होने लगा। मामला वायरल होने के बाद लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे व्यंग्यात्मक और तंज के रूप में देख रहे हैं, जबकि कुछ इसे शासन व्यवस्था पर एक तरह का प्रतीकात्मक विरोध मान रहे हैं। वहीं कई लोगों का कहना है कि यह आवेदन एक अलग सोच और ध्यान आकर्षित करने का अनोखा तरीका है।

फिलहाल इस पूरे मामले पर विभाग की ओर से किसी आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि आबकारी विभाग इस आवेदन को किस रूप में लेता है और क्या इस पर कोई औपचारिक जवाब जारी किया जाता है या नहीं।

बिजली ऑफिस के पास कार से 450 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त

सरायपाली। सरायपाली पुलिस ने दर्राभांठा स्थित 132 केवी बिजली ऑफिस के पास नाकेबंदी कर मारूती वैन से 450 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जप्त शराब की कीमत 35 हजार रुपये बताई जा रही है। आबकारी एक्ट के तहत आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

मुखबिर से सूचना मिली थी कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ क्षेत्र से एक व्यक्ति भारी मात्रा में महुआ शराब लेकर सरायपाली की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सारंगढ़ रोड स्थित बिजली ऑफिस दर्राभांठा के पास नाकेबंदी की। नाकेबंदी के दौरान संदिग्ध मारूती वाहन क्रमांक सीजी 04 एचए 3326 को रोककर तलाशी ली गई। जांच में वाहन के भीतर रखे 15 प्लास्टिक ड्रमों से कुल 450 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कीमत करीब 90 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मारूती कार भी जब्त कर ली, जिसकी अनुमानित कीमत 35 हजार रुपये बताई गई है। इस कार्रवाई में कुल 1 लाख 25 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान फागुलाल थुरिया (26 वर्ष) निवासी शांति नगर कनकबीरा, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अब तक 7,244.780 लीटर अवैध शराब जब्त की जा चुकी है, जिसकी अनुमानित कीमत 20 लाख 69 हजार 680 रुपये बताई गई है। अभियान के दौरान अब तक 600 मामलों में 679 लोगों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है।

बेमेतरा सर्किट हाउस में गवर्नर रामेन डेका ने एक पेड़ मां के नाम का किया रोपण

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने बेमेतरा यात्रा के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का एक संदेश दिया।

गवर्नर डेका ने प्रमुख अधिकारियों और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। हरेक मौसम और बढ़ती तापमान को देखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को लाभ के प्रति समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मां के नाम पर रखे गए पौधे आने वाले अवशेष के लिए भी एक अमूल्य खनिज सिद्ध होगा।

उन्होंने जिला प्रशासन को जिलेभर में विशिष्टता अभियान को और अधिक प्रभावशाली ढंग से स्थापित करने तथा लगाए गए सुरक्षा और संकेतक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आम लोगों से भी अपील की कि वे विशेष अवसरों और असफलताओं के दौरान कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं।

ह्यकार्यक्रम में खाद्य मंत्री फ्लोरिडा दास बाघेल विधानसभा नवागढ़, ईश्वर भंडारी विधायक साजा, विधायक बेमेतरा, निवेशक प्रतिष्ठा ममगाई, अभिषेक रामकृष्ण साहू सहित विभिन्न स्थानों के अधिकारी, स्मारक और सहकारी नागरिक शामिल रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक कार्य करने का संकल्प लिया।

ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से मीना की आय में हुई सात गुणा वृद्धि

महासमुंद। कहते हैं खेती में मेहनत के साथ यदि नई सोच और सही तकनीक जुड़ जाए, तो खेत भी सोना उगलने लगते हैं। जिले के पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत बरनाईदादर गांव की कृषक मीना पटेल ने इस कहावत को सच कर दिखाया है। पारंपरिक धान की खेती से आगे बढ़ते हुए उन्होंने आधुनिक उद्यानिकी खेती को अपनाया और ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से अभूतपूर्व सफलता हासिल की।

मीना पटेल बताती हैं कि उनके पास कुल 4.13 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि है। पहले वे मुख्य रूप से धान की खेती करती थीं, जिससे उन्हें सीमित आय प्राप्त होती थी। तभी उद्यान विभाग के अधिकारियों की सलाह पर उन्होंने वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राफ्टेड बैगन एवं टमाटर प्रदर्शन योजना का लाभ लिया और एक एकड़ क्षेत्र में ग्राफ्टेड टमाटर की खेती शुरू की। खेती में आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग का उपयोग किया गया, जिससे पानी की बचत के साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में भी वृद्धि हुई। विभाग द्वारा उन्हें 30 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया, जिससे उन्नत खेती को अपनाने में सहायता मिली।

ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से मीना पटेल को बेहतर परिणाम प्राप्त हुए। जहां पहले धान की खेती से प्रति एकड़ लगभग 20 क्विंटल उत्पादन एवं सीमित लाभ प्राप्त होता था, वहीं अब ग्राफ्टेड टमाटर से लगभग 400 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त हो रहा है। टमाटर की बिक्री पिथौरा एवं ओडिशा की मंडियों में की गई, जिससे उन्हें बेहतर बाजार मूल्य मिला। मीना बताती है कि धान की खेती में लगभग 36 हजार 600 रुपये तक की आय होती थी, जबकि ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से सभी लागत निकालने के बाद लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार उनकी आय में लगभग सात गुना वृद्धि हुई है। इस सफलता का सकारात्मक प्रभाव आसपास के किसानों पर भी पड़ा है। अब क्षेत्र के अन्य किसान भी उद्यानिकी फसलों एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

युवती को शराब पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

कवर्धा। चिल्फी थाना क्षेत्र में छट्ठी कार्यक्रम से घर लौट रही युवती को कथित तौर पर जबरन रोककर उसे पहले शराब पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद उसे जंगल में अर्धनग्न व बेहोशी की हालत में छोड़ दिया गया। सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता शुक्रवार-शनिवार की रात एक परिचित के घर आयोजित छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह देर रात अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान ग्राम सरोदादादर से रानीदहरा मार्ग के बीच जंगल वाले रास्ते में उसके परिचित दो युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने युवती को जबरन अपने कब्जे में लेकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद दोनों आरोपी उसे घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए। रातभर पीड़िता वहीं पड़ी रही। शनिवार सुबह जब ग्रामीण जंगल के रास्ते से गुजर रहे थे, तब उन्होंने युवती को गंभीर हालत में देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पीड़िता को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पीड़िता के बयान और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। बाद में पीड़िता द्वारा पहचान किए जाने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

संपादकीय

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

डॉ. रमेश ठाकुर

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा।

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बड़े-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकड़े गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया।

महिलाओं के सपनों को कैद नहीं किया जा सकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी केवल एक कानूनी अवलोकन नहीं है, बल्कि भारतीय समाज की उस गहरी मानसिकता को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक संदेश है जिसमें विवाह के बाद महिला की पहचान को अक्सर उसके पति, परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित कर दिया जाता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी महिला से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने करियर, महत्वाकांक्षाओं और सपनों का त्याग कर केवल 'आज्ञाकारी पत्नी' बनकर रहे। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, खेल और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, लेकिन इसके बावजूद समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी यह मानता है कि विवाह के बाद महिला की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल घर और परिवार तक सीमित हो जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की पुनर्पुष्टि नहीं करती, बल्कि आधुनिक भारत में समानता, गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा को भी मजबूत करती है।

भारतीय समाज लंबे समय तक पितृसत्तात्मक संरचना से संचालित रहा है। इस व्यवस्था में पुरुष को परिवार का निर्णयकर्ता और आर्थिक केंद्र माना गया, जबकि महिला को त्याग, सहनशीलता और समर्पण का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया गया। बचपन से ही लड़कियों को यह सिखाया जाता रहा कि विवाह ही उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य है और विवाह के बाद उन्हें पति तथा परिवार की इच्छाओं के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। यही कारण है कि आज भी अनेक परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता जितनी लड़कों की। यदि कोई महिला अत्यधिक महत्वाकांक्षी हो, करियर को प्राथमिकता दे या अपने जीवन के फैसले स्वयं लेना चाहे, तो उसे कई बार 'परिवार विरोधी' या 'अत्यधिक आधुनिक' कहकर आलोचना का सामना करना पड़ता है। यह मानसिकता केवल महिलाओं के अधिकारों का हनन नहीं करती, बल्कि समाज की प्रगति को भी सीमित करती है।

विवाह के बाद महिलाओं से करियर छोड़ने या समझौता करने की अपेक्षा भारतीय समाज में सामान्य मानी जाती रही है। यदि पति की नौकरी के कारण शहर बदलना पड़े, तो पत्नी से उम्मीद की जाती है कि वह बिना प्रश्न किए अपना करियर छोड़ दे। यदि परिवार और नौकरी के बीच संतुलन कठिन हो, तो त्याग की जिम्मेदारी अक्सर महिला पर ही डाली जाती है। मातृत्व के बाद महिलाओं पर घरेलू जिम्मेदारियों का इतना अधिक बोझ डाल दिया जाता है कि लाखों महिलाएं अपनी योग्यता और प्रतिभा के बावजूद नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर अन्याय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास के लिए भी नुकसानदायक है। एक ऐसा देश जो अपनी आधी आबादी की प्रतिभा का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाता, वह कभी भी अपनी संपूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंच सकता।

सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी भारतीय संविधान की मूल भावना को भी मजबूत करती है। संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने विवाह, समानता और महिला स्वतंत्रता पर नई बहस को दी दिशा

समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। किसी महिला से यह अपेक्षा करना कि वह केवल इसलिए अपने सपनों और करियर का त्याग कर दे क्योंकि वह विवाहित है, इन संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि विवाह किसी महिला की स्वतंत्र पहचान समाप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। पत्नी कोई अधीनस्थ व्यक्ति नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक है।

आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष से लेकर युद्धक विमान तक, न्यायपालिका से लेकर स्टार्टअप जगत तक, महिलाएं अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, साइना नेहवाल, फाल्गुनी नायर, निर्मला सीतारमण, गीता गोपीनाथ और अनेक अन्य महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इन उपलब्धियों के बावजूद समाज में महिलाओं की भूमिका को लेकर पारंपरिक सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आज भी अनेक शिक्षित परिवारों में यह माना जाता है कि पत्नी की सफलता पति से 'अधिक' नहीं होनी चाहिए। कई बार महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को पुरुष अहंकार के लिए चुनौती के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि कार्यस्थलों पर लैंगिक भेदभाव, वेतन असमानता और मानसिक दबाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं।

महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, तब वे अपने निर्णय अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ ले पाती हैं। आर्थिक स्वतंत्रता उन्हें घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और असमान व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने की शक्ति भी देती है। इसलिए करियर केवल आय अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। यदि किसी महिला को विवाह के नाम पर अपने करियर का त्याग करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो वास्तव में उसकी स्वतंत्रता को सीमित किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी सोच को अस्वीकार करती है और यह स्पष्ट करती है कि महिला का करियर कोई 'शौक' नहीं, बल्कि उसका संवैधानिक और मानवीय अधिकार है।

हालांकि केवल न्यायिक टिप्पणियां समाज में पूर्ण परिवर्तन नहीं ला सकतीं। वास्तविक बदलाव तब आएगा जब परिवारों की सोच बदलेगी। आज भी घरों में घरेलू कार्यों और बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर डाल दी जाती है। पुरुषों की घरेलू भागीदारी सीमित रहती है, जबकि कामकाजी महिलाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नौकरी के साथ-साथ घर की हर जिम्मेदारी भी निभाएं। यही दोहरा बोझ महिलाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। यदि पति-पत्नी घरेलू जिम्मेदारियों को समान रूप से साझा करें, तो महिलाएं बिना अपराधबोध के अपने करियर और सपनों को आगे बढ़ा सकती हैं।

आधुनिक विवाह का आधार समानता, सहयोग और पारस्परिक सम्मान होना चाहिए, न कि नियंत्रण और अधीनता।

समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता का विरोध अक्सर 'संस्कृति' और 'परंपरा' के नाम पर किया जाता है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि कोई भी संस्कृति तभी जीवंत और प्रगतिशील मानी जाती है जब वह अपने नागरिकों को समान अवसर और सम्मान प्रदान करे। यदि परंपराओं के नाम पर महिलाओं को दबाया जाए, उनके सपनों को सीमित किया जाए और उनकी स्वतंत्रता पर नियंत्रण रखा जाए, तो वह संस्कृति नहीं बल्कि असमानता की व्यवस्था बन जाती है। भारतीय सभ्यता में नारी शक्ति को हमेशा सम्मान दिया गया है। देवी सरस्वती को ज्ञान, लक्ष्मी को समृद्धि और दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना गया। लेकिन वास्तविक जीवन में महिलाओं को समान अवसर देने में समाज अक्सर पीछे रह जाता है। यही विरोधाभास आज भी भारतीय समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।नई पीढ़ी की महिलाएं अब अपने अधिकारों और सपनों को लेकर अधिक जागरूक हैं। वे विवाह को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानती हैं, लेकिन अपनी पहचान खोकर नहीं। वे ऐसे रिश्ते चाहती हैं जहां सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग हो। डिजिटल युग और शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है। सोशल मीडिया और वैश्विक संपर्क ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया है कि दुनिया तेजी से बदल रही है और महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। लेकिन दूसरी ओर समाज का एक हिस्सा अब भी पुरानी सोच से बाहर नहीं निकल पाया है।

नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

महेन्द्र तिवारी

वैश्विक राजनीति के वर्तमान दौर में अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व एक जटिल और अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है, जहां क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा क्षेत्र की अस्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितताएं और तकनीकी क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। ऐसी परिस्थितियों में दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेताओं का एक मंच पर आना और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अपने आप में एक बड़ा संदेश देता है। हालांकि, यदि इस बैठक के वास्तविक और व्यावहारिक परिणामों का मूल्यांकन किया जाए, तो वे जनसाधारण और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से काफी सीमित रहे हैं। दोनों पक्षों ने वैश्विक समुदाय को यह दिखाने का पूरा प्रयास किया कि वे सीधे सैन्य या राजनीतिक टकराव के बजाय संबंधों में स्थिरता और एक नियंत्रित प्रतिस्पर्धा के ढांचे के भीतर काम करना चाहते हैं। इस वार्ता के दौरान बातचीत का लहजा भले ही कूटनीतिक शिष्टाचार से परिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा हो, लेकिन जब बात बुनियादी रणनीतिक मतभेदों और दीर्घकालिक विवादों पर ठोस सहमति बनाने की आई, तो वहां कोई बड़ा बदलाव या ऐतिहासिक मोड़ देखने को नहीं मिला। यही कारण है कि इस पूरी कूटनीतिक कवायद को एक बड़े बदलाव की शुरुआत मानने के बजाय वैश्विक संतुलन को बनाए रखने का एक अस्थायी प्रयास माना जा रहा है।

इस पूरी वार्ता के केंद्र में दोनों महाशक्तियों के बीच के आर्थिक और व्यापारिक संबंध रहे, जो पिछले कई वर्षों से गंभीर तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों के नेतृत्व ने इस यथार्थ को पूरी गंभीरता से स्वीकार किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक ढांचे की स्थिरता इन दोनों के आपसी संबंधों पर टिकी है। अमेरिका और चीन जैसी 2 विशाल आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापारिक संबंधों का पूरी तरह से टूट जाना न तो इन दोनों देशों के हित में होगा और न ही शेष विश्व इसके आर्थिक झटके को झेलने में सक्षम है। इसी समझ के आधार पर बैठक के दौरान कुछ सीमित आर्थिक संकेतों और समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, जिनमें मुख्य रूप से कृषि उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद, ऊर्जा व्यापार में सहयोग की संभावनाएं और विमानन उद्योग से जुड़े कुछ संभावित सौदे शामिल रहे। कुछ कूटनीतिक विवरणों से यह भी संकेत मिले कि चीन आने वाले समय में अमेरिकी कृषि उत्पादों और नागरिक उड्डयन क्षेत्र को 1 बड़ा क्रय प्रस्ताव देने पर विचार कर सकता है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक चर्चाओं के बावजूद यह ध्यान रखना आवश्यक है कि ये सभी कदम अभी बेहद शुरुआती और प्रारंभिक स्तर पर हैं। इन्हें किसी औपचारिक, व्यापक या दीर्घकालिक व्यापार समझौते का रूप नहीं दिया जा सका है, जो दोनों देशों के व्यापारिक असंतुलन को स्थाई रूप से दूर कर सके।

व्यापारिक स्तर पर सहयोग की इस धीमी सुगबुगाहट के समांतर सबसे जटिल और विवादित विषय सीमा शुल्क और तकनीकी प्रतिबंधों का बना रहा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए भारी करों को कम करने की दिशा में इस बैठक से कोई ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस उच्च स्तरीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य किसी नए या आदर्श वैश्विक व्यापार ढांचे की स्थापना करना था ही नहीं, बल्कि इसका तात्कालिक लक्ष्य मौजूदा आर्थिक तनाव को एक सीमा से अधिक बढ़ने से रोकना था।

बोध कथा

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा।

तीर तेवर

व्यंग्य केसरी

साजन! मैं ना लूँगी सोने की तगड़ी...

वीना सिंह

कल तक जो रधिया घर में कोहराम मचाए थी, पति का जीना दूभर किए हुए थी। दिन-रात झगड़ा करती, सोते-जागते एक ही रट लगाए थी, कि मैं तो सोने की तगड़ी लूंगी।

पति सेवकराम ने बहुत समझाया कि सोना बहुत महंगा हो गया है भाग्यवान! तगड़ी लेना अब संभव नहीं है पर वह नहीं मानी। माने भी तो कैसे? मोहल्ले की विमला, कमला, षांति, फूलमती सभी के पास सोने की तगड़ी। सभी औरतें त्यौहारों में तगड़ी पहनकर मटक मटककर चलती, तब रधिया मन मसोसकर रह जाती, सो इस बार उसने तगड़ी के लिए कमर कस ली। चाहें जो हो जाए, तगड़ी तो लेकर रहूँगी। काफी जद्दोजहद के बाद भी जब बात न बनी तो उसने 'पीहर चली जाऊंगी की धमकी दे डाली। इस धमकी से पति हमेषा मात खाते रहे हैं।

तबसे बेचारा सेवकराम भी हाड़तोड़ मेहनत कर रहा था, उसकी डग्गमग्ग चाल देखकर मोहल्ले वालों को लगने लगा था कि यह आदमी नषे का आदी हो गया है। कोई क्या जाने अन्दर की मार। मेहनत के साथ खाने-पीने मे भी ऐसी कटौती की कि बस जिंदा रहें। दूध, साग सब्जी सब बन्द। अब उसे केवल तगड़ी ही याद थी। महीने में जितने पैसे कमाता, सब सुनार के पास जमा कर आता।

अब मोहल्ले में खबर फैलने लगी थी कि रधिया की भी तगड़ी आने वाली है। औरतों में हलचल मच गई, देखा-देखो सेवकराम आखिर लाइन पर आ ही गया। कुछ मुंह सिकोड़ने लगीं, अब तो सधिया राह-राह न चलेगी। कुछ कहने लगीं इतने पैसे लाया कहां से सेवकराम? कुछ ने ताने कसे- घर में नहीं खाने को, अम्मा चली भुनाने को।

तभी अचानक एक सुबह समय ने करबट बदली। रधिया रसोई से निकलकर बड़ी ही शांति के साथ पति के पास आयी, प्यार से बोली- सुनो जी, अब मैं ना लूंगी सोने की तगड़ी।

'अरे! पर क्यों? सेवकराम सकते में आ गया, लगभग कांपते हुए बोला- यह उल्टी गंगा कैसे बहने लगी, तवियत तो ठीक है?

रधिया ने गंभीर मुद्रा बनाई, और सिर उठाकर बोली, तुम्हें क्या लगता है, मुझे देष दुनिया की खबर नहीं रहती है। कम पढ़ी लिखी हूं फिर भी मुझे सब पता है, देष परेषानी से गुजर रहा है, तभी प्रधानमंत्री कह रहे हैं, कि पैसे बचाओ,सोने के पीछे इतना मत भागो।

इसीलिए मैंने सोच लिया- अब नहीं लूंगी सोने की तगड़ी।

सेवकराम की आंखों में अचानक चमक आ गई, उसे पहली बार समझ में आया कि भारतीय नारी केवल घर की ही अर्थव्यवस्था नहीं संभालती, देष की अर्थव्यवस्था भी समझती है। आज उसे अपनी रधिया खुद से भी ज्यादा समझदार लग रही थी।

रधिया भी आज सेवकराम को गहरी नींद सोते देखकर सोच रही थी असली चमक सोने में नहीं, चैन की नींद सोने में है।

इतिहास

17 मई के दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। आज ही के दिन 1954 में अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में नस्लीय अलगाव को असंवैधानिक घोषित किया था। वहीं 1987 में फारस की खाड़ी में अमेरिकी युद्धपोत पर इराक द्वारा मिसाइल हमले में 37 अमेरिकी नौसैनिकों की मौत हो गई थी?17 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1540: बिलग्राम के युद्ध में शेरशाह सूरी ने मुगल सम्राट हुमायूं को हराकर दिल्ली पर कब्ज़ा किया था।1792: न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (NYSE) की स्थापना की गई थी?1814: डेनमार्क ने नॉर्वे को स्वीडन को सौंप दिया?1954: अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 'ब्राउन बनाम बोर्ड ऑफ एजुकेशन' मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्कूलों में नस्ल आधारित अलगाव को खत्म करने का आदेश दिया?1987: फारस की खाड़ी में अमेरिकी युद्धपोत 'SS Stark' पर इराक के विमान से दागी गई दो मिसाइलें लगीं।

स्वच्छ ऊर्जा में नीदरलैंड के साथ साझेदारी से भारत को ग्लोबल ग्रीन हाइड्रोजन हब बनने में मिलेगी मदद : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को कहा कि स्वच्छ ऊर्जा में नीदरलैंड के साथ साझेदारी से भारत को ग्लोबल ग्रीन हाइड्रोजन हब बनने में मदद मिलेगी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा से भारत-नीदरलैंड साझेदारी को गति मिलेगी।

साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा परिवर्तन में सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा इनोवेशन को मजबूती मिलेगी, निवेश बढ़ेगा, नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे और भारत ग्लोबल ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र के रूप में उभरने में सहायक होगा। यह साझेदारी सतत विकास, ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करती है।

इसके साथ केंद्रीय मंत्री ने पीएम की यात्रा के दौरान भारत और नीदरलैंड के बीच हुए समझौतों के बारे में भी बताया है।

केंद्रीय मंत्री द्वारा शेयर किए गए पोस्टर में बताया गया कि भारत और नीदरलैंड ने नवीकरणीय ऊर्जा ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप बनाने का निर्णय लिया है। इससे भारत में स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार के लिए टेक्नोलॉजी, विशेषज्ञता और फाइनेंस हासिल करने में मदद मिलेगी। इससे ग्रीन एनर्जी में भारतीय उद्योग, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों के लिए अधिक अवसर पैदा होंगे।

दूसरा समझौता ग्रीन हाइड्रोजन पर रोडमैप तैयार करना है। इससे यूरोप में भारतीय ग्रीन हाइड्रोजन के निर्यात के लिए बड़ा बाजार तैयार होगा।

साथ ही, स्टोरेज और पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए निवेश एवं टेक्नोलॉजी आएगी। साथ ही, ग्लोबल ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

तीसरा समझौता नीति आयोग और नीदरलैंड ऑन एनर्जी सेक्टर एंड एनर्जी ट्रांजिशन प्रोजेक्ट्स के बीच समझौता होना है। इससे दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत होगी और एनर्जी सिक्योरिटी को भा बढ़ावा मिलेगा।

भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट ग्रीन एनर्जी क्षमता विकसित करने का लक्ष्य तय किया है। मौजूदा समय में देश की ग्रीन एनर्जी क्षमता 250 गीगावाट से भी अधिक है।

डोडला डेयरी का चौथी तिमाही में मुनाफा 2.3 प्रतिशत गिरकर 55.4 करोड़ रुपए रहा, मार्जिन में भारी गिरावट

मुंबई । डोडला डेयरी ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 2.3 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट दर्ज की है।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि जनवरी से मार्च अवधि में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत कम होकर 55.4 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 56.7 करोड़ रुपए पर था।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन से आय सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 845 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 807.8 करोड़ रुपए था। इसकी वजह कंपनी के डेयरी बिजनेस में उछाल आना है।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कंपनी का परिचालन प्रदर्शन कमजोर रहा है। ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 56.5 प्रतिशत कम होकर 29 करोड़ रुपए हो गया है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में यह 66.6 करोड़ रुपए था। इस दौरान ईबीआईटीडीए मार्जिन कम होकर 3.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि पहले 8.2 प्रतिशत था।

तिमाही नतीजों के साथ-साथ, कंपनी के बोर्ड ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए 10 रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 5 रुपए के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है।

कंपनी ने लाभांश प्राप्त करने के पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए 7 जुलाई, 2026 को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की है। कंपनी की 31वीं एजीएम 14 जुलाई, 2026 को सुबह 11:00 बजे भारतीय समयानुसार आयोजित की जाएगी।

शुक्रवार के कारोबार सत्र में, नतीजों की घोषणा से पहले, डोडला डेयरी के शेयर 2.5 प्रतिशत से अधिक गिरकर बंद हुए। पिछले छह महीनों में, शेयर लगभग 15.6 प्रतिशत, या लगभग 200 रुपए गिर चुका है, और वर्तमान बाजार मूल्य 1,025 रुपए है। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 1,525 रुपए है।

48 घंटों में दूसरी बढ़ोतरी: वैश्विक तेल संकट के बीच दिल्ली में सीएनजी फिर से हुई महंगी

नई दिल्ली। दिल्ली में सीएनजी फिर से महंगी हो गई है। रविवार को इसकी कीमतों में 1 प्रति रुपए किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई। सिर्फ दो दिनों में यह दूसरी बार बढ़ोतरी हुई है, जिससे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यात्रियों पर ईंधन की लागत का बोझ और बढ़ गया है।

दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपए बढ़ने के बाद रविवार को 80.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। यह पहली बार है कि दिल्ली में सीएनजी के दाम 80 रुपए के आंकड़े को पार कर गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत अब 88.70 रुपए प्रति किलोग्राम होगी।इससे पहले शुक्रवार को सीएनजी की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया। उस समय दिल्ली में सीएनजी की दर बढ़कर 79.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी।

शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी भी हुई थी।

इस बदलाव के बाद दिल्ली में पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.67 रुपए प्रति लीटर की दर से बिक रहा है। ईंधन की कीमतों में यह उछाल पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज स्ट्रेट की लगातार नाकेबंदी के बीच आया है। वैश्विक तेल और गैस व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है और आपूर्ति में रुकावटों के कारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए बीते दिनों केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को सीमित रखने में सफल रहा है।

उन्होंने बताया कि कई देशों में ईंधन की कीमतों में 20 प्रतिशत से लेकर लगभग 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः केवल 3.2 प्रतिशत और 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रिजिजू ने कहा कि वैश्विक बाजार अस्थिर हैं, फिर भी भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को मुद्रास्फीति के बड़े प्रभाव से बचाने के लिए हफ्तों तक भारी नुकसान उठाया।

एफडी, म्यूचुअल फंड और सोने में 5 लाख रुपए पर 5 साल में कौन देगा आपको सबसे ज्यादा रिटर्न?

नई दिल्ली। आज के समय में लोग अपनी बचत को बढ़ाने के लिए अलग-अलग निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), म्यूचुअल फंड और गोल्ड ऐसे प्रमुख विकल्प हैं, जिनमें निवेशक अपनी जरूरत और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार पैसा लगाते हैं। हर निवेश विकल्प की अपनी अलग खासियत और फायदे होते हैं।

एफडी को सुरक्षित निवेश माना जाता है, क्योंकि इसमें तय ब्याज मिलता है और जोखिम काफी कम होता है। वहीं, म्यूचुअल फंड बाजार से जुड़े होते हैं और लंबे समय में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। दूसरी तरफ, सोना यानी गोल्ड को आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दौर में सुरक्षित निवेश माना जाता है।

वहीं, अगर कोई निवेशक 5 लाख रुपए को 5 साल के लिए निवेश करता है, तो इन तीनों विकल्पों में कहां सबसे ज्यादा रिटर्न मिलेगा, चलिए कैलकुलेशन के जरिए समझते हैं।

जानकारों के अनुसार, इन तीनों विकल्पों में निवेश से पहले ध्यान रखने वाली बात यह है कि इन तीनों में मिलने वाला संभावित रिटर्न अलग-अलग हो सकता है, क्योंकि यह रिटर्न बाजार की स्थिति, ब्याज दर और निवेश के प्रकार पर निर्भर करता है।

अगर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में 5 लाख रुपए की एफडी 6.5 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर 5 साल के लिए करते हैं, तो आपको लगभग 1,90,210 रुपए का ब्याज मिलेगा। ऐसे में मैच्योरिटी पर कुल रकम करीब 6,90,210 रुपए हो जाएगी।

एफडी उन लोगों के लिए बेहतर मानी जाती है जो बिना जोखिम के निश्चित रिटर्न चाहते हैं। हालांकि, इसमें रिटर्न अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में कम रहता है।

वहीं, अगर 5 लाख रुपए का निवेश म्यूचुअल फंड में किया जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो 5 साल में अनुमानित कमाई करीब 3,81,170 रुपए हो सकती है। ऐसे में निवेश की कुल वैल्यू बढ़कर लगभग 8,81,170 रुपए तक पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, म्यूचुअल फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, इसमें बाजार का जोखिम भी शामिल होता है और रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।

भारतीय शेयर बाजार में शीर्ष कंपनियों का मार्केटकैप 3.12 लाख करोड़ रुपए कम हुआ

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में पिछले हफ्ते शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का मार्केटकैप 3.12 लाख करोड़ रुपए कम हो गया है। इसकी वजह घरेलू बाजारों में तेज बिकवाली और वैश्विक अस्थिरता के चलते डॉलर के मुकाबले रुपए पर दबाव बने रहना है।

11-15 मई के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2,090 अंक या 2.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,237 और निफ्टी 532 अंक या 2.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,643 पर था।

शीर्ष 10 में से केवल एक कंपनी के मार्केटकैप में बढ़त दर्ज की गई है। भारती एयरटेल का मार्केटकैप 42,470.13 करोड़ रुपए बढ़कर 11,60,525.16 करोड़ रुपए हो गया है। दूसरी तरफ, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केटकैप 52,245.3 करोड़ रुपए घटकर 8,88,862.32 करोड़ रुपए हो गया।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 47,415.04 करोड़ रुपए घटकर 8,19,062.65 करोड़ रुपए हो गया, जबकि बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 27,892.28 करोड़ रुपए घटकर 5,66,717.74 करोड़ रुपए हो गया।

एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,630.01 करोड़ रुपए घटकर 11,82,069.25 करोड़ रुपए हो गया। इसी तरह, आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 14,290 करोड़ रुपए की गिरावट आई, जिससे कंपनी मार्केटकैप 8,92,385.39 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो के मूल्यांकन में 9,078.87 करोड़ रुपए की गिरावट आई, जिससे इसका मार्केट कैप 5,37,542.34 करोड़ रुपए रह गया, जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 3,970.8 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,33,592.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में भी 2,182.12 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,05,367.32 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

साप्ताहिक गिरावट के बावजूद, एचडीएफसी बैंक देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक बना रहा, जिसके बाद भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होगा। ईरान-अमेरिका तनाव, कच्चे तेल की कीमत, एफआईआई की चाल और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

18-22 मई तक के कारोबारी सत्र में इंडियन ऑयल, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, जेएसडब्ल्यू सीमेंट, बीईएल, बीपीसीएल, लेंसकार्ट सॉल्यूशंस, एलआईसी और आईटीसी और नायका जैसी कंपनियां नतीजे जारी करेंगी।

केंद्र ने गाजियाबाद में शुरू की अत्याधुनिक जूता परीक्षण प्रयोगशाला, एमएसएमई और निर्यातकों को होगा फायदा

नई दिल्ली। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने रविवार को कहा कि गाजियाबाद स्थित राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (एनटीएच), उत्तरी क्षेत्र ने एक अत्याधुनिक जूता परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की है, इससे देश भर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), निर्माताओं, निर्यातकों, उपभोक्ताओं और नियामक प्राधिकरणों के लिए व्यापक, विश्वसनीय और उच्च सटीकता वाली जूता परीक्षण सेवाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी।

सरकार ने कहा कि एनटीएच गाजियाबाद की उन्नत जूता परीक्षण प्रयोगशाला आधुनिक परीक्षण उपकरणों और उन्नत अवसंरचना से सुसज्जित है, जो प्रासंगिक भारतीय मानकों (आईएस) के अनुसार विभिन्न प्रकार के फुटवियर उत्पादों का मूल्यांकन करने में सक्षम है। इसमें औद्योगिक जूते, चमड़े के जूते, पीवीसी जूते, सैंडल और चप्पल, बच्चों के जूते, खेल के जूते, औद्योगिक एवं जोखिमपूर्ण कार्य वातावरण के लिए विशेष सुरक्षात्मक जूते शामिल हैं।

उपभोक ?ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'इस अत्याधुनिक सुविधा की स्थापना तेजी से बढ़ते जूता क्षेत्र के लिए भारत के गुणवत्ता आश्वासन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।'

बयान में आगे कहा गया, 'प्रयोगशाला सुरक्षा, टिकाऊपन, आराम और कार्यक्षमता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर महत्वपूर्ण प्रदर्शन और गुणवत्ता परीक्षण करेगी। इस सुविधा को विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और छोटे पैमाने के निर्माताओं के लिए तुलनात्मक रूप से किफायती शुल्कों पर सटीक, विश्वसनीय और समय पर परीक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे गुणवत्ता मूल्यांकन अधिक सुलभ हो जाता है।

दिल्ली-एनसीआर, कानपुर और आगरा जैसे प्रमुख जूता निर्माण केंद्रों के निकट गाजियाबाद में रणनीतिक रूप से स्थित यह प्रयोगशाला नमूनों की तेजी से जांच करने, रसद लागत को कम करने और उत्तरी भारत में जूता उद्योग के लिए पहुंच को आसान बनाने में सहायक होगी।

केईसी इंटरनेशनल का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 28 प्रतिशत घटा, आय में भी आई गिरावट

मुंबई। आरपीजी ग्रुप की इंफ्रास्ट्रक्चर ईपीसी कंपनी केईसी इंटरनेशनल ने चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी के मुनाफे में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। साथ ही, कंपनी की आय भी कमजोर रही है।

एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में उसे 193 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है, जो कि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के मुनाफे 268 करोड़ रुपए से 28 प्रतिशत कम है।

मार्च तिमाही के दौरान कंपनी की ऑपरेशंस से आय 6,390 करोड़ रुपए रही है, जो कि पिछली वर्ष की समान तिमाही की आय 6,872 करोड़ रुपए से 7 प्रतिशत कम है।

कंपनी का ईबीआईटीडीए पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 538.3 करोड़ रुपए से 16.7 प्रतिशत घटकर 448.4 करोड़ रुपए रह गया। ईबीआईटीडीए मार्जिन एक वर्ष पहले के 7.8 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत हो गया।

मार्च तिमाही में कमजोर वार्षिक प्रदर्शन के बावजूद, कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के मुकाबले कुछ क्रमिक सुधार दिखाया है। दिसंबर तिमाही में, कंपनी ने 127.5 करोड़ रुपए का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 129.6 करोड़ रुपए से मामूली रूप से कम था।

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान ईबीआईटीडीए वार्षिक आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 430.3 करोड़ रुपए हो गया, जबकि ईबीआईटीडीए मार्जिन में मामूली सुधार होकर 7 प्रतिशत से 7.1 प्रतिशत हो गया।नतीजों की घोषणा से पहले शुक्रवार को केईसी इंटरनेशनल के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक गिरकर बंद हुए।

पिछले छह महीनों में शेयर 30 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है और हाल ही में इसने अपना 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर छुआ। शेयर फिलहाल लगभग 548.80 रुपए प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है, जो इसके 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 947.00 रुपए से काफी नीचे है। आरपीजी समूह की प्रमुख कंपनी केईसी इंटरनेशनल एक अग्रणी वैश्विक इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कंपनी है। कंपनी बिजली पारेषण और वितरण, रेलवे, सिविल इंजीनियरिंग, शहरी अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और केबल जैसे क्षेत्रों में अवसंरचना परियोजनाओं में विशेषज्ञता रखती है। 110 से अधिक देशों में परिचालन के साथ, केईसी इंटरनेशनल ने अवसंरचना और इंजीनियरिंग क्षेत्र में एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति स्थापित की है।

अश्वगंधा का इस्तेमाल कर रहे हैं? FSSAI ने पत्तियों के उपयोग पर जताई आपत्ति, विशेषज्ञों ने बताया क्या है सुरक्षित

अश्वगंधा लंबे समय से भारत की वेलनेस परंपरा का अहम हिस्सा रहा है, जिसे तनाव कम करने और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए जाना जाता है। लेकिन हाल ही में Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) की एक एडवाइजरी के बाद इस लोकप्रिय जड़ी-बूटी के उपयोग को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

अप्रैल 2026 में खाद्य नियामक ने एक निर्देश जारी कर अश्वगंधा की पत्तियों के किसी भी रूप में—खाद्य उत्पादों, सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स में—उपयोग पर रोक लगा दी। यह स्पष्ट किया गया कि मौजूदा नियमों के तहत केवल इसकी जड़ (रूट) और उसके अर्क का ही सेवन अनुमत है।

क्या बदला है?

तकनीकी रूप से यह अश्वगंधा पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, बल्कि यह तय करने का सख्त अनुपालन है कि पौधे का कौन-सा हिस्सा सुरक्षित और स्वीकृत है।

भारत के न्यूट्रास्यूटिकल दिशा-निर्देशों के अनुसार:

केवल अश्वगंधा की जड़ को सुरक्षित माना गया है

कुछ निर्माता पत्तियों के अर्क का उपयोग कर रहे थे, जो अनुमति सूची में नहीं है

नई एडवाइजरी में साफ कहा गया है:

पत्तियों का उपयोग खाद्य या स्वास्थ्य उत्पादों में नहीं किया जा सकता केवल जड़ और उसके अर्क का निर्धारित सीमा में उपयोग किया जा सकता है राज्यों को निगरानी और उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं

पत्तियों पर रोक क्यों?

यह फैसला मुख्य रूप से सुरक्षा चिंताओं और पर्याप्त वैज्ञानिक डेटा की कमी के कारण लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार पत्तियों के अर्क से संभावित जोखिम हो सकते हैं, जैसे: लीवर पर नकारात्मक प्रभाव (लिवर टॉक्सिसिटी)

न्यूरोटॉक्सिक प्रभाव की आशंका

इसके विपरीत, जड़ का उपयोग Ayurveda में लंबे समय से होता आ रहा है और इस पर व्यापक अध्ययन भी उपलब्ध हैं।

रात में क्यों हो रही जानलेवा गर्मी, दिन ढलने के बाद भी राहत नहीं, शरीर पर खतरनाक असर की वजह

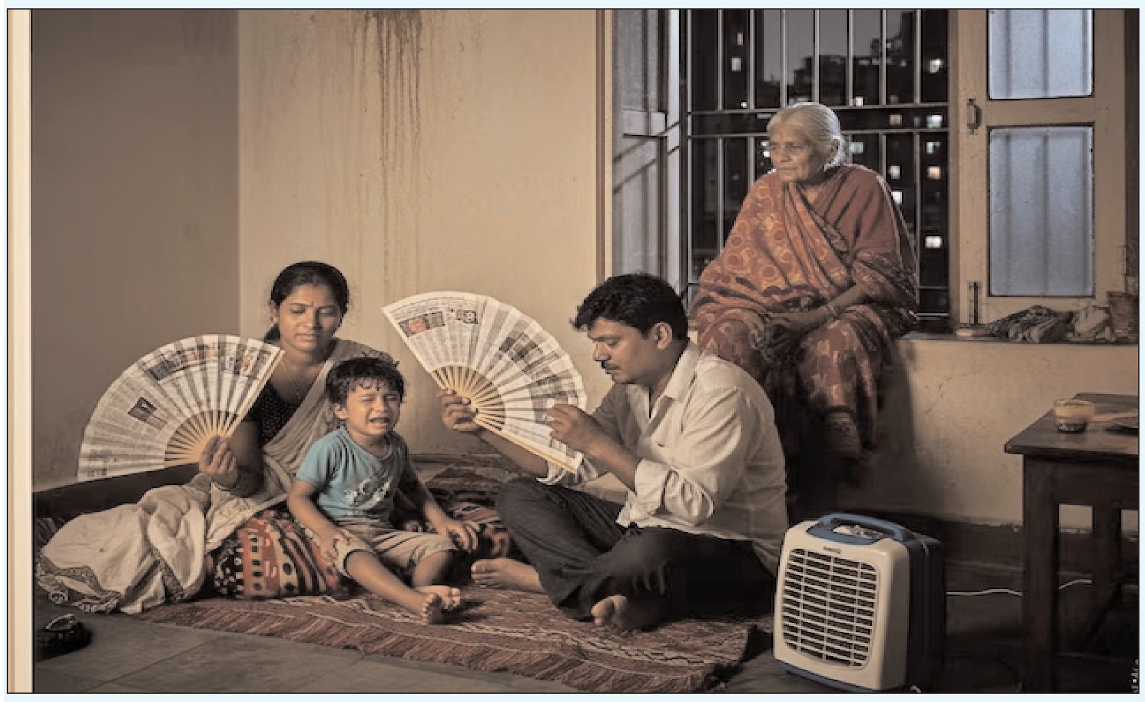

मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों तक मौसम की गजब आंख-मिचौली चलती रही। अब गर्मी का कहर बढ़ रहा है। दिन के समय झुलसाने वाली धूप से गर्मी का असर अब सूरज ढलने के बाद भी बना रह रहा है। आलम यह है कि आधी रात के समय तक दीवारें गर्म रह रही हैं। पंखे और कूलर का असर खत्म हो रहा है। रात के समय मिलने वाली राहत अब गायब होती जा रही है, क्योंकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंचने लगा है। वैज्ञानिक इसे 'वार्म नाइट्स' कहते हैं। लोग देर शाम भी घर से लेकर सार्वजनिक जगहों पर नल से नहाते देखे जा रहे हैं। देश का 55 प्रतिशत हिस्सा हाई हीट रिस्क जोन में आ चुका है। इसकी वजह क्या है, आइए समझते हैं।

देश में बढ़ते गर्मी संकट के बीच इन 'गर्म रातों' को अब भी नजरअंदाज किया जा रहा है। सुबह से दोपहर और शाम तक की चर्चा तो हो ही रही है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन और स्थानीय शहरीकरण के दोहरे प्रभाव के कारण भारत में रातें लगातार गर्म हो रही हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में असामान्य रूप से गर्म रातों और सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान जताया है।

क्या होती है वार्म नाइट यानी 'गर्म रात'?

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले कुछ सालों में रात के बढ़ते तापमान की समस्या गंभीर हुई है, लेकिन दिन की गर्मी की तुलना में इस पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। IMD के अनुसार, जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहता है, तो उसे 'गर्म रात' कहा जाता है। यदि यह अंतर 6.4 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाए, तो इसे 'बेहद गर्म रात' माना जाता है। अक्सर यह स्थिति तब बनती है, जब दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है।

बढ़ती गर्मी को लेकर प्रमुख आंकड़े और रिसर्च हुए हैं। साइंस डायरेक्ट 2025 की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच गर्म रातों की संख्या में प्रति दशक 2 से 8 दिनों की वृद्धि हुई है। वहीं काउंसिल ऑफ एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वाटर (CEEW) की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में यह प्रभाव अधिक है। 2012-2022 के बीच मुंबई में 15, बेंगलुरु में 11 और दिल्ली में 6 अतिरिक्त गर्म रातें दर्ज की गईं। यहां एल नीनो प्रभाव भी अहम है। 2026 एक एल नीनो वर्ष होने के कारण 2027 की गर्मी और भी चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

इन गर्म रातों यानी वार्म नाइट्स की बात करें, तो पिछले एक दशक में भारत के शहरों में इनमें 32 प्रतिशत का इजाफा हो चुका है। पिछले साल 2025 में ही फरवरी खत्म होते-होते रात का तापमान बढ़ गया था। अधिकतर जगहों पर 3 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। गर्मी के फैक्टर पर बात करें, तो भारत के 266 जिले बहुत गंभीर गर्मी की कैटेगरी में हैं। वहीं 151 जिले गंभीर और 201 जिले मध्यम कैटेगरी में आ गए हैं।

रातें गर्म होने के कारण क्या हैं?

रातों के गर्म होने के पीछे दुनिया में हो रहा जलवायु परिवर्तन और गर्म होते जा रहे शहरी इलाके ही मुख्य कारण हैं। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर, भोपाल जैसे शहर तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। ऊंची इमारतें और सीमेंट, कंक्रीट के घर अर्बन हीट आइलैंड का रूप लेते जा रहे हैं।

इस गर्मी में भारतीय कहाँ यात्रा कर रहे हैं? 2026 में व्यक्तिगत छुट्टियों की ओर बड़ा बदलाव

गर्मियों की छुट्टियाँ अब आखिरी समय की योजनाएँ नहीं रह गई हैं, बल्कि वे अब सावधानीपूर्वक सोची-समझी यात्राएँ बनती जा रही हैं। पूरे भारत में लोग अपनी छुट्टियों की पहले से योजना बना रहे हैं, अपने अवकाश कैलेंडर का मिलान कर रहे हैं, नए गंतव्यों की तलाश कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि वे वास्तव में किस तरह का विश्राम चाहते हैं। कुछ लोग गर्मी से बचने के लिए पहाड़ी इलाकों की त्वरित यात्रा की योजना बना रहे हैं, अन्य अंतरराष्ट्रीय दौरों की तैयारी कर रहे हैं, जबकि कई लोग दिनचर्या से दूर अधिक सार्थक और शांत समय की तलाश में हैं। यह सब कुछ एक ही बार में समेटने के बजाय एक ऐसी छुट्टी की योजना बनाने के बारे में है जो वास्तव में आसान, सुखद और व्यक्तिगत पसंद के अनुरूप महसूस हो।

Booking.com की भविष्यवाणियों के अनुसार यह 'आपका युग' है और भारतीय यात्री स्पष्ट रूप से इस विचार को अपना रहे हैं। भीड़-भाड़ वाले यात्रा कार्यक्रमों को पूरा करने के बजाय लोग ऐसी यात्राएं चुन रहे हैं जो उनकी वास्तविक इच्छाओं को दर्शाती हैं, चाहे वह गति को धीमा करना हो, कुछ नया खोजना हो या बस तपती गर्मी से बचना हो। घरेलू 'कूलकेशन्स' से लेकर सुलभ एशियाई यात्राओं तक, इस सीज़न में यात्रा इस बारे में कम है कि आपको कहाँ जाना चाहिए और इस बारे में अधिक है कि आप वास्तव में कहाँ होना चाहते हैं।

Booking.com के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रमुख संतोष कुमार का कहना है कि इस गर्मी में हम जो देख रहे हैं वह 2026 में भारतीयों के यात्रा करने के बदलते पैटर्न का परिणाम है। यात्री अब अधिक जागरूक और रणनीतिक हो रहे हैं और व्यक्तिगत यात्राओं की तलाश कर रहे हैं जहाँ गंतव्य उन अनुभवों को पेश करते हैं जिनकी वे इच्छा रखते हैं। चाहे वह ऊटी जैसे ठंडे पहाड़ी क्षेत्र हों या क्योटो जैसे सांस्कृतिक स्थान, गर्मियों की यात्रा उन यात्राओं की इच्छा को दर्शाती है जो व्यक्तिगत रूप से सार्थक लगती हैं।

घरेलू यात्राः एक विविध मिश्रण इस गर्मी को परिभाषित करता है

भारतीय यात्री इस गर्मी में घरेलू गंतव्यों के एक विविध मिश्रण को चुन रहे हैं। 'कूलकेशन्स' का प्रभाव बना हुआ है क्योंकि लोग बढ़ते तापमान से राहत चाहते हैं, जिससे ऊटी, दार्जिलिंग, मुन्नार और मनाली जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में काफी रुचि देखी जा रही है। पहाड़ी स्थानों के अलावा आध्यात्मिक केंद्र भी लोकप्रिय हो रहे हैं। ऋषिकेश (9वें से 4वें स्थान पर) और वाराणसी (28वें से 13वें स्थान पर) की रैंकिंग में बड़ा सुधार हुआ है जो आस्था से जुड़ी यात्रा में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। साथ ही जयपुर और उदयपुर जैसे सांस्कृतिक केंद्र भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जबकि गोवा और पुडुचेरी जैसे तटीय क्षेत्र समुद्र किनारे छुट्टियाँ बिताने वालों को लुभा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय यात्राः पूर्व की ओर झुकाव

अंतरराष्ट्रीय यात्रा में स्पष्ट रूप से पूर्व की ओर झुकाव देखा जा रहा है, जहाँ शीर्ष दस सबसे अधिक खोजे गए गंतव्यों में से आठ अब एशिया में स्थित हैं। हालांकि लंदन और पेरिस जैसे यूरोपीय शहर लोकप्रिय बने हुए हैं, लेकिन थाईलैंड, वियतनाम, सिंगापुर, मलेशिया और इंडोनेशिया के गंतव्यों में रुचि बढ़ रही है।

विशेष रूप से जापान में भारी उछाल देखा जा रहा है और शीर्ष दस में उसके तीन शहर शामिल हैं। टोक्यो पिछले साल की तुलना में खोजों में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सूची में सबसे ऊपर है, जबकि ओसाका और क्योटो की रैंकिंग में भी तेजी से सुधार हुआ है। फु क्वोक और सियोल जैसे स्थान भी ऊपर चढ़ रहे हैं, जो संस्कृति, भोजन, खरीदारी और समुद्र तट के विविध अनुभवों की मांग को दर्शाते हैं।

यात्रा में यह बदलाव भारतीयों के ठहरने के विकल्पों में भी दिखाई दे रहा है। पारंपरिक होटलों और रिसॉर्ट्स के बजाय यात्री वैकल्पिक आवासों को चुन रहे हैं जो उनकी जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करते हैं। होमस्टे सबसे अधिक खोजा जाने वाला विकल्प बनकर उभरा है, जिसके बाद गेस्ट हाउस, अपार्टमेंट, बेड एंड ब्रेकफास्ट और विला आते हैं। यह बदलती पसंद अधिक व्यक्तिगत प्रवास की इच्छा को दर्शाती है, जहाँ गोपनीयता और लचीलेपन के साथ परिवारों और समूहों के लिए बेहतर जगह उपलब्ध हो।

क्या एयर कंडीशनिंग आपको बीमार कर सकती है? 'समर कोल्ड' के बढ़ते मामलों की सच्चाई

मुंबई जैसी जगहों पर 40एष्ट की बाहरी गर्मी से बार-बार 20एष्ट के ठंडे, एयर-कंडीशंड माहौल में जाना आपके श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। आपकी नाक और श्वसन मार्ग की नाजुक परतें धीरे-धीरे तापमान बदलने के अनुकूल होती हैं, अचानक बदलाव के नहीं।

जब शरीर बहुत तेजी से ठंडा होता है, तो नाक की रक्त वाहिकाएं पहले सिकुड़ती हैं और फिर तेजी से फैलती हैं, जिससे वासोमोटर राइनाइटिस हो सकता है। इससे सूजन, ज्यादा म्यूकस बनना और सर्दी जैसे लक्षण—जैसे नाक बहना या बंद होना—हो सकते हैं, भले ही कोई संक्रमण न हो।

बार-बार ऐसे तापमान बदलाव का सामना करने से सिलिया (श्वसन मार्ग में मौजूद महीन बाल जैसे ढांचे) पर भी असर पड़ता है, जो धूल और कीटाणुओं को बाहर निकालने में मदद करते हैं। समय के साथ यह सूजन पैदा कर सकता है, जो सर्दी जैसे लक्षण देती है, भले ही जांच में कुछ न निकले।

सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल की इंटरनल मेडिसिन की अतिरिक्त निदेशक डॉ. दिव्या गोपाल के अनुसार:

नमी और सूखी हवा

यर कंडीशनर हवा को ठंडा करने के साथ उसकी नमी भी कम कर देता है। आदर्श रूप से घर के अंदर नमी 40% से 60% के बीच होनी चाहिए, लेकिन लंबे समय तक एसी चलने से यह 20-30% तक गिर सकती है।

सूखी हवा नाक की म्यूकस परत को डिहाइड्रेट कर देती है, जिससे वायरस और प्रदूषकों को रोकने की उसकी क्षमता कम हो जाती है। जब यह प्राकृतिक सुरक्षा कमजोर पड़ती है, तो वायरस आसानी से बढ़ सकते हैं, जिससे 'समर कोल्ड' जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अक्सर लोग नोटिस करते हैं कि बाहर की नम हवा में जाने पर उनके लक्षण बेहतर हो जाते हैं।

एयर कंडीशनर की देखभाल जरूरी

सभी 'समर कोल्ड' केवल तापमान के कारण नहीं होते। ठीक से मेंटेन न किए गए एसी के फिल्टर में धूल, पराग, फफूंदी और बैक्टीरिया जमा हो सकते हैं, जो फिर हवा के साथ फैलते हैं।

ये कण एलर्जी जैसी प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे लगातार छींक आना, थकान और नाक में जलन जैसे लक्षण होते हैं। इसलिए एसी की नियमित सर्विसिंग जरूरी है, वरना यह राहत देने के बजाय समस्या का कारण बन सकता है।

सुरक्षित तापमान कितना होना चाहिए?

डॉक्टर सलाह देते हैं कि अंदर और बाहर के तापमान में अंतर 8-10एष्ट से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अगर बाहर 40एष्ट है, तो शुरुआत में एसी 28-30एष्ट पर सेट करें। फिर धीरे-धीरे इसे 24-26एष्ट तक लाएं, ताकि शरीर बिना तनाव के अनुकूल हो सके।

तेज गर्मी में एयर कंडीशनिंग जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा ठंडक, सूखी हवा और खराब रखरखाव सर्दी जैसे लक्षण पैदा कर सकते हैं।

संतुलित तापमान बनाए रखना, एसी की नियमित सर्विसिंग और शरीर को समय देकर आप 'समर कोल्ड' के खतरे को कम कर सकते हैं।

अगर लक्षण एक हफ्ते से ज्यादा बने रहें या बुखार और बदन दर्द के साथ हों, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

स्वाद और सेहत का संगम 'शहतूत', फल ही नहीं, पत्तियां भी पोषक तत्वों का खजाना

नई दिल्ली। प्रकृति ने ऐसे कई फल-फूल दिए हैं, जो स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं। ऐसा ही गर्मियों में मिलने वाला फल है शहतूत, जो न सिर्फ स्वादिष्ट, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसका वैज्ञानिक नाम मोरस इंडिका है।

बिहार सरकार का वन, जलवायु एवं पर्यावरण विभाग शहतूत के सेवन से मिलने वाले फायदों से अवगत कराता है। यह पेड़ स्वाद और सेहत का अनोखा संगम है। शहतूत के रसीले फल तो खाए जाते हैं, लेकिन इसकी पत्तियां भी पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं और रेशम उद्योग की नींव हैं। शहतूत एक तेजी से बढ़ने वाला मध्यम आकार का पेड़ है, जो आमतौर पर 10 से 15 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच जाता है।

इसके फल बेहद रसीले और मीठे होते हैं। ये सफेद, गुलाबी या गहरे बैंगनी रंग के हो सकते हैं। स्वाद के साथ-साथ ये फल औषधीय गुणों से भी भरपूर होते हैं। लोग इन्हें ताजा खाने के अलावा जूस, जेली, मुरब्बा और सूखे रूप में भी इस्तेमाल करते हैं।

शहतूत के फलों में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। ये फल रक्त शुद्ध करने, पाचन सुधारने, एनीमिया दूर करने और इम्युनिटी बढ़ाने में कारगर माने जाते हैं। आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में शहतूत का इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है।

शहतूत की पत्तियां सिर्फ रेशम के कीड़ों का भोजन ही नहीं हैं, बल्कि इनमें भी ढेर सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन पत्तियों को चाय, पाउडर और सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। पत्तियों में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं। इनका सेवन ब्लड शुगर कंट्रोल करने और कोलेस्ट्रॉल कम करने में फायदेमंद है।

सेहत और स्वाद के साथ ही शहतूत का पेड़ रेशम उद्योग का भी आधार है। रेशम के कीड़े इन्हीं पत्तियों को खाकर रेशम पैदा करते हैं।

छाछ बनाम लस्सीः गर्मियों में शरीर को कौन तेजी से ठंडा करता है?

छाछ और लस्सी—दोनों ही पारंपरिक और ताज़गी देने वाले गर्मियों के पेय हैं। लेकिन जब तापमान बढ़ता है, तो सवाल उठता है कि इनमें से कौन शरीर को जल्दी ठंडा करता है? इसका जवाब सिर्फ स्वाद में नहीं, बल्कि इनके टेक्सचर, पाचन और शरीर की प्रतिक्रिया में छिपा है।

छाछ एक हल्का, फर्मेंटेड पेय है, जिसे क्रीम को मथकर या दही में पानी मिलाकर बनाया जाता है। इसकी स्थिरता पतली होती है और स्वाद खट्टा। फर्मेंटेशन और कम वसा होने के कारण यह आसानी से पच जाती है और अक्सर भारी भोजन के बाद पी जाती है।

लस्सी एक गाढ़ा और क्रीमी पेय है, जिसे दही में पानी मिलाकर बनाया जाता है, और इसमें अक्सर चीनी, फल या मसाले मिलाए जाते हैं। यह मीठी या नमकीन हो सकती है और ज्यादा समृद्ध महसूस होती है। इसका गाढ़ापन इसे पेट भरने वाला बनाता है, लेकिन छाछ की तुलना में थोड़ा भारी भी होता है।

अगर तुरंत ठंडक पाना आपका लक्ष्य है, तो छाछ अक्सर ज्यादा तेजी से असर करती है। इसका हल्का टेक्सचर और ज्यादा पानी शरीर को जल्दी हाइड्रेट करता है। वहीं, लस्सी भी ठंडक देती है, लेकिन इसकी गाढ़ी बनावट के कारण इसे पचने और अवशोषित होने में थोड़ा ज्यादा समय लगता है।

छाछ में प्रोबायोटिक्स होते हैं और यह पेट के लिए हल्की होती है, जिससे गैस और एसिडिटी कम करने में मदद मिलती है। लस्सी पौष्टिक तो है, लेकिन इसमें चीनी या क्रीम मिलाने के कारण यह थोड़ी भारी लग सकती है।

असल में, बेहतर पाचन का मतलब है शरीर के अंदर से तेज ठंडक मिलना।

दोनों पेय प्रोटीन, कैल्शियम और जरूरी विटामिन्स प्रदान करते हैं। हालांकि, छाछ में आमतौर पर वसा और कैलोरी कम होती है, जबकि लस्सी इसकी तैयारी के तरीके के अनुसार ज्यादा समृद्ध हो सकती है।

फिल्में सिर्फ समाज सुधार के लिए नहीं, मनोरंजन के लिए भी बनती हैं : सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म 'सिस्टम' रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त सोनाक्षी ने सिनेमा के उद्देश्य पर बात की। अपनी स्पष्ट राय रखते हुए उन्होंने बताया कि फिल्मों का एकमात्र मकसद समाज में बदलाव लाना नहीं है। फिल्में सिर्फ समाज सुधारने के लिए नहीं, मनोरंजन के लिए भी बनती हैं।

अभिनत्री का मानना है कि फिल्में मुख्य रूप से मनोरंजन के लिए बनाई जाती हैं और नैतिक शिक्षा देना फिल्म मेकर्स का काम नहीं है।

मीडिया से खास बातचीत में सोनाक्षी ने कहा, 'मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि फिल्मों को सिर्फ समाज को सही रास्ते पर लाने का जरिया माना जाए। फिल्में मनोरंजन के लिए भी बनाई जाती हैं। सही और गलत की शिक्षा हमें अपने माता-पिता और स्कूल से मिलनी चाहिए। यह एक्टर्स या फिल्म मेकर्स काम नहीं है।'

सोनाक्षी ने बताया, 'आज हम एक वकील की कहानी बनाएंगे, कल हम एक सीरियल किलर की कहानी बना सकते हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि लोग जाकर दूसरों को मारना शुरू कर दें। नैतिक मूल्य और सिद्धांत घर पर सिखाए जाते हैं। यह सिखाना हमारा काम नहीं है। अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि फिल्मों में 12, 16 या 18 साल के दर्शकों के लिए उम्र के हिसाब से रेटिंग्स होती हैं। दर्शक खुद सही और गलत के बीच फर्क समझने में सक्षम हैं।

सोनाक्षी ने बताया, 'कई बार फिल्मों को लेकर बड़ी बहस छिड़ जाती है कि यह गलत है, इसे दिखाना नहीं चाहिए। माफ कीजिए, लेकिन फिल्म एक कहानी है। दर्शकों को फिल्म को मनोरंजन के तौर पर देखना चाहिए। आखिरकार यह सिर्फ एक कहानी होती है।'

उन्होंने यह भी कहा कि कला समाज का आईना होती है। फिल्में अक्सर असल जिंदगी की घटनाओं या सच्ची कहानियों पर आधारित होती हैं। अगर कोई फिल्म 'सिस्टम' की तरह दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दे तो यह अच्छी बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर फिल्म समाज सुधारने की जिम्मेदारी ले।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'सिस्टम' 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म का निर्माण पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने किया है। अश्विनी अय्यर की फिल्म में सोनाक्षी के साथ अभिनेत्री ज्योतिका भी नजर आएंगी।

पत्नी दिव्यांका की प्रेग्नेंसी की खबर सुन घबरा गए थे विवेक दहिया, बोले- 'जिम्मेदारी का एहसास होते ही टेंशन होने लगी'

मुंबई। टीवी इंडस्ट्री के पसंदीदा कपल विवेक दहिया और दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों अपनी जिंदगी के बेहद खास दौर से गुजर रहे हैं। दोनों जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। इस कड़ी में आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में विवेक दहिया ने उस एहसास के बारे में बताया, जब उन्हें पहली बार दिव्यांका की प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला था। उन्होंने बताया कि उनकी पहली प्रतिक्रिया खुशी नहीं, बल्कि घबराहट थी।

मीडिया से बात करते हुए विवेक ने कहा, ''पिता बनने की खबर सुनते ही मुझे अचानक जिंदगी की बड़ी जिम्मेदारियों का एहसास होने लगा।

यह पल जरूर खूबसूरत था, लेकिन इसके साथ एक टेंशन भी जुड़ी हुई थी। मन में सबसे पहले यही ख्याल आया कि अब जिंदगी पूरी तरह बदलने वाली है। अब केवल अपने बारे में नहीं, बल्कि एक नई जिंदगी के बारे में भी सोचना होगा।''

उन्होंने कहा, ''शुरुआत में मैं बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं था, क्योंकि जिम्मेदारी का एहसास मेरे ऊपर हावी हो गया था। मेरे अंदर कुछ समय तक काफी घबराहट थी। हालांकि धीरे-धीरे मैंने खुद को समझाया कि हर इंसान इस तरह की खबर पर अलग तरीके से प्रतिक्रिया देता है। किसी को तुरंत खुशी महसूस होती है तो किसी को पहले जिम्मेदारी का दबाव महसूस होता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि मैं खुश नहीं हूं। दरअसल, मैं और दिव्यांका लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे। हम हमेशा से माता-पिता बनना चाहते थे।''

विवेक ने आगे कहा, ''कुछ दिनों बाद जब यह एहसास धीरे-धीरे मेरे अंदर बैठने लगा, तब मुझे इस नए सफर की खूबसूरती समझ आने लगी। यह जिंदगी का बेहद खास दौर है। मुझे हमेशा याद रहेगा कि पहली बार यह खबर सुनकर मैं कितना घबरा गया था।''

अपने और दिव्यांका के रिश्ते में आए बदलाव को लेकर भी विवेक ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ महीनों में हमारे रिश्ते में काफी परिपक्वता आई है। अब हम दोनों पहले से ज्यादा समझदारी से चीजों को देखते हैं। लोग अक्सर कहते हैं कि बच्चे के आने के बाद पति-पत्नी का हनीमून फेज खत्म हो जाता है, लेकिन इसका असली मतलब यह होता है कि जिंदगी की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं।

पेट्रोकेमिकल कंपनी में केमिस्ट थे नवाजुद्दीन सिद्दीकी, एक्टिंग के जुनून ने बनाया बॉलीवुड स्टार

मुंबई। हिंदी सिनेमा के अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी शानदार एक्टिंग और दमदार किरदारों के लिए पूरी दुनिया में पहचाने जाते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा था जब फिल्मों में आने से पहले उन्होंने वडोदरा की एक पेट्रोकेमिकल कंपनी में केमिस्ट की नौकरी की थी।

नौकरी करते हुए भी उनके दिल में अभिनय के प्रति जुनून था जो उन्हें बॉलीवुड तक ले आया। छोटे शहर से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना नवाजुद्दीन के लिए आसान नहीं था लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी का जन्म 19 मई 1974 को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के छोटे से कस्बे बुढ़ाना में हुआ था। वह एक साधारण जमींदार परिवार से आते हैं। उनके पिता किसान थे। बचपन से ही नवाजुद्दीन का फिल्मों और अभिनय की तरफ झुकाव था। हालांकि उस समय परिवार में फिल्मों को करियर के रूप में नहीं देखा जाता था।

पढ़ाई पूरी करने के बाद नवाजुद्दीन ने हरिद्वार की गुरुकुल कांगड़ी यूनिवर्सिटी से साइंस में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद नौकरी की तलाश में वह गुजरात के वडोदरा पहुंचे। यहां उन्होंने एक पेट्रोकेमिकल कंपनी में केमिस्ट के तौर पर काम किया। इस नौकरी में उन्हें कई तरह के केमिकल की जांच करनी पड़ती थी। नौकरी अच्छी थी लेकिन उनका मन अभिनय में था।

'शुरुआत में समझौते करने पड़ते हैं', इंडस्ट्री की सच्चाई पर खुलकर बोलीं त्रिधा चौधरी

मुंबई। फिल्म जगत में नए कलाकारों का सफर अक्सर आसान नहीं होता। इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिए कभी लंबे समय तक काम करना पड़ता है तो कभी कम फीस में बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना पड़ता है। इस पर आईएएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि पहले के मुकाबले अब इंडस्ट्री काफी बदल चुकी है और नए कलाकार पहले से ज्यादा जागरूक हो गए हैं।

मीडिया ने जब त्रिधा से पूछा कि क्या नए कलाकार उत्साह में आकर बिना पूरी जानकारी के कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लेते हैं, इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, ''अब ऐसा पहले जितना नहीं होता। आजकल कलाकार ज्यादा समझदारी से फैसले लेते हैं और किसी भी प्रोजेक्ट को साइन करने से पहले उसके फायदे और नुकसान दोनों को समझने की कोशिश करते हैं। त्रिधा ने अपने निजी अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा, ''मैंने खुद कई बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम किया है, जहां कई बार मुझे अपनी फीस में समझौता करना पड़ा। यह हमेशा मजबूरी की वजह से नहीं होता, बल्कि कई बार सामने वाले के अनुभव और सम्मान को देखते हुए भी ऐसा करना पड़ता है। मैंने कई बार तय समय से ज्यादा काम किया, क्योंकि बड़े बैनर के साथ काम करना करियर के लिए बड़ा अवसर होता है। त्रिधा ने आगे कहा, ''हालांकि कई बार यह स्थिति नए कलाकारों के लिए शोषण जैसी लग सकती है। जब कोई नया कलाकार इंडस्ट्री में आता है, तो उसके अंदर खुद को साबित करने की इच्छा होती है। ऐसे में वह कई चीजों में समझौता कर लेता है। शुरुआत में समझौते करने पड़ते हैं, लेकिन इस स्थिति का दूसरा पहलू भी है। बड़े प्रोडक्शन हाउस और बैनर कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए काफी पैसा खर्च करते हैं। वे कलाकारों का प्रचार करते हैं, उन्हें पहचान दिलाते हैं और उनके करियर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। त्रिधा इन दिनों संजय दत्त के साथ फिल्म 'आखिरी सवाल' को लेकर चर्चा में है। लोग उनकी एक्टिंग को काफी पसंद कर रहे है। इस फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, ''यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें देश और समाज से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को उठाया गया है। त्रिधा ने कहा, 'आखिरी सवाल' पूरी तरह देशभक्ति की भावना से जुड़ी फिल्म है। हर भारतीय नागरिक को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए, क्योंकि यह लोगों को सोचने पर मजबूर करती है। फिल्म में देश के इतिहास से जुड़े कई बड़े मुद्दों और घटनाओं को दिखाया गया है। इसमें बाबरी मस्जिद विध्वंस और इमरजेंसी जैसे संवेदनशील विषयों का भी जिक्र किया गया है।''

शेफाली जरीवाला की मौत में काले जादू की भूमिका पर पराग त्यागी ने तोड़ी चुप्पी, बोले- कुछ बातें अस्वाभाविक लगीं

मुंबई। अभिनेता पराग त्यागी ने अभिनेत्री शेफाली जरीवाला के निधन को लेकर बड़ा और भावुक बयान दिया। उन्होंने कहा कि उस दौरान उन्हें कई चीजें बेहद अस्वाभाविक महसूस हुई थीं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं और सब कुछ भगवान पर छोड़ चुके हैं।

मीडिया से खास बातचीत में पराग त्यागी से उस बयान को लेकर सवाल किया गया, जिसमें उन्होंने नकारात्मक ऊर्जा या काले जादू जैसी बातों का जिक्र किया था। उनसे पूछा गया कि आखिर उन्हें ऐसा क्यों महसूस हुआ।

इस पर पराग त्यागी ने कहा, 'कुछ चीजें मुझे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वाभाविक लगी थीं। हम दोनों अपनी सेहत को लेकर बेहद सजग थे। हर कुछ महीनों में नियमित ब्लड टेस्ट और हेल्थ चेकअप करवाते थे। उस समय मैं आध्यात्मिक रूप से भी काफी जुड़ा हुआ था और भगवान हनुमान की भक्ति में लीन था।'

उन्होंने आगे कहा, 'उस दौर में मुझे बहुत गहराई से महसूस हुआ था कि कुछ ठीक नहीं है, हालांकि उस समय मैं उसे पूरी तरह समझ नहीं पाया। लेकिन 2021 से 2024 के बीच मैंने कई चीजों को गहराई से समझना शुरू किया। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगा कि कुछ अस्वाभाविक हुआ था।'

पराग त्यागी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी को दोषी नहीं ठहराते। उन्होंने कहा, 'मैं भगवान, कर्म और सही समय पर भरोसा करता हूं। मैं हर दिन भगवान से जुड़ता हूं, और मेरा मानना है कि जब सही समय आएगा, सच अपने आप सामने आ जाएगा। मैंने सब कुछ भगवान के हाथों में छोड़ दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या काम ने इस मुश्किल दौर में उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने में मदद की, तो उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर कहते हैं कि खुद को व्यस्त रखो, लेकिन हर समय व्यस्त रहना भी कहीं न कहीं भागने जैसा हो सकता है। कोई इंसान 24 घंटे काम नहीं कर सकता।'

पवित्र रिश्ता और जोधा अकबर जैसे लोकप्रिय शोज में काम कर चुके पराग त्यागी ने कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा ताकत आध्यात्म और सनातन दर्शन से मिली।

उन्होंने कहा, 'आध्यात्म से जुड़ने पर दर्द खत्म नहीं होता, लेकिन उससे दर्द को सहने की शक्ति जरूर मिलती है। आज की युवा पीढ़ी या तो जरूरत से ज्यादा काम में खो जाती है या फिर भटकाव और इच्छाओं में। असली ताकत आध्यात्म, विश्वास, संस्कृति और भगवान से भीतर के जुड़ाव से आती है, चाहे आप किसी भी धर्म से हों।

अजय देवगन को बेहतर अभिनेता ही नहीं अच्छा इंसान भी मानती हैं महिमा चौधरी, अभिनेत्री ने सुनाया एक्सीडेंट से जुड़ा किस्सा

मुंबई। अभिनेत्री महिमा चौधरी साल 1999 में हुए अपने साथ के हादसे को आज भी भूला नहीं पाई हैं। इस हादसे से जुड़े वाकये को वह अक्सर प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार 'द कपिल शर्मा' शो में अजय देवगन को अपना सबसे ज्यादा ख्याल रखने वाला को-स्टार बताया है। महिमा के अनुसार, फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग के दौरान

हुए भीषण एक्सीडेंट के समय अजय देवगन ने उनका पूरा साथ दिया था।

महिमा चौधरी ने बताया कि बेंगलुरु में फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और शीशे के कई टुकड़े चेहरे में घुस गए। उस समय अजय देवगन फिल्म के प्रोड्यूसर भी थे। उन्होंने अजय देवगन को न सिर्फ अच्छा अभिनेता बल्कि एक अच्छा इंसान भी बताया है। महिमा ने कहा, 'अजय मुझे सही प्लास्टिक सर्जन के पास ले गए। उन्होंने मुझे हिम्मत दी। अगर कोई और प्रोड्यूसर होता तो शायद बस इतना ही कह देता कि जाओ इलाज कराओ लेकिन अजय ने कहा कि तुम्हें प्लास्टिक सर्जन के पास ही जाना चाहिए। महिमा ने आगे बताया कि उस समय उन्हें बहुत डर लग रहा था कि अगर उनकी चोटों की खबर फैल गई तो उनका करियर खत्म हो जाएगा। उन्होंने अजय देवगन और फिल्म के डायरेक्टर प्रकाश झा से गुजारिश की थी कि वे इस दुर्घटना की खबर किसी को न बताएं। दोनों ने महिमा का पूरा साथ दिया और उनके इलाज में मदद की। सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' से डेब्यू करने वाली महिमा साल 1999 में आई फिल्म 'दिल क्या करे' में लीड एक्ट्रेस के रूप में नजर आई थीं।

योग हमारी अनमोल धरोहर, इस बार यूके में यादगार आयोजन की तैयारी: पी कुमारन

लंदन। यूके में भारत के उच्चायुक्त पेरियासामी कुमारन ने पद संभालने के बाद पहला वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने जल्द आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 को लेकर तैयारियों के बारे में बताया।

पी कुमारन ने अपने पहले सार्वजनिक संदेश में भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच साझेदारी को और मजबूत बनाने की बात कही। उन्होंने पूरे यूके में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 समारोहों को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा कि यह 'वन अर्थ, वन हेल्थ' के साथ स्वास्थ्य, सामंजस्य और साझा मूल्यों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

राजदूत ने कहा कि नया कार्यभार संभालना मेरे लिए एक विशेष सम्मान और सौभाग्य की बात है। जैसे ही मैं इस नई जिम्मेदारी की शुरुआत कर रहा हूं, मुझे अत्यंत खुशी है कि मेरे शुरुआती प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों में से एक पूरे यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का उत्सव होगा।

कुमारन ने योग को 'दुनिया को दी गई भारत की सबसे अनमोल धरोहरों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी शाश्वत परंपरा है जो सामंजस्य, संतुलन, सजगता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है।

आज योग को पूरी दुनिया ने अपनाया है। यह भारत की सभ्यतागत भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम्'—अर्थात 'पूरा विश्व एक परिवार है'—को दर्शाता है।

इस वर्ष की थीम इस भारतीय विश्वास को सुंदर रूप से प्रस्तुत करती है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य और हमारे ग्रह का स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम यूके के मित्रों और साझेदारों के साथ मिलकर इस वर्ष के समारोहों को और व्यापक, समावेशी और यादगार बनाने के लिए उत्सुक हैं। कुमारन ने यूके को इस अभूतपूर्व उत्सव में शामिल होने का न्योता दिया और अंत में कहा, 'मैं सभी लोगों को योग की भावना और उसके स्वास्थ्य, एकता और सामंजस्य के संदेश का उत्सव मनाने के लिए हमारे साथ जुड़ने का हार्दिक निमंत्रण देता हूं।'

12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 को मनाया जाएगा। इस वर्ष का मुख्य विषय 'योग फॉर वेलनेस, विजडम एंड वर्ल्ड पीस' रखा गया है। इसे ध्यान में रख आयुष मंत्रालय की ओर से गैर-संचारी रोगों (जैसे मधुमेह और उच्च रक्तचाप) से निपटने के लिए 10 विशेष योग प्रोटोकॉल लॉन्च किए गए हैं।

दक्षिणी लेबनान में तैनात भारतीय सेना की बटालियन आईएनडीबीएटीटी एक्सएक्सवीआई को किया गया सम्मानित

बेरूत। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत दक्षिण लेबनान में भारतीय सेना की बटालियन आईएनडीबीएटीटी एक्सएक्सवीआई तैनात है। दक्षिण लेबनान में भारतीय सेना के आसाधारण सेवा भाव के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। लेबनान में भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी।

इजरायली हमलों से सबसे ज्यादा प्रभावित दक्षिण लेबनान में तैनात इस बटालियन ने बेहद चुनौतीपूर्ण और शत्रुतापूर्ण परिस्थितियों में एक साल की तैनाती के दौरान दूसरी बार प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) के मिशन प्रमुख और फोर्स कमांडर के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित होकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

यह सम्मान सेक्टर ईस्ट कमांडर एंटोनियो आर. बर्नाल मार्टिन ने प्रदान किया। यह बटालियन की बेहतरीन पेशेवर क्षमता, उत्कृष्ट ऑपरेशनल प्रदर्शन और मिशन के प्रति अटूट समर्पण की सराहना के तहत दिया गया। लेबनान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राजदूत नूर रहमान शेख ने दक्षिण लेबनान में आईएनडीबीएटीटी एक्सएक्सवीआई में मेडल्स डे परेड में हिस्सा लिया और कर्नल एन ग्लैडसन, सीओ एनटीआईसीओ के नेतृत्व वाले 4 ग्रेनेडियर्स इन्फेंट्री बटालियन ग्रुप (आईएनडीबीएटीटी एक्सएक्सवीआई एक्सएक्सवीआई) को दक्षिण लेबनान में बहुत मुश्किल और मुश्किल माहौल में काम करते हुए अपने एक साल के कार्यकाल में दूसरी बार प्रतिष्ठित यूनिफिल हेड ऑफ मिशन और फोर्स कमांडर साइटेशन से सम्मानित होने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने पर हार्दिक बधाई दी।' दूतावास ने आगे कहा कि यह सम्मान पत्र सेक्टर ईस्ट कमांडर मेजर जनरल एंटोनियो आर. बर्नाल मार्टिन द्वारा प्रदान किया गया। यह बटालियन की असाधारण प्रोफेशनलिज्म, ऑपरेशनल उत्कृष्टता और मिशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के सम्मान में दिया गया।

संक्षिप्त खबर

इजरायली हमले से लेबनान की अर्थव्यवस्था चरमराई, देश को 2 बिलियन डॉलर का नुकसान

बेरूत। लेबनान के इकॉनमी मिनिस्टर आमेर बिसात ने इजरायली हमले से उनके देश की अर्थव्यवस्था को पहुंच रहे नुकसान से रूबरू कराया है। उनके अनुसार, अनुमान है कि इससे देश को 2 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। अल जजीरा से बिसात ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि 2 मार्च के बाद से इजरायली हमले में लेबनान को लगभग 2 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा, 'इसका असर काफी बड़ा रहा है। हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग अपनी नौकरियां गवां रहे हैं, खेतों में उत्पादन बंद हो रहा है, निर्माण कंपनियां बंद हो रही हैं और पर्यटक नहीं आ रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि हमले के दौरान हुए नुकसान का अनुमान लगभग 2 अरब डॉलर है, जो लेबनान की जीडीपी का करीब 7 प्रतिशत है। बिसात के अनुसार, लगातार संघर्ष ने देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, कृषि, उद्योग और पर्यटन क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव डाला है। इजरायल लगातार दावा करता है कि हिज्बुल्लाह के हमलों के जवाब में उसने ये सैन्य कार्रवाई जारी रखी है।

वहीं, रविवार को दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमले में पति-पत्नी के मारे जाने की खबर लेबनान के आधिकारिक समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी ने दी। उन्होंने बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान के हबौश शहर के अल-साहा इलाके में हमला किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में एक घर तबाह हो गया, जिसमें मुहम्मद हसन जमूल नाम के एक युवक और उनकी पत्नी सकीना मुहम्मद अब्बास मक्की की मौत हो गई।

इस बीच इजरायली डिफेंस फोर्सेस ने भी दावा किया कि उत्तरी इजरायल के मिसगाव आम क्षेत्र में सायरन बजने के बाद एक 'संदिग्ध हवाई लक्ष्य' की पहचान की गई। कथित तौर पर यह विमान दक्षिणी लेबनान में तैनात इजरायली सैनिकों के पास गिरा। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इजरायली सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'रातभर में हिज्बुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में मौजूद इजरायली बलों की ओर रॉकेट और विस्फोटक ड्रोन दागे, लेकिन इन हमलों में भी कोई हताहत नहीं हुआ।'

326 दिनों के बाद स्वदेश लौटा अमेरिकी युद्धपोत जेराल्ड एस फोर्ड

वाशिंगटन। अमेरिका का विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड अमेरिका लौट आया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक्स पर नाविकों की भावुक स्वदेश वापसी की कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए इसकी जानकारी दी। वो खुद भी वहां मौजूद रहे। इस पोत पर चालक दल के करीब 5,000 सदस्य सवार थे।

ये पोत जिसे ईरान के साथ युद्ध शुरू होने से पहले मध्य पूर्व भेजा गया था, 326 दिनों (11 महीनों) की तैनाती पूरी करने के बाद शनिवार को अमेरिका लौटा। पेंटागन के अनुसार, यह तैनाती अमेरिकी विमानवाहक पोत स्ट्राइक ग्रुप की वियतनाम युद्ध के बाद सबसे लंबी तैनाती थी। पीट हेगसेथ वर्जीनिया के नॉरफॉक में दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत के स्वागत के लिए मौजूद थे।

मीडिया से उन्होंने कहा कि जो काम दुनिया के इस सबसे बड़े कैरियर ने किया, वह अद्भुत और असाधारण रहा।

इस तैनाती के दौरान फोर्ड ने कैरिबियन क्षेत्र में अमेरिकी अभियानों में हिस्सा लिया, जहां अमेरिकी बलों ने कथित ड्रग-तस्करी नौकाओं पर कार्रवाई की, प्रतिबंधित टैंकरों को रोका, और वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने के अभियान में भाग लिया। इसके बाद इसे ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों में शामिल होने के लिए मध्य पूर्व भेजा गया।

तैनाती के दौरान जहाज पर कई चुनौतियां भी सामने आईं, जिनमें मार्च में लॉन्ड्री क्षेत्र में लगी आग और तकनीकी समस्याएं शामिल थीं।

आमतौर पर ऐसे एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती रहती है, लेकिन इस बार ये मिशन 11 महीने तक खिंच गया। इस जहाज में पहले ही टॉयलेट की खराबी की बात सामने आई थी। इन परिस्थितियों के बीच ही मार्च में ईरान युद्ध के दौरान जहाज के लॉन्ड्री एरिया में आग लगी थी, जिसे बुझाने में करीब 30 घंटे लगे थे।

पेंटागन के अनुसार, पिछले साल जून में वर्जीनिया से निकलने के बाद जहाज पहले अटलांटिक से होते हुए भूमध्य सागर और नॉर्वे पहुंचा। जनवरी में इसे वेनेजुएला ऑपरेशन के लिए कैरेबियन भेजा गया और फिर ईरान संघर्ष के दौरान मध्य पूर्व में तैनाती हुई।

ईरान ने दी सैन्य जवाब की चेतावनी, अराघची का दावा-अब अमेरिकी घरों तक पहुंच रहा युद्ध का खर्च

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के हमलों से तेहरान को भले ही नुकसान पहुंचा है, लेकिन इस लड़ाई का असर अमेरिकी जनता के पॉकेट पर भी हो रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर को लेकर अब तक कोई बात नहीं बन पाई है। इस बीच रूस की तरफ से यह चेतावनी जारी की गई कि अगले कुछ घंटों या दिनों में अमेरिका और इजरायल ईरान पर फिर से हमले शुरू कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अराघची भी बातचीत फेल होने पर अमेरिका के साथ सैन्य लड़ाई फिर से शुरू करने को तैयार हैं।

दोनों पक्षों में मैसेज के एक्सचेंज के बीच ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि ईरान पर अमेरिका-इजरायल युद्ध से हुए नुकसान के बावजूद इस लड़ाई का असर अमेरिकी घरों पर भी पड़ रहा है। ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने एक्स पर लिखा, 'अमेरिकियों से कहा गया है कि उन्हें ईरान पर अपनी पसंद के युद्ध का बढ़ता खर्च उठाना होगा। गैस की कीमतों में बढ़ोतरी और स्टॉक मार्केट के बुलबुले को एक तरफ रख दें। असली दर्द तब शुरू होता है जब अमेरिका के कर्ज और मॉर्गेज रेट बढ़ने लगते हैं।

ऑटो लोन की देनदारी पहले ही 30 से ज्यादा साल के सबसे ऊंचे लेवल पर है।' इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी वित्त बॉन्ड पर बढ़ती यील्ड की एक तस्वीर भी दिखाई। अराघची ने अंदाजा लगाया कि यह दबाव जल्द ही उधार लेने की बढ़ती लागत में बदल जाएगा, जिससे संभावित मंदी आ सकती है।

आइसोलेशन में रह रहे एक कनाडाई नागरिक का हंतावायरस टेस्ट 'संभावित पॉजिटिव

वैंकूवर। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि एक क्रूज जहाज से जुड़े कनाडाई यात्री में हंतावायरस संक्रमण की शुरुआती पुष्टि हुई है। फिलहाल उस व्यक्ति को अलग रखकर इलाज किया जा रहा है।

प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने कहा कि मरीज में दो दिन पहले हल्के लक्षण दिखाई देने शुरू हुए थे। इनमें बुखार और सिरदर्द शामिल थे। इसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को उसकी जांच रिपोर्ट में हंतावायरस संक्रमण की आशंका सामने आई। हालांकि, अंतिम पुष्टि अभी माइक्रोबायोलॉजी लैब की रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

यह मरीज उन 10 कनाडाई लोगों में शामिल है जिन्हें क्रूज जहाज पर फैले संक्रमण के कारण आइसोलेशन में रखा गया है। इनमें से चार लोग ब्रिटिश कोलंबिया में निगरानी में हैं, जबकि बाकी छह अल्बर्टा, ओंटारियो और क्यूबेक में अलग रखे गए हैं। ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेट किए गए चार लोगों में यही व्यक्ति संक्रमित पाया गया है, जबकि उसके साथी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि आइसोलेशन में रखे गए किसी भी व्यक्ति का आम जनता से संपर्क नहीं हुआ है। मरीजों को ले जाने और इलाज के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने पूरी सुरक्षा किट पहनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस वायरस के महामारी बनने की संभावना नहीं है, इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। यह संक्रमण एमवी होंडियस नाम के क्रूज जहाज पर फैला था। अब तक इस जहाज से जुड़े तीन लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हंतावायरस के लक्षण सामने आने में एक से आठ हफ्तों तक का समय लग सकता है।

मानवाधिकार संगठनों ने बलूचिस्तान और केपी की गिरती सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठन (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। आयोग ने कहा कि इन क्षेत्रों में लोग जबरन गुमशुदगी, टार्गेट किलिंग और उग्रवादी हमलों के बीच फंसते जा रहे हैं।

एचआरसीपी ने एक्स पर जारी बयान में कहा, 'ग्वादर विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर, प्रो-वाइस-चांसलर और दो अन्य कर्मचारियों के ग्वादर से क्वेटा जाते समय मस्तुंग में कथित अपहरण ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।'

आयोग ने पूछा कि सरकार प्रमुख राजमार्गों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में क्यों विफल हो रही है। आयोग ने घमख्वार हयात की नुशकी में हत्या पर भी चिंता जताई। एचआरसीपी ने कहा कि जब शिक्षकों और बुद्धिजीवियों का अपहरण या हत्या होती है, तो इसका असर केवल व्यक्तिगत त्रासदी तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज और शिक्षा व्यवस्था पर पड़ता है।

बयान में कहा गया, ' बन्नू, बजौर और लक्की मरवत में हालिया घातक हमले उग्रवादी हिंसा के बढ़ते खतरे को दर्शाते हैं। सराय नौरंग के भीड़भाड़ वाले बाजार में बम विस्फोट समेत इन हमलों में आम नागरिकों, पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों के जवानों की जान गई।' एचआरसीपी ने सरकार से केवल निंदा करने तक सीमित न रहने और नागरिकों तथा सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। आयोग ने अपहृत विश्वविद्यालय अधिकारियों की सुरक्षित बरामदगी, सभी हमलों की निष्पक्ष जांच और दोषियों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बीच, बलोच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग पांक ने दावा किया कि प्रसिद्ध कवि, साहित्यकार और शिक्षक गमख्वार हयात को नुशकी जिले के किली मेंगल इलाके में पाकिस्तान समर्थित डेथ स्क्वॉड से जुड़े लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पीएम मोदी के स्वीडन दौरे से भारत और यूरोप के उद्योगों के बीच बढ़ेगा सहयोग : भारत के राजदूत अनुराग भूषण

गोथेनबर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के दौरे पर हैं। नीदरलैंड के बाद वह स्वीडन पहुंचने वाले हैं। स्वीडन में पीएम मोदी के स्वागत के लिए जोर शोर से तैयारी चल रही है। इस बीच स्वीडन में भारत के राजदूत अनुराग भूषण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वीडन दौरा दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने, सहयोग बढ़ाने और लोगों के बीच जुड़ाव को गहरा करने के लिए बहुत जरूरी है।

आईएएनएस से बातचीत में अनुराग भूषण ने कहा कि स्वीडन में रहने वाले भारतीय इस दौरे को लेकर बहुत उत्साहित हैं, जिससे दोनों देशों के बीच कल्चरल और डिप्लोमैटिक जुड़ाव और बढ़ने की उम्मीद है। पीएम मोदी के स्वीडन दौरे को लेकर भारतीय राजदूत ने कहा, 'प्रधानमंत्री आज आएंगे। वे स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन के बुलावे पर आ रहे हैं। तो बेशक वे क्रिस्टरसन और उनकी लीडरशिप टीम के साथ द्विपक्षीय कंसल्टेशन करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री स्वीडन की बिजनेस कम्युनिटी के साथ भी बातचीत करेंगे। वे यूरोपीय राउंडटेबल ऑफ इंडस्ट्री के सदस्यों को भी संबोधित करेंगे, जो यूरोप की टॉप कंपनियों का एक ग्रुप है।'

आईएएनएस: प्रधानमंत्री आज स्वीडन आ रहे हैं। दोनों देशों के लिए प्रधानमंत्री का यह दौरा कितना अहम है?

अनुराग भूषण: मुझे लगता है कि यह बहुत अहम दौरा है। यह हमारे प्रधानमंत्री का दूसरा दौरा है। वे पहली बार 2018 में आए थे लेकिन यह दौरा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह गोथेनबर्ग में हो रहा है। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का इस खूबसूरत शहर का पहला दौरा होगा, जो बहुत पुराना शहर है, जिसे 1620 में बसाया गया था। यह स्वीडन की तकनीक, उद्योग और इनोवेशन का केंद्र बन गया है।

जलवायु परिवर्तन का दबाव, 2035 तक ऑस्ट्रेलिया में चार गुना बढ़ सकती है बेघरों की संख्या : अध्ययन

कैनबरा। यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के एक नए अध्ययन ने जलवायु परिवर्तन से मानव समाज पर पड़ने वाले असर को रेखांकित किया है। स्टडी के अनुसार, उच्च-उत्सर्जन (हाई-एमिशन) के कारण अगले एक दशक के भीतर ऑस्ट्रेलिया में बेघरों की संख्या चार गुना तक बढ़ सकती है। यह अध्ययन जलवायु परिवर्तन और आवास की बढ़ती महंगाई के बीच गहरे संबंध को उजागर करता है।

शुक्रवार को जारी विश्वविद्यालय के बयान में कहा गया कि अच्छी मंशा से बनाई गई आवास नीतियां भी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण आवास की अफोर्डेबिलिटी (वहन करने की क्षमता) और बेघरों की समस्या को और गंभीर बना सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न दबाव — जैसे बीमा लागत में वृद्धि, निर्माण सामग्री की आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, और निवेश व्यवहार में बदलाव — देशभर में आवास संकट को और बढ़ाएंगे।

अध्ययन के अनुसार, उच्च-उत्सर्जन की स्थिति में घर खरीदना दोगुना महंगा हो सकता है, जबकि किराए में 45 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कम-उत्सर्जन वाले परिदृश्य में भी 2020 के स्तर की तुलना में बेघरों की संख्या दोगुनी हो सकती है और किराया चुकाने की क्षमता में 23 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। शोधकर्ताओं ने लगभग दो दशकों के राष्ट्रीय आवास, आय और जनसांख्यिकीय आंकड़ों का उपयोग करते हुए यह मॉडल तैयार किया। शोधकर्ताओं ने एक मॉडल बनाया जिसके अनुसार क्लाइमेट से होने वाले झटके और पॉलिसी कैसे मिलकर अफोर्डेबिलिटी, बेघर होने और किराए के दबाव को आकार देते हैं।

अध्ययन में पाया गया कि यदि नीतियां केवल बीमा प्रीमियम या मॉर्गेज (गिरवी) दरों पर केंद्रित हों, तो वे असमानता को और बढ़ा सकती हैं क्योंकि आर्थिक बोझ किराएदारों पर स्थानांतरित हो जाएगा।

असम में 1250 वर्ग किमी अतिक्रमित जमीन वापस लेगी सरकार : सीएम सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को राज्य में अतिक्रमित जमीन को वापस लेने के लिए एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान के तहत जमीनी स्तर पर कार्रवाई पहले ही शुरू की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार राज्यभर में अवैध रूप से कब्जाई गई विशाल भूमि को मुक्त कराने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने लिखा, 'एनडीए 3.0 असम में 1250 वर्ग किलोमीटर से अधिक अतिक्रमित भूमि को पुन: प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वादे को पूरा करने के लिए हमारी टीम पहले से ही जमीन पर काम कर रही है।'

सीएम सरमा ने अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें पीले रंग की जेसीबी मशीनें ढांचों को ध्वस्त करती और लकड़ी तथा टिन-शेड के मलबे को हटाती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई किसी ग्रामीण पहाड़ी इलाके में चल रही थी। मुख्यमंत्री सरमा इससे पहले भी कई बार अपनी सरकार के अतिक्रमण हटाओ अभियान को तेज करने की बात कह चुके हैं। दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से एक दिन पहले, 11 मई को उन्होंने कहा था कि असम की 'जमीन, पहचान और भविष्य' उनकी सरकार के लिए 'गैर-समझौतावादी' मुद्दे हैं। उन्होंने यह भी ऐलान किया था कि एनडीए सरकार के नए कार्यकाल में अतिक्रमण विरोधी अभियानों को और तेज किया जाएगा तथा करीब 5 लाख बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा।

सीएम सरमा ने एक्स पर लिखा था, 'असम की जमीन, पहचान और भविष्य पर कोई समझौता नहीं होगा। 1.5 लाख बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के बाद एनडीए 3.0 अब 5 लाख और बीघा जमीन जनता के लिए वापस लेने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। क्योंकि हमारे लिए 'जाति, माटी, भेती' सबसे पहले है।'

'जाति, माटी, भेती' का नारा- जिसका अर्थ समुदाय, भूमि और मातृभूमि से है- असम में भाजपा सरकार के राजनीतिक संदेश का प्रमुख हिस्सा रहा है, खासकर पहचान और भूमि अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर। इस बीच मुख्यमंत्री सरमा ने असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए हर वादे को सरकार पूरा करने का प्रयास करेगी।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : 350 टन वजनी कटरहेड को विक्रोली शाफ्ट में उतारा गया

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। मुंबई (महाराष्ट्र) के विक्रोली में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के पहले कटरहेड को सफलतापूर्वक शाफ्ट में उतारा गया। 13.6 मीटर व्यास और लगभग 350 टन वजन वाला यह कटरहेड, टीबीएम के मुख्य शील्ड की प्राइमरी असेंबली के अंतिम चरण का प्रतीक है।

21 किलोमीटर लंबे मुंबई सुरंग हिस्से में से 16 किलोमीटर हिस्से के निर्माण हेतु दो टीबीएम मशीनों को असेंबल किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे बनने वाली 7 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है, जो भारत की पहली समुद्र के नीचे रेल सुरंग होगी। प्रत्येक टीबीएम का वजन 3,000 टन से अधिक है, और ये देश में रेल सुरंग निर्माण के लिए अब तक उपयोग की जाने वाली सबसे बड़ी मशीनें हैं। यह इंजीनियरिंग की एक अद्भुत मिसाल है; 13.6 मीटर व्यास वाला यह कटरहेड इतनी बड़ी सुरंग खोदने में सक्षम है, जिसमें हाई-स्पीड कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों लाइनें एक ही सुरंग में होंगी। इसका 350 टन वजन लगभग 250 यात्री कारों (मिड-साइज एसयूवी) के बराबर है। यह यूनिट पांच अलग-अलग शिपमेंट में साइट पर पहुंचाई गई, जिन्हें 1,600 किलोग्राम उच्च-परिशुद्धता वेल्डिंग के माध्यम से जोड़ा गया। इस यूनिट में 84 कटर डिस्क, 124 स्क्रेपर, तथा 16 बकेट लिप लगाए गए हैं, जो खुदाई और मलबा हटाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाते हैं। कटर डिस्क मुख्य उपकरण हैं, जो चट्टानों को काटने का कार्य करते हैं। इसके बाद कटरहेड पर लगे स्क्रेपर मलबे को हटाने और साफ करने का कार्य करते हैं। बकेट लिप कटरहेड में वह खुला हिस्सा होता है, जिसके माध्यम से मलबा मशीन के मलबा कक्ष में प्रवेश करता है।

संक्षिप्त खबर

सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए लागू की गई ओएसएम व्यवस्था : शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन में लागू की गई 'ऑन स्क्रीन मार्किंग' यानी ओएसएम प्रणाली को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की है। दरअसल परिणाम घोषित होने के बाद से बड़ी संख्या में छात्रों और अभिभावकों द्वारा इस प्रणाली को लेकर शिकायत की जा रही है। वहीं सीबीएसई बोर्ड ने यह स्वीकार किया कि 68 हजार से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं को खराब स्कैनिंग गुणवत्ता के कारण दोबारा स्कैन करना पड़ा। वहीं लगभग 13,583 उत्तर पुस्तिकाओं की गुणवत्ता लगातार खराब पाई गई। परिणाम में देरी और छात्रों की चिंता को देखते हुए इन कॉपियों का मूल्यांकन मैन्युअल तरीके से कराया गया और उसके अंक प्रणाली में अपलोड किए गए। परिणामों के विश्लेषण में पाया गया कि वर्ष 2026 में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत और औसत अंक में मामूली गिरावट दर्ज हुई है। भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और लेखा जैसे विषयों में उच्च ग्रेड के लिए आवश्यक कट-ऑफ कुछ अंकों तक नीचे गई है।

मंत्रालय का कहना है यह माना जा रहा है कि परीक्षक इस बार विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार मार्किंग स्कीम का अधिक सख्ती से पालन कर रहे थे। परिणाम घोषित होने के बाद बड़ी संख्या में छात्रों और अभिभावकों ने शिकायत की कि खराब स्कैनिंग के कारण कई उत्तर स्पष्ट दिखाई नहीं दिए, जिससे अंक प्रभावित हुए। कुछ छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि चरणबद्ध अंकन प्रणाली के कारण वैकल्पिक या शॉर्टकट विधियों से हल किए गए उत्तरों को पर्याप्त अंक नहीं मिले। विशेष रूप से गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान विषयों को लेकर अधिक शिकायतें सामने आईं।

मंत्रालय के अनुसार, मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सटीक और तेज बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2026 में कक्षा 12 बोर्ड परीक्षाओं में ओएसएम प्रणाली को लागू किया गया। हालांकि परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की ओर से कई सवाल उठाए गए, जिन पर बोर्ड ने विस्तृत स्पष्टीकरण दिया है और पुनर्मूल्यांकन की विशेष व्यवस्था भी शुरू की है।

मंत्रालय ने बताया कि ऑन स्क्रीन मार्किंग को दुनियाभर में मानकीकृत मूल्यांकन की प्रभावी तकनीक माना जाता है। इससे जोड़-घटाव और टेबुलेशन की गलतियां खत्म होती हैं, हर उत्तर का मूल्यांकन सुनिश्चित होता है और निर्धारित मार्किंग स्कीम के अनुसार एकरूपता बनी रहती है। इसके अलावा परिणाम तैयार होने में समय कम लगता है, प्रशासनिक बोझ घटता है और पूरी प्रक्रिया अधिक सुरक्षित तथा पारदर्शी बनती है। भारत में कई विश्वविद्यालय और शिक्षा संस्थान पहले से इस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। कई राज्य शिक्षा बोर्ड भी इसे अपनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विभिन्न मूल्यांकन एजेंसियां और कई देशों की परीक्षा प्रणालियां इस तकनीक का व्यापक उपयोग करती हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस के सामने नेतृत्व की चुनौती डीके शिवकुमार के समर्थकों ने तेज की मांग

नई दिल्ली। केरल में वी डी सतीशन को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद अब कांग्रेस के भीतर कर्नाटक नेतृत्व को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों का मानना है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान को अब ज्यादा समय तक टाला नहीं जा सकता।

शुक्रवार को डीके शिवकुमार के 64वें जन्मदिन के मौके पर उनके समर्थकों ने पूरे कर्नाटक, खासकर बेंगलुरु में पोस्टर, बैनर और डिजिटल होर्डिंग्स लगाए। इनमें शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग प्रमुखता से दिखाई दी।

कर्नाटक कांग्रेस में हलचल तेज

हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सार्वजनिक तौर पर यह कह चुके हैं कि सिद्दरमैया ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे, लेकिन केरल में हुए नेतृत्व परिवर्तन ने शिवकुमार खेमे को नई उम्मीद दी है। 20 मई को कर्नाटक सरकार के तीन साल पूरे होने जा रहे हैं, ऐसे में राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है।

क्या कर्नाटक में होगा नेतृत्व परिवर्तन?

राजनीतिक विश्लेषक और अधिवक्ता हिदायतुल्ला कुवेंदा ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के सामने अब बड़ा फैसला लेने की स्थिति है। उनके मुताबिक, 'सिद्दरमैया का अनुभव महत्वपूर्ण है, लेकिन कर्नाटक के भविष्य के लिए ऐसे नेता की जरूरत है जो ग्रामीण और शहरी दोनों वर्गों को साथ लेकर चल सके। डीके शिवकुमार पार्टी के संकटमोचक रहे हैं और उन्हें आगे लाना कांग्रेस के लिए जरूरी कदम हो सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर शिवकुमार को अभी मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो अगले विधानसभा चुनाव से पहले उनके पास लगभग दो साल होंगे, जिनमें वह अपनी सरकार की उपलब्धियां दिखा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, सिद्दरमैया और शिवकुमार दोनों खेमे इस बात को समझते हैं कि अगर आने वाले कुछ हफ्तों में कोई फैसला नहीं हुआ, तो चुनाव के करीब जाकर इस मुद्दे को उठाना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है।

'राजनीतिक समझौतों का सम्मान होना चाहिए'

कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि मामला अब केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का नहीं, बल्कि संगठनात्मक स्पष्टता का बन चुका है। उनका कहना है कि सरकार के कार्यकाल का आधा समय गुजरने के बाद शिवकुमार समर्थक अधिक मुखर हो गए हैं और कई विधायकों को लगता है कि राजनीतिक समझौतों का सम्मान होना चाहिए।

शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की पीट-पीटकर हत्या

गोपालगंज। बिहार के मोतिहारी जिले के एक युवक को शादीशुदा प्रेमिका के घर जाकर उससे मिलने की सजा अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। पुलिस युवक की हत्या को लेकर अब जांच में जुटी है।

दरअसल, यह पूरा मामला बिहार के गोपालगंज जिले के महम्मदपुर थाना क्षेत्र के मझौलिया गांव का है। युवक की की पहचान मोतिहारी जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र के झखरा गांव निवासी बादल सिंह (23) के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि शनिवार देर रात बादल अपनी शादीशुदा प्रेमिका से मिलने मझौलिया गांव स्थित उसके घर पहुंचा था। प्रेमिका के परिजनों ने दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोप है कि इसके बाद उसकी बंधक बनाकर पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही महम्मदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, बादल का जिस महिला से प्रेम संबंध था, उसी के बुलावे पर वह उसके घर पहुंचा था। पुलिस ने इस मामले में युवक की प्रेमिका और उसकी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आरोपी प्रेमिका शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है। पति से संबंध ठीक नहीं होने के कारण फिलहाल वह मायके में रह रही थी। घटनास्थल की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, जो वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

कनाडा के वीजा के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक बड़े वीजा फ्रॉड मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर कनाडा भेजने और बिजनेस में निवेश कार्यक्रम के जरिए इमिग्रेशन दिलाने का झांसा देकर एक महिला से करीब 1.83 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक यह मामला कोविड-19 की पहली लहर के बाद का है। नौकरी और बेहतर भविष्य की तलाश में महिला कनाडा जाना चाहती थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात धर्मिंदर शर्मा से हुई।

धर्मिंदर शर्मा ने खुद को एक इमिग्रेशन कंसल्टेंसी फर्म का डायरेक्टर (ऑपरेशंस) बताया और खुद को कनाडा इमिग्रेशन और विदेशी निवेश कार्यक्रमों का बड़ा विशेषज्ञ बताकर महिला का भरोसा जीत लिया। आरोप है कि उसने महिला को कनाडा में बिजनेस निवेश योजना के नाम पर सीएडी (कैनेडियन डॉलर) 2,50,000 निवेश करने के लिए तैयार किया। इसके अलावा प्रोफेशनल फीस के तौर पर सीएडी 45,000 भी लिए। इस तरह आरोपी ने कुल सीएडी 2,95,000 यानी करीब 1.83 करोड़ रुपये हासिल कर लिए। आरोपी ने महिला को भरोसा दिलाया था कि इस निवेश के जरिए उसे कनाडा का इमिग्रेशन, वर्क परमिट और बिजनेस ओनरशिप के अधिकार मिल जाएंगे।

नीट पेपर लीक की जांच महाराष्ट्र के नांदेड़ तक पहुंची, सीबीआई ने की छापेमारी

नांदेड़। नीट पेपर लीक मामले की जांच अब महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले तक पहुंच गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम ने कथित परीक्षा घोटाले पर अपनी बढ़ती कार्रवाई के तहत अचानक छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने शनिवार को कदम परिवार के घर पर आठ घंटे से ज्यादा समय तक गहन तलाशी और सत्यापन अभियान चलाया। इस परिवार पर अपनी बेटी के लिए 5 लाख रुपये देकर लीक हुआ हश्वश्वञ्ज परीक्षा का पेपर खरीदने का आरोप है।

खबरों के मुताबिक, सीबीआई टीम शुक्रवार को लातूर के एक कोचिंग संस्थान से जुड़े एक ड्राइवर से पूछताछ करने के बाद सीधे नांदेड़ पहुंची। जांचकर्ता उस नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह पेपर लीक की साजिश में शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई टीम ने शनिवार तड़के सुबह विद्युत नगर इलाके में अश्विनी भाऊराव कदम के फ्लैट पर छापा मारा। इस लंबी कार्रवाई के दौरान, अधिकारियों ने घर में मौजूद दस्तावेजों और अन्य चीजों की बारीकी से जांच की।

जांचकर्ताओं को शक है कि परिवार ने कथित तौर पर 5 लाख रुपये के बदले अपनी बेटी के लिए लीक हुआ नीट पेपर हासिल किया था। सूत्रों का दावा है कि नांदेड़ में परीक्षा की तैयारी के दौरान, छात्रा प्रैक्टिस टेस्ट और मूल्यांकन में सिर्फ 100 से 120 अंक ही ला रही थी। हालांकि, असली नीट परीक्षा में उसके अंक कथित तौर पर अचानक बढ़कर लगभग 560 हो गए, जिससे पेपर लीक रैकेट की जांच कर रहे अधिकारियों को शक हुआ।

इस मामले से जुड़े एक और बड़े घटनाक्रम में, सीबीआई की एक अलग टीम रविवार को नांदेड़ में आरोपी शुभम खैरनार से जुड़े एक दफ़्तर पहुंची और चल रही जांच के तहत तलाशी अभियान चलाया।

जांच ??टीम ने विद्युत नगर इलाके में खैरनार परिवार के घर का भी दौरा किया और परिवार के कई सदस्यों से पेपर लीक नेटवर्क से उनके कथित संबंधों के बारे में पूछताछ की। अधिकारियों को शक है कि परिवार ने नीट परीक्षा का पेपर खरीदने के लिए बड़ी रकम चुकाई होगी।

नांदेड़ में यह नई तलाशी सीबीआई की नीट पेपर लीक मामले में देशव्यापी जांच के तेज होने के बीच हुई है। इस मामले ने तब भारी विवाद खड़ा कर दिया था, जब ये आरोप सामने आए थे कि परीक्षा से पहले ही पेपर के कई सवाल उम्मीदवारों तक पहुंचा दिए गए थे। जांचकर्ता अब वित्तीय लेनदेन, कोचिंग संस्थानों से संबंधों और कथित तौर पर कई जिलों तथा राज्यों में पेपर लीक कराने में मदद करने वाले बिचौलियों की भूमिका की जांच कर रहे हैं।

हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, 8 पिस्टल और 45 कारतूस बरामद

जालंधर। पंजाब की जालंधर पुलिस ने चार ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो हत्या के मामलों में संलिप्त थे और पिछले कई दिनों से गिरफ्तार से बच रहे थे। आखिर लंबी मशक्कत के बाद पुलिस सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजने में सफल रही। पुलिस ने इस कार्रवाई के बारे में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर जानकारी दी है।

पुलिस के मुताबिक, इन आरोपियों के पास से 1 पीएक्स5 पिस्तौल, 1 जिगना पिस्तौल, 3 पिस्तौल (.30 बोर) और 3 अन्य पिस्टल के अलावा 45 कारतूस भी बरामद किए हैं। इन आरोपियों के तार विदेश से भी जुड़े बताए जा रहे हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर यह पता लगाने की कोशिश में जुट चुकी है कि आखिर यह सभी आरोपी विदेश में किस शख्स के संपर्क में हैं और किनके इशारे पर काम रहे हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी, जो इस पूरे तंत्र में संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ निसंदेह कठोर कार्रवाई सुनिश्चित किया जाएगा।

100 दिवसीय उलटी गिनती श्रृंखला के तहत हुआ योग कार्यक्रम

बेंगलुरु। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के लिए 100 दिनों की उलटी गिनती श्रृंखला के हिस्से के रूप में, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास), एक डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय, ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के सहयोग से उलटी गिनती श्रृंखला के 36वें दिन प्रशांति कुटीरम परिसर, जिगानी, बेंगलुरु में एक योग कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. एचआर नागेंद्र, एस-व्यासा के संस्थापक कुलाधिपति ने योग के महत्व, इसके वैज्ञानिक आयामों और दैनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए एक प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने समकालीन समाज में समग्र स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और आंतरिक सद्भाव को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर बल दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 650 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने आयोजन के दौरान आयोजित कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) सत्र में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत, 'स्वास्थ्य और ज्ञान के लिए योग' विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें आज के डिजिटल युग में युवाओं के स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान शामिल थे।

'युवाओं के स्वास्थ्य के लिए योग' शीर्षक वाले पहले संगोष्ठी सत्र में, योग चिकित्सा विद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. बालाजी आर. (योगथिलागम) ने युवाओं में समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योग की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को पारंपरिक योगिक ज्ञान के साथ एकीकृत करते हुए, उन्होंने योग को 'मजबूरी से चेतना की ओर एक मार्ग' के रूप में वर्णित किया, जो युवाओं को जागरूकता, लचीलापन, भावनात्मक संतुलन और सार्थक जीवन जीने में मदद करता है। डॉ. बालाजी ने स्वास्थ्य और कल्याण के मूल कारणों पर केंद्रित 'सलुजनन' की अवधारणा को विस्तार से समझाया, न कि रोग पर। उन्होंने आसन, प्राणायाम, विश्राम, ध्यान और योगिक जीवनशैली सिद्धांतों जैसी योगिक पद्धतियों के माध्यम से 'सामंजस्य की भावना' को मजबूत करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने युवाओं में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ाने के लिए साक्ष्य-आधारित चिकित्सा और अनुभवात्मक योग विज्ञान के एकीकरण को एक प्रभावी दृष्टिकोण बताया।

वैश्विक तापमान में 1 डिग्री का बदलाव भी महत्वपूर्ण, समझें 'ग्लोबल वार्मिंग'-'जलवायु परिवर्तन' और 'मौसम' में अंतर

नई दिल्ली। दुनिया भर का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। पृथ्वी की सतह की हवा का तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि वैश्विक तापमान में सिर्फ एक डिग्री का बदलाव भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। इस छोटे से बदलाव का असर पूरी पृथ्वी की जलवायु, मौसम, समुद्रों और जंगलों पर पड़ता है।

सबसे पहले समझें कि ग्लोबल वार्मिंग क्या है? अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के माई नासा अर्थ डाटा पोर्टल पर इस विषय में विस्तार से जानकारी मिलती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, दुनिया के औसत तापमान में हो रही लगातार बढ़ोतरी को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। इसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, पेट्रोल, डीजल जलाने से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें हैं।

नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट के अनुसार, 1880 के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 0.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसमें से दो-तिहाई बढ़ोतरी 1975 के बाद हुई है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग इन दोनों में अक्सर अंतर नहीं कर पाते और दोनों को एक ही समझ लेते हैं, लेकिन दोनों में अंतर है। ग्लोबल वार्मिंग सिर्फ तापमान बढ़ने की बात करता है। वहीं, जलवायु परिवर्तन एक व्यापक शब्द है। इसमें तापमान के अलावा बारिश के पैटर्न, सूखा, बाढ़, समुद्र के स्तर में वृद्धि, हिमनदों का पिघलना और समुद्री जीवों पर पड़ने वाले प्रभाव भी शामिल हैं।

इसी तरह मौसम और जलवायु में भी अंतर है। ये दो शब्द सबसे ज्यादा भ्रम पैदा करते हैं। मौसम किसी खास जगह पर छोटे समय यानी कुछ घंटे या दिन का हाल है। जैसे आज बारिश हो रही है या कल तेज हवा चलेगी। वहीं, जलवायु किसी इलाके या पूरी दुनिया का लंबे समय यानी कई सालों या दशकों का औसत पैटर्न है।

उदाहरण के तौर पर, आपके शहर में एक साल अचानक ज्यादा बारिश होना मौसम है, लेकिन कई सालों से बारिश का पैटर्न बदलना जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकता है।

वैज्ञानिक बताते हैं कि वैश्विक तापमान में एक डिग्री बदलाव भी मायने रखता है। स्थानीय स्तर पर रोजाना तापमान 10-15 डिग्री तक बदल सकता है, लेकिन वैश्विक औसत में 1 डिग्री बढ़ना बहुत बड़ी घटना है। इससे समुद्र का पानी फैलता है, हिमनद पिघलते हैं, मौसम के चरम रूप जैसे भीषण गर्मी, भारी बारिश, सूखा बढ़ते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, 1951-1980 को आधार अवधि माना जाता है, जब दुनिया का औसत तापमान करीब 14 डिग्री सेल्सियस था।वैश्विक तापमान मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य से कितनी ऊर्जा लेती है और कितनी वापस अंतरिक्ष में छोड़ती है।

ग्रीनहाउस गैसें इस ऊर्जा को रोक लेती हैं, जिससे पृथ्वी गर्म होती जाती है।

3.5 अरब साल पहले मंगल ग्रह पर आई थी भयानक बाढ़, ईएसए ने दिखाई रोमांचक झलक

नई दिल्ली। पृथ्वी के साथ ही अन्य ग्रहों की दुनिया भी रहस्य और रोमांच भरी हुई है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने मंगल ग्रह के बेहद पुराने रहस्य को और करीब से दिखाया है। एजेंसी ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरों को पोस्ट करते हुए बताया कि करीब 3.5 अरब साल पहले मंगल ग्रह की जमीन के नीचे छिपा पानी अचानक सतह पर फूट पड़ा और भयंकर बाढ़ आई थी।

जमीन के नीचे छिपा पानी अचानक सतह पर फूट पड़ा था, जिससे 10 किलोमीटर चौड़ी और 500 मीटर गहरी विशाल घाटी बन गई। यह बाढ़ इतनी शक्तिशाली थी कि इससे शलबताना वैलिस नामक 1,300 किलोमीटर लंबा चैनल बना, जिसकी लंबाई इटली के लगभग बराबर है।

ईएसए के मार्स एक्सप्रेस स्पेसक्राफ्ट द्वारा ली गई नई तस्वीरें इस प्राचीन घटना की रोमांचक झलक दिखाती हैं। सामने आई तस्वीरों में मंगल ग्रह की उस सतह को दिखाती है, जिसे पानी, लावा और समय ने मिलकर आकार दिया। तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि समय के साथ कई गड्ढे बने जिसे इम्पैक्ट क्रेटर्स कहते हैं। हवाओं द्वारा लाई गई ज्वालामुखी राख के धब्बों के साथ ही लावा के ठंडा होने से बनी सिकुड़ी हुई लकीरें या अस्त-व्यस्त इलाका भी है, जहां चट्टानें टूट-फूटकर बिखरी पड़ी हैं। यह क्षेत्र मंगल के दक्षिणी ऊंचे और उत्तरी निचले इलाकों के बीच स्थित है। पास ही क्राइसे प्लैनिटिया है, जो मंगल का सबसे निचला क्षेत्र माना जाता है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां कभी प्राचीन महासागर भी रहा होगा। मार्स एक्सप्रेस 2003 से लगातार मंगल ग्रह की परिक्रमा कर रहा है और इसके बारे में जानकारी जुटा रहा है। इस मिशन में नासा और इतालवी स्पेस एजेंसी भी शामिल हैं।

इसका सबसे महत्वपूर्ण उपकरण एमएआरएसआईएस रडार है, जो मंगल की सतह के नीचे पानी, बर्फ और अन्य भूवैज्ञानिक संरचनाओं का पता लगाता है। यह खोज मंगल ग्रह पर पानी के अतीत को समझने में बहुत महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगल कभी गर्म और नम रहा होगा, जहां नदियां, झीलें और शायद महासागर भी मौजूद थे। बाद में जलवायु बदलने के साथ यह पानी सूख गया या जमीन के नीचे चला गया।

खराब लाइफस्टाइल बना सकती है एग्स को कमजोर, समय रहते संभलना जरूरी

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी का असर सिर्फ शरीर पर ही नहीं, बल्कि महिलाओं की मां बनने की क्षमता पर भी पड़ रहा है। देर रात तक जागना, तनाव लेना, बाहर का ज्यादा खाना और नींद पूरी न होना जैसी चीजें सेहत पर धीरे-धीरे असर डालती हैं।

डॉक्टरों के अनुसार, अगर कोई महिला भविष्य में मां बनना चाहती है, तो उसके शरीर में बनने वाले अंडों (एग्स) का स्वस्थ होना बेहद जरूरी होता है। यही एग्स गर्भधारण में सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं। अगर इनकी क्वालिटी अच्छी होगी, तो प्रेग्नेंसी की संभावना भी बेहतर हो सकती है।

महिलाओं के शरीर में एग्स जन्म से ही मौजूद होते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इनकी संख्या और ताकत दोनों कम होने लगती है। हालांकि सिर्फ उम्र ही इसका कारण नहीं है। खराब खानपान, ज्यादा तनाव, धूम्रपान और नींद की कमी भी एग्स को कमजोर बना सकते है।

स्वस्थ खाने का सीधा असर महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर पड़ता है। रोजाना ताजे फल और हरी सब्जियां खाने से शरीर को जरूरी पोषण मिलता है।

फल और सब्जियों में ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर की कोशिकाओं को मजबूत रखने में मदद करते हैं। इससे अंडों की सेहत भी बेहतर होती है।

इसके अलावा, शरीर में कुछ खास विटामिन और पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इनमें फोलिक एसिड काफी जरूरी माना जाता है। डॉक्टर अक्सर गर्भधारण की तैयारी कर रही महिलाओं को फोलिक एसिड लेने की सलाह देते हैं। यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करता है। दाल, चना, हरी पत्तेदार सब्जियां और अनाज जैसी चीजों में यह अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

ओमेगा-3 नाम का पोषक तत्व भी महिलाओं की सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। यह शरीर के हार्मोन को संतुलित रखने में मदद कर सकता है। हार्मोन सही रहेंगे, तो शरीर में एग्स बनने की प्रक्रिया भी बेहतर तरीके से काम करती है। अखरोट और अलसी के बीज जैसी चीजों में यह पोषक तत्व पाया जाता है।

नींद भी एग क्वालिटी से जुड़ी हुई मानी जाती है। अगर कोई महिला रोज कम सोती है या देर रात तक जागती है, तो इसका असर शरीर के अंदर बनने वाले हार्मोन पर पड़ सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, रोजाना 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लेना जरूरी होता है। अच्छी नींद शरीर को आराम देती है और अंदरूनी प्रक्रियाओं को सही तरीके से काम करने में मदद करती है।

तनाव भी महिलाओं की फर्टिलिटी पर असर डाल सकता है। जब कोई इंसान बहुत ज्यादा चिंता करता है, तो शरीर में ऐसे बदलाव होने लगते हैं जो हार्मोन को बिगाड़ सकते हैं। इसका असर पीरियड्स और गर्भधारण दोनों पर पड़ सकता है। इसलिए डॉक्टर सलाह देते हैं ।

कलंक नहीं जागरुकता का विषय है मानसिक स्वास्थ्य, जानें इससे जुड़े सात मिथक और सच

नई दिल्ली। मानसिक स्वास्थ्य आज भी हमारे समाज में सबसे ज्यादा कलंकित विषयों में से एक है। जानकारी के अभाव में लोग इसे कमजोरी समझते हैं या फिर आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मिथकों को तोड़ना बेहद जरूरी है। इससे न सिर्फ कलंक कम होगा बल्कि जरूरत पड़ने पर लोग बिना झिझक मदद भी ले सकेंगे।

समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कई गलत धारणाएं फैली हुई हैं, खासकर किशोरों और युवाओं के बीच। इन गलतफहमियों को दूर करने के लिए यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) ने 7 आम मिथकों को सामने रखा है और उनके साथ सच भी बताया है।

मिथक है कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्या उसे ही होती है जिसकी बुद्धि कमजोर है। इसका सच है मानसिक बीमारी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है, चाहे उसकी बुद्धिमत्ता, सामाजिक स्थिति या आर्थिक स्तर कुछ भी हो। यह शारीरिक बीमारी की तरह है और

किसी की समझदारी पर सवाल नहीं उठाती।

दूसरा मिथक है कि मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान तभी रखना चाहिए जब समस्या हो जाए। यह गलत है, इसे लेकर सच है कि हर व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे हम शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। स्वस्थ आदतें अपनाकर मानसिक रूप से भी सेहतमंद रहा जा सकता है।

तीसरा मिथक है कि किशोरों में खराब मानसिक स्वास्थ्य कोई बड़ी समस्या नहीं है, यह सिर्फ हार्मोनल बदलाव है। सच है कि किशोरों में मूड स्विंग्स सामान्य हो सकते हैं, लेकिन दुनिया भर में लगभग 14 प्रतिशत किशोर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से जूझ रहे हैं। 10 से 19 साल के बीच आत्महत्या मृत्यु के प्रमुख कारणों में शामिल है। मानसिक स्वास्थ्य की आधी से ज्यादा समस्याएं 14 साल की उम्र तक शुरू हो जाती हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर मिथक यह भी है कि इनसे बचाव नहीं किया जा सकता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कई प्रभावी तरीके हैं, जिनसे हम खुद को और अपने बच्चों को सुरक्षित रख सकते हैं। मजबूत परिवारिक रिश्ते, अच्छा स्कूली माहौल, भावनात्मक कौशल का विकास और नियमित दिनचर्या बचाव करती है।

पांचवां मिथक है कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्या होना कमजोरी की निशानी है। सच यह है कि मानसिक समस्या का कमजोर इच्छाशक्ति या व्यक्तिगत कमजोरी से कोई संबंध नहीं है। मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि बहुत बड़ी ताकत और हिम्मत का संकेत है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर मिथक यह भी है कि अच्छे ग्रेड वाले और लोकप्रिय किशोरों को मानसिक समस्या नहीं हो सकती।

सच यह है कि डिप्रेशन और एंग्जायटी किसी को भी हो सकती है। ऊपर से अच्छी जिंदगी दिखने के बावजूद अंदर से व्यक्ति दबाव, चिंता या डिप्रेशन में हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक मिथक यह भी है कि खराब परवरिश की वजह से ही किशोरों में मानसिक समस्याएं होती हैं।

'सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम' क्या है? शिशु से जुड़े जोखिम को कैसे कम करें

नई दिल्ली। हर माता-पिता अपने शिशु को लेकर बेहद चिंतित रहते हैं। पहली बार माता-पिता बनने पर चिंताएं और भी बढ़ जाती हैं। ऐसी ही एक गंभीर चिंता है 'सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम' या एसआईडीएस, जिसमें शिशु की बिना किसी स्पष्ट कारण के अचानक मौत हो जाती है।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) के अनुसार, एसआईडीएस दुर्लभ है, लेकिन माता-पिता को इसके बारे में जानकारी होनी चाहिए ताकि वे जोखिम को काफी हद तक कम कर सकें।

'सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम' (एसआईडीएस) वह स्थिति है जिसमें कोई स्वस्थ शिशु अचानक और अप्रत्याशित रूप से मर जाता है। इसकी कोई स्पष्ट वजह नहीं मिलती। यह आमतौर पर नींद के दौरान होता है। यूनिसेफ के अनुसार, एसआईडीएस किसी एक कारण से नहीं बल्कि कई जोखिम कारकों के

मिलने से होता है।

एसआईडीएस के मुख्य जोखिम कारक पर नजर डालें तो शोध बताते हैं कि एसआईडीएस में तीन प्रकार के कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं- पहला शारीरिक कमजोरी है, समय से पहले जन्मे बच्चे या गर्भावस्था में तंबाकू के धुएं के संपर्क में आए शिशु में जोखिम ज्यादा होता है। दूसरा है सामाजिक कमजोरी यानी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, माता-पिता को सहयोग न मिलना और असुरक्षित रहने की स्थिति। वहीं, तीसरा जोखिम का कारक है सोने का असुरक्षित माहौल। सोने की गलत मुद्रा, ढीले बिस्तर, तकिए, खिलौने या तंबाकू का धुआं आदि।

यूनिसेफ बताता है कि एसआईडीएस से होने वाली ज्यादातर मौतें 6 महीने से कम उम्र के शिशुओं में होती हैं। हालांकि, एक साल तक सावधानी बरतनी चाहिए। यूनिसेफ और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एसआईडीएस को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण उपाय अपनाकर इसके जोखिम को बहुत कम किया जा सकता है-

सुरक्षित नींद का एबीसी नियमः- ए - अलोन (अकेला) शिशु को अपने बिस्तर पर अकेला सुलाएं। माता-पिता के साथ सोफे या कुर्सी पर सोना खतरनाक हो सकता है।

आंखों की थकान, गले में खिंचाव और पीठ की अकड़न? मत्स्यासन से दूर होगी समस्या

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार योग के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए नई-नई जानकारियां साझा कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने मत्स्यासन के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

मंत्रालय के अनुसार, अगर आपकी आंखों में खिंचाव व थकान, गले में तकलीफ और पीठ में अकड़न महसूस हो रही है तो यह आपके शरीर का संकेत है कि उसे थोड़ी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और लगातार स्क्रीन का इस्तेमाल करने से ये समस्याएं आम हो गई हैं। लंबे समय तक कंप्यूटर, मोबाइल या लैपटॉप पर काम करने वाले लोगों में आंखों की थकान, गर्दन व गले की जकड़न और पीठ दर्द की शिकायत बढ़ती जा रही है।

ऐसे में योग विशेषज्ञों का कहना है कि इन समस्याओं से निपटने के लिए मत्स्यासन एक बेहतरीन योगासन है। मत्स्यासन को 'फिश पोज' भी कहा जाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, छाती को खोलता है और कंधों व गर्दन के तनाव को कम करता है। नियमित अभ्यास से गर्दन, गले और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। आंखों की थकान कम होती है और सांस लेने की क्षमता बढ़ती है।

यह आसन थायरॉइड ग्रंथि को भी स्वस्थ रखने में मदद करता है। तनाव और चिंता कम करने के साथ-साथ शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाता है। मंत्रालय के अनुसार, छोटी-छोटी और सचेत आदतें जैसे रोजाना कुछ मिनट योग अभ्यास करना, जीवनशैली में बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

मत्स्यासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। हथेलियों को शरीर के नीचे रखें। कोहनियां जमीन पर टिकी रहें। सांस भरते हुए छाती को ऊपर उठाएं और सिर को पीछे ले जाएं ताकि सिर का ऊपरी हिस्सा जमीन को छू सके। कुछ सेकंड इस मुद्रा में रहें और फिर सामान्य स्थिति में लौट आएं। शुरुआत में किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में अभ्यास करें। साथ ही गंभीर बीमारी से ग्रस्त व गर्भवती महिलाओं को एक्सपर्ट की सलाह के बाद ही अभ्यास की शुरुआत करनी चाहिए।

तुलसी की पत्ती और मंजरी ही नहीं, बीज में भी छिपे हैं सेहत के राज, गर्मियों में सेवन से मिलते हैं कई फायदे

नई दिल्ली। सनातन धर्म में घर के आंगन में लगी तुलसी का काफी महत्व है। हालांकि, तुलसी पूजा की थाली तक सीमित नहीं है। इसकी पत्ती, मंजरी (फूल) और बीज सभी स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं। गर्मियों में तुलसी के भागों का सेवन शरीर को ठंडक प्रदान करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और कई मौसमी समस्याओं से बचाव करता है।

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय भी तुलसी को प्रकृति का शक्तिशाली वरदान मानता है। आयुर्वेद में तुलसी को 'रानी ऑफ हर्ब्स' कहा जाता है। इसकी पत्तियों के अलावा मंजरी यानी फूलों के गुच्छे और बीज में भी औषधीय गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तुलसी के बीज गर्मियों में खासतौर पर फायदेमंद होते हैं। इन्हें पानी में भिगोकर सेवन करने से शरीर को ठंडक मिलती है और गर्मी से होने वाली थकान, जलन और प्यास कम होती है।

तुलसी की मंजरी और पत्तियों में एंटीबायोटिक, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इनके नियमित सेवन से इम्युनिटी मजबूत होती है। सर्दी-खांसी, बुखार, गले की खराश और वायरल संक्रमण से बचाव होता है। अस्थमा और एलर्जी के मरीजों को भी राहत मिलती है। पाचन तंत्र को मजबूत करके गैस, अपच, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याओं में आराम पहुंचाता है।

तुलसी शारीरिक ही नहीं मानसिक समस्याओं को दूर करने में भी कारगर है। तुलसी की खुशबू तनाव कम करती है।

आईपीएल 2026: अभिषेक पोरेल-केएल राहुल की शतकीय साझेदारी, डीसी ने आरआर को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 62वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 5 विकेट से मात दी। इस जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में एक स्थान की छलांग लगाई है, जबकि आआर एक पायदान नीचे खिसक गई।

आईपीएल 2026 की प्वाइंट्स टेबल में राजस्थान रॉयल्स 12 मुकाबलों में 6 हार और इतनी ही जीत के साथ छठे पायदान पर पहुंच गई है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 13 में से 6 मैच अपने नाम किए हैं। यह टीम अब सातवें पायदान पर है।

अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 8 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इस टीम को 19 के स्कोर पर यशस्वी जायसवाल (12) के रूप में बड़ा झटका लगा, लेकिन इसके बाद ध्रुव जुरेल ने वैभव सूर्यवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 70 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

सूर्यवंशी 21 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए, जहां से ध्रुव ने कप्तान रियान पराग के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 72 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

ध्रुव जुरेल 40 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 53 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रियान ने 26 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मिचेल स्टार्क ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। लुंगी एनगिडी और माधव तिवारी ने 2-2 सफलताएं अपने नाम कीं।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19.2 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। मेजबान टीम को अभिषेक पोरेल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 61 गेंदों में 105 रन की साझेदारी की।

अभिषेक 31 गेंदों में 1 छक्के और 7 चौकों के साथ 51 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद केएल राहुल ने पारी को संभाला। राहुल ने 42 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 56 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

डीसी ने 122 के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद कप्तान अक्षर पटेल ने मोर्चा संभाला। कप्तान ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 4 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। अक्षर 18 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 34 रन बनाकर नाबाद रहे।

थाईलैंड ओपन में सिल्वर जीतने के बाद सात्विक-चिराग 'मलेशिया मास्टर्स' से हटे

पटुमवान । थाईलैंड ओपन में रविवार को सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत की टॉप मेंस डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने आगामी मलेशिया मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। थाईलैंड ओपन के फाइनल तक शानदार प्रदर्शन करने के बाद, यह जोड़ी अब अपने शेड्यूल को सावधानी से मैनेज कर रही है।

रविवार को सिल्वर मेडल से संतोष करने के बाद, इस भारतीय जोड़ी ने बताया कि वह मलेशिया में मुकाबला नहीं करेंगे। यह जोड़ी टूर के सिंगापुर, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया लेग में वापसी करेगी।

रेड्डी ने मुकाबले के बाद कहा, 'हम मलेशिया में नहीं खेल रहे हैं। हम सिंगापुर, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे हैं।'

यह फैसला तब आया, जब सात्विक और चिराग ने थाईलैंड में अभियान के दौरान अपनी लय और आत्मविश्वास को फिर से हासिल किया। हालांकि, गोल्ड मेडल मैच में उन्हें इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और डेनियल मार्थिन के हाथों 12-21, 23-25 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

जहां पहला गेम तेजी से हाथ से निकल गया, वहीं भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की। उन्होंने चार चैंपियनशिप प्वाइंट्स बचाए, लेकिन आखिर में वे थोड़े से अंतर से हार गए। शेट्टी ने माना कि वहां के हालात की तेज गति के कारण जोड़ी को शुरुआत में जमने में मुश्किल हुई।

रेड्डी ने माना कि हाल के महीनों में उनका आत्मविश्वास कम हुआ था, लेकिन उन्हें लगा कि उनकी जोड़ी धीरे-धीरे अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर की ओर लौट रही है।

स्क्वैश: अमीना ओर्फी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास, खिताब का बचाव करने में सफल रहे मुस्तफा

नई दिल्ली। मिस्र की युवा खिलाड़ी अमीना ओर्फी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीआईबी पाम हिल्स पीएसए वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। वहीं, विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मुस्तफा असल भी अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहे।

गोल्फ सेंट्रल पाम हिल्स में घरेलू दर्शकों के सामने मुकाबला करते हुए ओर्फी ने हाल के महिला स्क्वैश इतिहास के सबसे यादगार प्रदर्शनों में से एक किया, जबकि असल ने पुरुषों का अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाने के लिए शानदार खेल दिखाया। सबकी नजरें ओर्फी पर टिकी रहीं, जिन्होंने आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर एलशेरबिनी को पांच गेम के जबरदस्त मुकाबले में हराकर अब तक की सबसे कम उम्र की महिला वर्ल्ड चैंपियन बन गईं। 18 साल की इस खिलाड़ी ने 106 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-11, 11-6, 11-9, 7-11, 14-12 से जीत हासिल की और आखिरी गेम में दो चैंपियनशिप पॉइंट बचाए।

इस जीत से मिस्र की इस युवा खिलाड़ी का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है, जो एलशेरबिनी को पीछे छोड़कर महिलाओं का वर्ल्ड टाइटल जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। ओरफी की इस कामयाबी ने एलशेरबिनी को नौवीं वर्ल्ड चैंपियनशिप का ताज जीतने से भी रोक दिया। यह फाइनल मॉडर्न पॉइंट-ए-रैली स्कोरिंग सिस्टम के तहत खेला गया सबसे लंबा महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच है, जो 11 पॉइंट का है और अब तक के सबसे लंबे महिला प्रोफेशनल स्क्वैश मैचों में से एक है।

पूरे टूर्नामेंट में ओरफी का टाइटल रन उनके लचीलेपन और सब्र से पहचाना गया। फाइनल में एलशेरबिनी को हराने से पहले, वह सेमीफाइनल में एक और मैराथन मुकाबला जीत चुकी थीं, जहां उन्होंने 103 मिनट तक चले मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 1 हानिया एल-हम्मामी को हराया था। इस जीत से ओरफी एक खास क्लब में शामिल हो गई हैं। वह एक ही समय में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और सीनियर पीएसए वर्ल्ड चैंपियनशिप टाइटल जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं।

पुरुषों के फाइनल में, असल ने अपने साथी मिस्र के यूसुफ इब्राहिम पर सीधे गेम में आसान जीत के साथ खेल में अपनी सबसे बड़ी ताकत के तौर पर अपनी पहचान और पक्की कर ली। टॉप सीड ने शुरू से ही मैच पर कंट्रोल किया और 11-4, 11-1, 12-10 से मुकाबले को जीतकर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। हालांकि, इब्राहिम तीसरे गेम में मुकाबला करने में कामयाब रहे, लेकिन 27 साल के इब्राहिम डिफेंडिंग चैंपियन के खिलाफ दबाव बनाए नहीं रख सके। इब्राहिम अगले हफ्ते कंधे की सर्जरी की तैयारी के बावजूद लगातार राउंड में नंबर 2 सीड पॉल कोल और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन करीम अब्देल गवाद को हराकर अपने करियर के सबसे बड़े मैच में पहुंचे थे। असल के सफल खिताब बचाव ने उन्हें दूसरा पीसीए वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब दिलाया। यह उनके करियर का 29वां पीसीए टूर खिताब है।

दूसरा टेस्ट: बाबर आजम के अर्धशतक के बाद भी पाकिस्तान पहली पारी में बांग्लादेश से पिछड़ी

सिलहट । बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट गंवाने के बाद दूसरे टेस्ट में भी पाकिस्तान की स्थिति कमजोर नजर आ रही है। सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन के तीसरे सेशन में पाकिस्तान की पहली पारी 232 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश से 46 रन से पिछड़ गई है। बांग्लादेश ने पहली पारी में 278 रन बनाए थे।

पाकिस्तान ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 21 रन से की थी। अब्दुल्लाह फजल ने 8 और अजान अवैस ने 13 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। पाकिस्तान को पहला झटका 22 के स्कोर पर लगा, जब अब्दुल्लाह 9 रन बनाकर तस्कीन अहमद की गेंद पर मोमिनुल को कैच दे बैठे। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा। कप्तान शान मसूद 21 और सलमान आगा 21 रन बनाकर आउट हुए। दोनों बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए।

पाकिस्तान की तरफ से पूर्व कप्तान बाबर आजम एकमात्र बल्लेबाज रहे, जो बांग्लादेश के गेंदबाजों का सामना कर सके। पाकिस्तान सुपर लीग में शानदार बल्लेबाजी करने वाले बाबर ने अपनी फॉर्म यहां भी बरकरार रखी और 84 गेंदों पर 68 रन की पारी खेली।

'उम्र से कोई फर्क नहीं पड़ता, वैभव को भारतीय टी20 टीम में मौका मिलना चाहिए': रवि शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मैं चयनकर्ताओं से वैभव को जल्द से जल्द भारतीय टी20 टीम में शामिल करने का आग्रह करता हूं।

रवि शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' पर कहा, 'वैभव आईपीएल में अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ जिस निडरता से खेलता है, उसे नजरअंदाज करना मुमकिन नहीं है। 'पूर्व कोच ने कहा, 'अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को प्रोत्साहित करना चाहते हैं या उसे जल्द से जल्द टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो टी20 फॉर्मेट इसके लिए सबसे सही है। वैभव किसी भी मामले में पीछे नहीं है। इस समय, यह खिलाड़ी दुनिया की कई क्रिकेट टीमों में आसानी से जगह बना सकता है। उसकी ऊर्जा उसके चेहरे पर साफ झलकती है।'

शास्त्री ने कहा कि आयरलैंड की आगामी सीरीज सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लाने के लिए एक बेहतरीन मंच साबित हो सकता है। अगर उनका चयन होता है, तो यह खिलाड़ी भारत के लिए डेब्यू करने वाला अब तक का सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएगा।

शास्त्री ने कहा कि बहुत से लोग पूछेंगे कि वह 15 साल का है, 16 का है या 14 का। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं तो बस यह देखता हूं कि वह इस समय किस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है और कैसे वह अपने से दोगुनी या शायद ढाई गुनी उम्र के खिलाड़ियों का सामना कर रहा है। मुझे लगता है कि वह टीम में जगह बनाने की दौड़ में बहुत मजबूती से शामिल है। आयरलैंड दौरे और अन्य दौरों के लिए टीम इंडिया के चयन के समय मैं वैभव पर नजर रखूंगा।

वैभव सूर्यवंशी को हाल ही में इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। इंडिया ए टीम को श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलनी है। शास्त्री के समर्थन के बाद वैभव को आयरलैंड सीरीज के लिए भारत की सीनियर टीम में शामिल किए जाने की चर्चा और बढ़ेगी।

सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए डेब्यू करने के बाद हर स्तर पर अपनी करिश्माई और विस्फोटक बल्लेबाजी से दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को चौंकाया है और रोमांचित किया है। आईपीएल 2026 में आरआर के लिए वह सबसे बड़े मैच विनर के रूप में उभरे हैं। इस 15 साल के खिलाड़ी ने 11 मैचों की 11 पारियों में 40 की औसत और 236.56 की स्ट्राइक रेट से 440 रन बनाए हैं।

वैभव के बल्ले से 1 शतक और 2 अर्धशतक निकले हैं। शतक मात्र 36 गेंदों पर आया था। सीजन में वह 38 चौके और 40 छक्के लगा चुके हैं। आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष-15 बल्लेबाजों की सूची में वैभव नौवें नंबर पर हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा है।

एलिना स्वितोलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब, फाइनल में कोको गॉफ को हराया

रोम। सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबले में कोको गॉफ को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन के खिताब को अपने नाम किया।

दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गॉफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पॉइंट आठवें गेम में आया, जब गॉफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फॉल्ट किया, जिससे स्वितोलिना को ब्रेक बैक करने का मौका मिला। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना ने फिर नौवें गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर सर्व बनाई रखी और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट में स्वितोलिना और गॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गॉफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक लिया, लेकिन जब वह सेट जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब स्वितोलिना ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया और मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया। टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और सेट को 7-3 से अपने नाम करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया।

स्वितोलिना ने पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक करके निर्णायक सेट में कंट्रोल वापस पा लिया। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते हुए, उन्होंने बैकहैंड वॉली लगाकर अपनी जीत पक्की करने से पहले तीन ब्रेक पॉइंट बचाए। यह जीत रोम में उनका तीसरा सिंगल्स टाइटल और उनके करियर का 20वां डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल है।

थाईलैंड ओपन: सात्विक-चिराग को फाइनल में मिली हार, सिल्वर मेडल से करना पड़ा संतोष

पटुमवान (थाईलैंड)। भारत की टॉप मेंस डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को थाईलैंड ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्थिन से 21-12, 25-23 से हराया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग लय हासिल करने के लिए जूझते दिखाई दिए और इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले गेम को 21-12 से अपने नाम कर लिया। ??भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 23-25 से हार गए।

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन के बाहर होने के बाद सात्विक और चिराग की जोड़ी से फाइनल में काफी उम्मीदें लगाई जा रही थीं। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी का प्रदर्शन कमाल का रहा था और वह एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करते हुए फाइनल तक पहुंचे थे। हालांकि, वह खिताबी मुकाबले में अपनी लय को बरकरार रखने में नाकाम रहे। भारतीय जोड़ी का साल 2026 के पहले फाइनल को जीतने का सपना साकार नहीं हो सका।

इससे पहले, सात्विक-चिराग ने शनिवार को एक रोमांचक सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इजुद्दीन को हराकर 2026 सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बनाई थी। सात्विक और चिराग ने मलेशिया की जोड़ी को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया था। यह मुकाबला एक घंटे 22 मिनट तक चला था।

सात्विक और चिराग तीसरी बार थाईलैंड ओपन के खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। इससे पहले, वह साल 2019 और 2024 में इस खिताब पर कब्जा जमा चुके हैं। हालांकि, तीसरी बार टाइटल को जीतने का भारतीय जोड़ी का सपना साकार नहीं हो सका। पीवी सिंधु टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में यामागुची के खिलाफ 21-19, 18-21, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं।

बुंडेसलीगा लीग: बायर्न म्यूनिख ने कोलोन को 5-1 से रौंदा, हैरी केन ने लगाई हैट्रिक

बर्लिन । बायर्न म्यूनिख ने अपने बुंडेसलीगा कैंपेन का अंत एक और धमाकेदार प्रदर्शन के साथ किया। हैरी केन द्वारा लगाई गई हैट्रिक के दम पर बायर्न ने कोलोन को 5-1 से रौंदने के बाद ट्रॉफी को उठाया।

'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, केन ने लेनार्ट कार्ल के क्रॉस पर 10वें मिनट में बायर्न के लिए पहला गोल दागा और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके तीन मिनट बाद ही किमिच के फ्री-किक पर उन्होंने एक और गोल करते हुए मैच में बायर्न की पकड़ को मजबूत कर दिया।कोलोन शुरुआत में ज्यादा मौके नहीं बना पा रहा था, लेकिन सैद एल माला ने जमाल मुसियाला की मिडफील्ड में हुई गलती का फायदा उठाया। उन्होंने बायर्न के हाफ में तेजी से बढ़ते हुए 18वें मिनट में न्यूएर को मात देकर गोल कर दिया।

बायर्न ने इस गोल का जल्द ही जवाब दिया। मैच के 22वें मिनट में टॉम बिशॉफ ने शानदार गोल करते हुए बायर्न म्यूनिख को 3-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले गोलकीपर मार्विन श्वाबे ने लुइस डियाज के शॉट का शानदार अंदाज में बचाव किया, जबकि ब्रेक से कुछ देर पहले मुसियाला का शॉट गोल पोस्ट से लगकर वापस आ गया।

कोलोन के कोच रेने वैगनर ने इंटरवल के बाद लिंटन मैना को मैदान में उतारा, और मेहमान टीम की पिच पर मौजूदगी बढ़ गई और उन्होंने ज्यादा दबाव बनाना शुरू किया। कार्ल ने पोस्ट के बाहर शॉट मारा और मुसियाला बीच-बीच में पास तक पहुंचते रहे। मैच के 69वें मिनट में गोरेट्ज़का के डीप से रन के बाद हैरी केन ने लंबी दूरी से जबरदस्त गोल दागा, जिससे मैच का नतीजा लगभग तय हो गया।

इसके बाद गोरेट्ज़का को स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जिसके बाद रिप्लेसमेंट निकोलस जैक्सन ने 83वें मिनट में अपने पहले टच से गोल करके स्कोर को 5-1 कर दिया।

दूसरी तरफ, बोरुसिया डॉर्टमुंड ने वेर्डर ब्रेमेन पर 2-0 से जीत के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि लाइपजग फ्रीबर्ग से 4-1 से हारने के बावजूद सीजन के अंत में तीसरे स्थान पर रहा। फ्रीबर्ग की जीत ने उन्हें सातवां स्थान और यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग में जगह दिला दी है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415